गांव की गलियों से सरहद पार तक

dainikworldwisenews@gmail.com

वर्ल्ड वाइज न्यूज

डब्ल्यू डब्ल्यू एन

RNI.NO: JHAHIN/2023/85732

हजारीबाग ▪ गुरुवार,13 मार्च,2025 ▪ विक्रम सम्वत् 2081 ▪ पृष्ठ 12 ▪ मूल्य :5 रू ▪ वर्ष :02 ▪ अंक: 236 ▪ झारखंड संस्करण

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

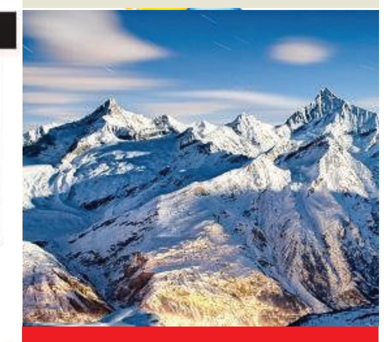

वर्ल्ड टूरिज्म यूरोप।

भारत और मॉरीशस के बीच 8 अहम समझौते रणनीतिक साझेदारी को मिला विस्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और मॉरीशस के बीच वित्तीय अपराध की रोकथाम, छोटे एवं मझोले उद्यम, सार्वजनिक सेवा क्षमता निर्माण, समुद्री सुरक्षा और स्थानीय मुद्रा व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में 8 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। साथ ही सेंट ब्रैंडन द्वीप का एक नौसैनिक चार्ट भी सौंपा गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस में हैं। आज प्रधानमंत्री मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन चंद्र रामगुलाम के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए संबंधों को अपग्रेड करने की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने समझौते को लेकर एक्स पोस्ट में कहा कि मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस के विशेष अवसर पर उन्हें अपने अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री नवीन चंद्र रामगुलाम से मिलने और भारत-मॉरीशस दोस्ती की पूरी श्रृंखला पर चर्चा करने का अवसर मिला। हमने अपनी साझेदारी को एक बढ़ी हुई रणनीतिक साझेदारी के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। हमने इस बारे में बात की कि हम बुनियादी ढांचे, आवास, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और बहुत कुछ जैसे क्षेत्रों में एक साथ कैसे काम कर सकते हैं। हम एआई, क्षमता निर्माण और स्थायी विकास जैसे क्षेत्रों में अधिक जमीन को शामिल करने पर भी सहमत हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के विकास के लिए भारतीय प्रतिबद्धता को दोहराया और उच्च-प्रभाव वाले सामुदायिक विकास परियोजनाओं के चरण-दो तथा मॉरीशस के लिए एक नए संसद भवन के निर्माण के लिए समर्थन की घोषणा की। दोनों देशों के प्रधानमंत्री ने संयुक्त रूप से मॉरीशस में भारत-सहायता प्राप्त सिविल सर्विस कॉलेज का उद्घाटन किया। संस्थान का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा गया है। संस्थान मॉरीशस के नौकरशाहों के लिए प्रशिक्षण के अवसरों को बढ़ाने के लिए उत्कृष्टता का एक केंद्र है। इस दौरान 20 उच्च-प्रभाव वाले सामुदायिक विकास परियोजनाओं और एक भारत-सहायता प्राप्त स्वास्थ्य केंद्र (एएचसी) परिसर का उदघाटन किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी को मिला मॉरीशस का सर्वोच्च सम्मान

नई दिल्ली। मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजधानी पोर्ट लुइस में देश के सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ़ द इंडियन ओशन' से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी को मिला यह 21वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। प्रधानमंत्री ने पूर्ण विनम्रता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करते हुए पुरस्कार को भारत से सदियों पहले मॉरीशस आए पूर्वजों और उनकी सभी पीढ़ियों को समर्पित किया। मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह के दौरान सम्मानित प्रधानमंत्री ने हार्दिक आभार प्रगट करते हुए कहा कि यह सिर्फ उनका नहीं बल्कि 1.4 अरब भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और मॉरीशस के बीच के रिश्ते के सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक बंधनों को सम्मान है। साथ ही प्रधानमंत्री ने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया कि भारत-मॉरीशस रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का हर संभव प्रयास करते रहेंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन चंद्र रामगुलाम ने कल एक सामुदायिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी को उनके देश के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी सम्मान के वास्तविक अधिकारी हैं। इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति और उनकी पत्नी मीना को 'ओवरसीज सिटिजन आफ इंडिया' (ओसीआई) कार्ड प्रदान किया था। यह कार्ड भारत में आवाजाही की वीजा सुविधा प्रदान करता है और भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को दिया जाता है।

भारत-मॉरीशस के बीच साझेदारी

'उन्नत रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा देने पर बनी सहमति

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पोर्ट लुईस में कहा कि भारत-मॉरीशस साझेदारी को उन्नत रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम और मैंने भारत-मॉरीशस साझेदारी को उन्नत रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का निर्णय लिया है। हमने यह भी निर्णय लिया है कि भारत मॉरीशस में एक नए संसद भवन के निर्माण में सहायता करेगा, जो मॉरीशस को 'लोकतंत्र की जननी' की ओर से एक उपहार होगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मॉरीशस में 100 किलोमीटर लंबी पानी की पाइपलाइन के आधुनिकीकरण के लिए एक परियोजना शुरू की जाएगी। सामुदायिक विकास परियोजनाओं के दूसरे चरण में 500 मिलियन मॉरीशस रुपये की नई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। अगले पांच वर्षों में मॉरीशस के 500 सिविल सेवक भारत में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। हम स्थानीय मुद्रा में द्विपक्षीय व्यापार लेनदेन को निपटाने के लिए भी सहमत हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र, खुला, सुरक्षित एवं संरक्षित हिंद महासागर भारत-मॉरीशस की साझी प्राथमिकता है। हम मॉरीशस के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा में पूर्ण सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वैश्विक दक्षिण हो, हिन्द महासागर हो, या अफ्रीका भू-भाग, मॉरीशस हमारा महत्वपूर्ण साझेदार है। दस वर्ष पहले विज़न सागर यानी "क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास" की आधारशीला यहीं मॉरीशस में रखी गई थी। इस पूरे क्षेत्र की स्थिरता और समृद्धि के लिए हम सागर विज़न लेकर चले हैं। वैश्विक दक्षिण के लिए हमारा विज़न रहेगा- महासागर, यानी "क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति"। इसमें विकास के लिए व्यापार, सतत विकास के लिए क्षमता निर्माण तथा साझा भविष्य के लिए पारस्परिक सुरक्षा की भावना समाहित है। प्रधानमंत्री ने 140 करोड़ भारतीयों की ओर से मॉरीशस के सभी नागरिकों को राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत और मॉरीशस न केवल हिंद महासागर के जरिए बल्कि साझा सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों से भी जुड़े हुए हैं। हम आर्थिक और सामाजिक दोनों मामलों में मजबूत साझेदार हैं। प्राकृतिक आपदा हो या कोविड की विपदा, हमने हमेशा एक दूसरे का साथ दिया है। रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्पेस सहित हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में हमने अपने संबंधों में कई नए आयाम जोड़े हैं। विकास सहयोग और क्षमता निर्माण में नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने एनआईए से मांगा जवाब- आखिर सांसद राशिद को बजट सत्र में शामिल होने क्यों नहीं दी जाए पैरोल

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एनआईए से जेल में बंद जम्मू-कश्मीर के सांसद इंजीनियर राशिद की कस्टडी पैरोल याचिका पर जवाब मांगा। राशिद ने संसद के चल रहे बजट सत्र में भाग लेने के लिए पैरोल मांगी है। बता दें कि सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो चुका है और 4 अप्रैल तक जारी रहेगा। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और रजनीश कुमार गुप्ता की युगलपीठ ने नोटिस जारी करते हुए 18 मार्च को अगली सुनवाई की तारीख तय की। कोर्ट ने कहा कि नोटिस जारी करें। अगर कोई आपत्ति हो तो एनआईए सोमवार तक जवाब पेश करें। मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। सांसद राशिद 2019 से आतंकवाद को आर्थिक मदद करने के मामले में जेल में बंद हैं। उन्होंने अंतरिम जमानत की मांग की है। उन्होंने हाईकोर्ट में सिविल कोर्ट के 10 मार्च के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें उन्हें कस्टडी पैरोल देने से इनकार कर दिया था। राशिद ने कहा कि बजट सत्र में उनकी उपस्थिति उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की चिंताओं को प्रस्तुत करने और संबोधित करने के लिए अहम है। राशिद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दलील दी। उन्होंने बताया कि पिछले महीने हाईकोर्ट ने उन्हें सत्र के पहले चरण में शामिल होने के लिए दो दिन की कस्टडी पैरोल दी थी। 10 फरवरी को न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने कस्टडी पैरोल दी थी, क्योंकि सांसद की जमानत याचिका सुनने के लिए कोई फोरम उपलब्ध नहीं था।

निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएं दोबारा निर्धारित करने की प्रक्रिया है परिसीमन

नई दिल्ली। दक्षिण भारत के अधिकतर राज्य संसदीय सीटों के लिए प्रस्तावित परिसीमन का विरोध कर रहे हैं। परिसीमन के तहत लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाई जानी है क्योंकि देश की जनसंख्या बढ़ने से एक सांसद जितने लोगों को रिप्रजेंट कर सकता है उससे कहीं ज्यादा लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहा है। परिसीमन कर जनसंख्या के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभा में निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं का फिर से निर्धारण किया जाएगा। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने इस पर कड़ा विरोध जताया है। निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएं दोबारा निर्धारित करने की प्रक्रिया को परिसीमन कहलाती है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि लोकतंत्र में आबादी का सही प्रतिनिधित्व हो सके और सभी को समान अवसर मिल सकें। इसलिए लोकसभा या विधानसभा सीटों के क्षेत्र को दोबारा से परिभाषित या उनका पुनर्निधारण किया जाता है। चुनावी प्रक्रिया को ज्यादा लोकतांत्रिक बनाने के लिए परिसीमन जरूरी है। हर राज्य में समय के साथ जनसंख्या में बदलाव होते हैं, ऐसे में बढ़ती जनसंख्या के बाद भी सभी का समान प्रतिनिधित्व हो सके, इसलिए निर्वाचन क्षेत्र का पुनर्निधारण होता है। बढ़ती जनसंख्या के मुताबिक निर्वाचन क्षेत्रों का सही तरीके से विभाजन हो सके, ये भी परिसीमन प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। इसका उद्देश्य भी यही है कि हर वर्ग के नागरिक को प्रतिनिधित्व का समान अवसर मिले।

केन्द्र और असम के बीच स्थायी जैव प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए समझौता

एजेंसी। नई दिल्ली

असम में एक स्थायी जैव प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देते हुए उच्च-प्रदर्शन बायो उत्पादन में तेजी लाने के लक्ष्य से बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) और राज्य सरकार ने बायो 3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार) नीति के तहत एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर को व्यापक परामर्श, उच्चस्तरीय बैठकों और डीबीटी और असम सरकार द्वारा किए गए सहयोगात्मक प्रयासों की परिणति बताया है। पिछले साल 24 अगस्त को भारत को जैव-आधारित नवाचारों में एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वायो ई3 नीति को मंजूरी दी थी। नीति विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में सतत जैव-निर्माण पर जोर देती है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नई दिल्ली स्थित डीबीटी मुख्यालय में हुआ।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर पिछले एक साल में 2601 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए : गृह राज्य मंत्री

नई दिल्ली। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर पिछले एक साल में 2601 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में अवैध प्रवासन और सीमा सुरक्षा से जुड़े प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर 1 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2025 तक कुल 2601 लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि 2024 में जनवरी में 138, फरवरी 124, मार्च 118, अप्रैल 91, मई 32, जून 247, जुलाई 267, अगस्त 214, सितंबर 300, अक्टूबर 331, नवंबर 310, दिसंबर 253 और 2025 के जनवरी माह में 176 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार ने उन्नत निगरानी प्रणाली, अतिरिक्त बलों की तैनाती और तकनीकी एकीकरण को अपनाया है। सुरक्षा उपायों में हैंडहेल्ड थर्मल इमेजर, नाइट विजन डिवाइस, मानव रहित हवाई वाहन, सीसीटीवी अथवा पीटीजी कैमरे आईआर सेंसर और असम के धुबरी में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में स्थापित समग्र एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। परिचालन स्तर पर, सीमा पर लगातार गश्त, नाके, अवलोकन चौकियों तथा स्थानीय पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के साथ संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में फ्लड लाइट और सौर लाइट के माध्यम से रोशनी की व्यवस्था की गई है जबकि नदी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए नावें और फ्लोटिंग सीमा चौकियां तैनात की गई हैं। खुफिया नेटवर्क को मजबूत किया गया है ताकि तस्करों की पहचान और निगरानी की जा सके, साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त अवरोधों के साथ बाड़बंदी को उन्नत किया गया है। सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय बैठकों, डॉग स्क्वायड की तैनाती, गहन वाहन गश्त और बीएसएफ द्वारा संचालित 15 मानव तस्करी विरोधी इकाइयों की सक्रियता से सुरक्षा उपायों को और मजबूत किया गया है। राय ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), संयुक्त भारत बांग्लादेश दिशा निर्देश 1975 के अनुसार विभिन्न स्तरों पर सीमा गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ विभिन्न स्तरों पर समन्वय स्थापित करता है। इसके अलावा 2011 में बीएसएफ और बीजीबी के बीच हस्ताक्षरित समन्वित सीमा प्रबंधन योजना के तहत निर्धारित तंत्र के अनुसार नोडल अधिकारी नियमित बैठकें आयोजित करते हैं। उन्होंने बताया कि बीएसएफ की दक्षता बढ़ाने के लिए कई उपाय किए गए हैं, जिनमें अवलोकन चौकियों की स्थापना, जवानों की संख्या में वृद्धि, सीमा बाड़बंदी और फ्लड लाइट व्यवस्था का निर्माण शामिल है।

आंध्र प्रदेश में तालाबों और टैंकों में गहन जलीय कृषि के लिए 197 इकाइयों को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत राज्य में तालाबों और टैंकों में गहन (इंटेंसिव) जलकृषि सहित मात्स्यिकी और जलकृषि के विकास के लिए 559.10 करोड़ रुपये के केंद्रीय अंश के साथ 2398.72 करोड़ रुपये की कुल लागत पर आंध्र प्रदेश सरकार से प्राप्त प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। पीएमएमएसवाई के तहत आंध्र प्रदेश को तालाबों और टैंकों में गहन जलकृषि के लिए 197 इकाइयों को स्वीकृति दी गई है। इनमें मीठे पानी और खारे पानी, दोनों के लिए बायोफ्लोक तालाब कृषि और 2020-21 से 2024-25 के दौरान 63.97 करोड़ रुपये की लागत से री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम हैं। यह जानकारी मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन ने आज राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी। मत्स्यपालन विभाग ने विगत चार वर्षों और वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान आंध्र प्रदेश सरकार को जल कृषि के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने सहित विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए 559.10 करोड़ रुपये का केंद्रीय अंश आवंटित किया है।

आज लांच होगा क्रू-10 मिशन, 16 को धरती पर लौटेंगी सुनीता विलियम्स

वॉशिंगटन। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी विलमोर, पिछले 9 महीनों से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर फंसे थे। अब वे धरती पर लौटने की तैयारी कर रहे हैं। नासा ने पुष्टि की है कि विलियम्स और विलमोर 16 मार्च को धरती पर लौटने वाले है। नासा ने स्पेसएक्स ड्रैगन पर रिलीफ क्रू को भेजने की मंजूरी दे दी है। यह क्रू अगले हफ्ते आईएसएस के लिए लांच होगा। क्रू-10 मिशन 12 मार्च 2025 को लांच होगा। इस मिशन में नासा के ऐनी मैकक्लेन और निकोल आयर्स, जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव शामिल है। पहले इन्हें नए क्रू ड्रैगन पर भेजा जाना था, लेकिन देरी के कारण अब इन्हें अनुभवी 'एंड्यूरेंस' कैप्सूल में भेजा जाएगा। स्टारलाइनर कैप्सूल में तकनीकी खराबी के कारण मिशन अधूरा रह गया। 10 दिन के इस मिशन में स्टारलाइनर को आईएसएस से लौटना था, लेकिन लगातार आ रही दिक्कतों के कारण विलियम्स और विलमोर को वहीं रहना पड़ा। सितंबर 2024 में स्टारलाइनर बिना क्रू के धरती पर वापस आ गया। नासा ने उनकी वापसी के लिए स्पेसएक्स के क्रू-9 मिशन में जगह आरक्षित की। अगस्त 2024 में लांच हुए क्रू-9 मिशन में नासा के निक हेग और रोसकॉस्मोस के अलेक्ज़ेंडर गॉर्बुनोव को भेजा गया था, और दो सीटें विलियम्स और विलमोर के लिए खाली रखी गई थीं।

Classified

अधिक जानकारी के लिए आप आयुष्मान डेंटल क्लिनिक के दिए गए नंबर पर संपर्क करे :

7061815259, 7906590688

Classified

M/S MAA MARBLE HOUSE & SANITARY

WHOLESALE & RETAIL

होलसेल एवं रिटेल बाजार मूल्य से कम दरों में हमारे पास टाइल्स मार्बल उपलब्ध अधिक जानकारी के लिए दिए गए संपर्क नंबर पर संपर्क करें - 6200745340

दुनिया के कई देशों में भारतीय रुपये की जबदस्त वैल्यू

एजेंसी। नई दिल्ली

आमतौर पर लोग रुपये की तुलना डॉलर से करते हैं और यह मानते हैं कि रुपया कमजोर मुद्रा है। लेकिन दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां भारतीय रुपये की जबरदस्त वैल्यू है और वहां कम खर्च में शानदार यात्रा का आनंद लिया जा सकता है। ईरान भारतीय यात्रियों के लिए सबसे किफायती देशों में से एक है। यहां की आधिकारिक मुद्रा ईरानी रियाल है और एक भारतीय रुपया 481 ईरानी रियाल के बराबर है। यानी अगर आप 10,000 रुपये लेकर ईरान जाते हैं तो वहां कई दिनों तक आराम से घूम सकते हैं और शानदार खरीदारी कर सकते हैं। इसी तरह वियतनाम में भारतीय रुपये की वैल्यू काफी अधिक है। 1 रुपया यहां 303.62 वियतनामी डोंग के बराबर है, जिससे यहां की यात्रा काफी सस्ती हो जाती है। लाओस और इंडोनेशिया भी भारतीय पर्यटकों के लिए बजट-फ्रेंडली डेस्टिनेशन हैं। लाओस में 1 रुपया 265.47 लाओटियन किप के बराबर है, जबकि इंडोनेशिया में 1 रुपया 193.92 इंडोनेशियाई रुपिया के बराबर मिलता है। परागुआ भी एक ऐसा देश है जहां भारतीय मुद्रा की मजबूत स्थिति देखने को मिलती है। यहां 1 रुपया 90.31 परागुआयन गुआरानी के बराबर होता है। कंबोडिया और दक्षिण कोरिया भी ऐसे देश हैं जहां भारतीय रुपये की अच्छी कीमत मिलती है। कंबोडिया में 1 रुपये की कीमत 49.21 कम्बोडियन रील है, जबकि दक्षिण कोरिया में यह 16.58 दक्षिण कोरियाई जीता के बराबर होता है। हंगरी में 1 रुपया 4.30 हंगेरियन फोरिंट के बराबर है, जबकि श्रीलंका में 1 रुपये की कीमत 3.63 श्रीलंकाई रुपये के बराबर होती है। जापान में भी भारतीय मुद्रा की अच्छी वैल्यू देखने को मिलती है। यहां 1 रुपये की कीमत 1.90 जापानी येन के बराबर होती है। इसके अलावा, नेपाल और पाकिस्तान में भी भारतीय रुपये की कीमत स्थानीय मुद्रा के मुकाबले अधिक है। अगर आप विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं और कम खर्च में ज्यादा घूमना चाहते हैं, तो इन देशों का चुनाव करना एक समझदारी भरा फैसला हो सकता है। जब भी कोई यात्री विदेश यात्रा की योजना बनाता है, तो सबसे बड़ी चिंता होती है कि वहां के खर्चे कैसे होंगे। किसी देश में भारतीय रुपये की कीमत अधिक होने पर यात्रा काफी किफायती हो सकती है।

वर्ल्ड फेमस

पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर के अलगाववादी समूहों पर भारत के प्रतिबंधों की आलोचना की है। पाकिस्तान ने इसे भारत का कठोर रवैया और असहमति को दबाने की कोशिश करार दिया है। भारत ने मंगलवार को जम्मू और कश्मीर के दो और अलगाववादी समूहों पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया था।

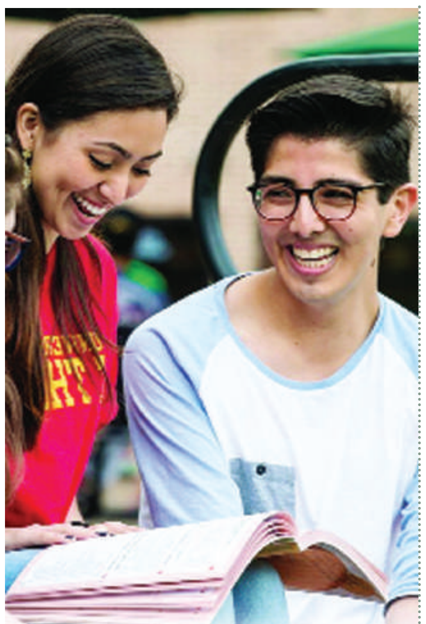

रैंक डिसाइड करता है निबंध, इन टिप्स की मदद से करें तैयारी

निबंध लेखन यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा का अनिवार्य और एक महत्वपूर्ण भाग है। निबंध का पेपर सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के नौ पेपरों में से एक है। इस पेपर में आपको दो निबंध लिखने होंगे, जिनमें से प्रत्येक की शब्द सीमा 1000 - 1200 होगी। उम्मीदवारों को चार विषयों में से एक विषय का चयन करने के लिए दिया जाएगा।

निबंध का पेपर कुल 250 अंकों का होता है, जिसमें एक निबंध 125 अंकों का होता है। इस पेपर के लिए एक बेहतर स्ट्रेटेजी बनाकर तैयार करना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं टॉपर की तरफ से तैयारी के कौन-से टिप्स दिए गए हैं।

इंट्रोडक्शन में पाठक को लुभाने की हो ताकत

निबंध की शुरुआत इंट्रोडक्शन से होती है यही कारण है कि इसका सबसे अधिक आकर्षक होना आवश्यक है। टॉपर्स का कहना है कि इंट्रोडक्शन एक बेहतर निबंध का मूल मंत्र है।

डाटा और फैक्ट्स से निबंध होगा मजबूत

टॉपर्स का कहना है कि निबंध में ज्यादा से ज्यादा डाटा और फैक्ट्स शामिल करने का प्रयास करें। ऐसा करने से न सिर्फ आपका निबंध विश्वसनीय बनेगा साथ ही आपको बेहतर अंक भी मिल सकते हैं।

रोज योजना मैगजीन पढ़ें

निबंध लिखने वाले उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि रोज योजना मैगजीन पढ़ें। योजना मैगजीन पढ़ने से आपको यह आइडिया हो जाएगा कि सरकारी निबंध कैसे लिखे जाते हैं। उम्मीदवार इस स्ट्रेटेजी को जरूर अपनाएं।

असल जिंदगी के उदाहरण करें शामिल

एक बेहतर निबंध लिखने के लिए आवश्यक है कि सभी पाठकों को उससे जुड़ जाए। ऐसा करने के लिए उम्मीदवार लिखते समय असल जिंदगी से जुड़े हुए उदाहरण या किस्से कहानियां लिख सकते हैं। यह निबंध को अधिक सरल और रोचक बना देती है।

स्कूली पढ़ाई के बाद बनाएं आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में करियर

अगर आप भी स्कूली पढ़ाई पूरी होने के बाद अन्य स्टूडेंट्स की तरह मेडिकल आदि अपना करियर नहीं बनाना चाहते हैं तो आपके पास कई ऑप्शन हैं। जिनमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक आर्किटेक्चर भी है। इंजीनियरिंग क्षेत्र के महत्वपूर्ण कोर्सेस में से आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स एक है। इसमें कोर्स में एडमिशन लेने के लिए कैंडिडेट को जेईई की परीक्षा में शामिल होना होता है। आर्किटेक्चर के तौर पर आपका काम बिल्डिंगों के निर्माण, डिजाइन आदि से संबंधित होता है। बता दें कि देश के अलावा विदेशों में भी आर्किटेक्चर्स की डिमांड काफी बढ़ी है। 12वीं पास करने के बाद आप भी इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं। इसमें प्रवेश लेने के लिए आपको प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

4 साल का कोर्स

बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स 4 साल का होता है। इस कोर्स को 8 सेमेस्टर में डिवाइड किया गया है। इसकी पढ़ाई के दौरान छात्रों को प्लानिंग, डिजाइनिंग, निर्माण, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही सिविल इंजीनियरिंग के बुनियादी पहलुओं के बारे में भी स्टूडेंट्स को सिखाया बताया जाता है। इस कोर्स को करने वाले छात्रों में रचनात्मक, क्रिएटिविटी और कल्पना का होना जरूरी है।

योग्यता

- बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र को 12वीं साइंस स्ट्रीम से पास करना जरूरी है।
- 12वीं कक्षा की अंतिम परीक्षा के दौरान आप इस कोर्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं।
- इसमें एडमिशन के लिए छात्र के कम से कम 50% अंक होना जरूरी है।
- 12वीं पीसीएम में अंग्रेजी विषय की जानकारी होना आवश्यक है।
- आरक्षित श्रेणी के छात्रों को गाइडलाइन्स के हिसाब से 5% की छूट मिलती है।

एडमिशन प्रोसेस

आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में बीटेक कोर्स करने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए कैंडिडेट को कंडक्टिंग बॉडी द्वारा जारी किए आवेदन फॉर्म को भरना होता है। इस फॉर्म को भरने वाले कैंडिडेट को ई-मेल आईडी के जरिए अपनी शैक्षिक जानकारी और जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें। इसके बाद आपको आवेदन फीस देनी होगी। आवेदन होने के बाद प्रवेश परीक्षा में उम्मीदवारों अच्छा प्रदर्शन करना होता है। परीक्षा में रैंक के आधार पर काउंसलिंग प्रोसेस होता है। नंबर अच्छे आने के बाद छात्रों को सीट अलॉट की जाती है।

प्रवेश परीक्षा

- जेईई मेन
- जेईई एडवांस
- डब्ल्यूजेईई
- वीआईटीईईई
- एसआरएमजेईई
- केईएएम
- एलपीयूएनईएसटी
- एनएटीए
- एपी ईएएमसीईटी

पद

- आर्किटेक्चर - 2 से 3 लाख रुपये
- बिल्डिंग सर्वेयर - 3.5 से 4 लाख रुपये
- आर्किटेक्चूरल इंजीनियर - 4 से 5 लाख रुपये
- स्ट्रक्चुरल इंजीनियर - 5 से 6 लाख रुपये
- रूरल प्लानिंग - 5 से 6 लाख रुपये
- अबर प्लानिंग - 6 लाख रुपये
- इंटिरियर डिजाइन - 5 से 6 लाख रुपये
- बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स

- निर्माण उद्योग
- डिजाइन और वास्तुकला उद्योग
- इंटीरियर डिजाइनिंग
- नगर योजना आयोग
- एयरोस्पेस उद्योग
- भारतीय रेल
- नगर निगम
- भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन
- राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड
- आइडिया
- शोवा सेकेई
- पलाफॉक्स एसोसिएट्स
- मोर्फोजेनेसिस
- औकेट स्वांके
- मूलरूप समूह
- प्रोगेटो सीएमआर
- बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स - उच्च शिक्षा
- एमटेक/एमई इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग
- एमबीए
- पीएचडी
- प्रतियोगिता परीक्षाएं

कॉलेज और फीस

इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान
कोर्स की फीस - 34,500 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 11,45,000 रुपये (सालाना)

थंगल कुंजू मुसलियार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (टीकेएमसीई)
कोर्स की फीस - 12, 425 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 8,00,000 रुपये (सालाना)

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय चंडीगढ़
कोर्स की फीस - 1,60,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 6,00,00 रुपये (सालाना)

निम्स यूनिवर्सिटी जयपुर
कॉलेज की फीस - 60,000 रुपये

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर
कोर्स की फीस - 1,38, 200 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 20,00,000 रुपये (सालाना)

इंडियाना इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, गोरखपुर
कोर्स की फीस - 54, 000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 5,40,000 रुपये (सालाना)

अखिल भारतीय प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान - [एआईआईटीएम] चेन्नई
कोर्स की फीस - 60,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 3,00,000 रुपये (सालाना)

केसी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ऊना
कोर्स की फीस - 70,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 6,00,000 रुपये (सालाना)

हिंदुस्तान प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (एचआईटीएस) चेन्नई
कोर्स की फीस - 2,87,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 3,80,000 रुपये (सालाना)

स्कूल ऑफ एरोनॉटिक्स नई दिल्ली
कोर्स की फीस - 1,80,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 4,80,000 रुपये (सालाना)

आईआईटी, मद्रास
कोर्स की फीस - 9.1 लाख रुपये

एसआरएम विश्वविद्यालय
कोर्स की फीस - 14 लाख रुपये

एमआईटी मणिपाल
कोर्स की फीस - 16 लाख रुपये

अन्ना विश्वविद्यालय
कोर्स की फीस - 5 लाख रुपये

बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय

आज जब एक ओर पशुओं के चारे दाने एवं दवाएं महॅगी होने से पशुपालन आर्थिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हो गया हैं । ऐसे में बकरी पालन कम लागत एवं सामान्य देखरेख में गरीब किसानों एवं खेतिहर मजदूरों के जीविकोपार्जन का एक मजबूत साधन बन रहा हैं । इतना ही नहीं इससे होने वाली आय समाज के आर्थिक रूप से सम्पन्न लोगों को भी अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं । बकरी पालन स्वरोजगार का एक प्रबल साधन बन रहा है। बकरी एक पालतु पशु है जिसे दूध तथा मांस के लिये पाला जाता है । इसके अतिरिक्त इससे चमड़ा, बाल, रेशा तथा खाद प्राप्त होता है । वातावरण एवं वरणात्मक प्रजनन ने बकरी की कई नस्लों को तैयार किया, जो विभिन्न स्थानों पर उपयोग के अनुसार पाई जाती हैं । आज भारत में लगभग 20 उन्नत नस्लें पाई जाती हैं । बकरी पालन का एक लाभकारी पहलू यह है कि इसे महिलाएं भी आसानी से पाल सकती हैं । वर्तमान में बकरी व्यवसाय की लोकप्रियता तथा सफलता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में इसका व्यवसायीकरण हो रहा हैं । औद्योगिक घराने तथा व्यवसायी बकरी पालन पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है और बड़े बड़े बकरी फार्म सफलतापूर्वक चल रहे हैं । भारत की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में बकरी जैसा छोटे आकार का पशु भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा हैं । विगत 2-3 दशकों में बढ़ी हुई वध दर के वाबजूद विकासशील देशों में बकरियों की संख्या में निरंतर वृद्धि, इनके सामाजिक एवं आर्थिक महत्व को दर्शाती हैं । प्राकृतिक रूप से निम्न कारक बकरी विकास दर को बड़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं और इन्हीं कारणों से बकरी का एक विशेष स्थान है - बकरी का विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में ढालने की क्षमता रखना । इसी गुण के कारण बकरियां देश के विभिन्न भौगोलिक भूभागों में पाई जाती हैं। बकरी की अनेक नस्लों का एक से अधिक बच्चा देने की क्षमता रखना । बकरी की व्याने के उपरांत अन्य पशु प्रजातियों की तुलना में पुनः जनने के लिये जल्दी तैयार हो जाना ।

बकरी पालन प्रायः सभी जलवायु में कम लागत, साधारण आवास, सामान्य रख-रखाव तथा पालन पोषण के साथ संभव है । इसके उत्पाद की बिक्री हेतु बाजार सर्वत्र उपलब्ध है।

बकरी पालन की उपयोगिता

आज जब एक ओर पशुओं के चारे दाने एवं दवाएं महॅगी होने से पशुपालन आर्थिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हो गया हैं । ऐसे में बकरी पालन कम लागत एवं सामान्य देखरेख में गरीब किसानों एवं खेतिहर मजदूरों के जीविकोपार्जन का एक मजबूत साधन बन रहा हैं । इतना ही नहीं इससे होने वाली आय समाज के आर्थिक रूप से सम्पन्न लोगों को भी अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं । बकरी पालन स्वरोजगार का एक प्रबल साधन बन रहा है। बकरी पालन मुख्य रूप से मांस, दूध तथा रोआ (पसमिना एवं मोहेर) के लिये किया जा सकता हैं । हमारे क्षेत्र में पाई जाने वाली बकरियां वयस्क होकर दो वर्ष में कम से कम 3 बार बच्चों को जन्म देती हैं और एक वियान में 1 से 2 बच्चों को जन्म देती हैं । बकरियों से मांस, दूध, खाल एवं रोआ के अतिरिक्त इसके मल-मूत्र से जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ती हैं । बकरियां प्रायः चारागाह पर निर्भर रहती हैं । यह झाडियाँ, जंगली घास तथा पेड़ के पत्तों को खाकर हम लोगो के लिये पौष्टिक पदार्थ जैसे मांस एवं दूध उत्पादित करती हैं।

बकरी पालन हेतु कुछ सावधानियां

- बकरा बकरी को अलग अलग रखना चाहिये।
- प्रथम प्रजनन 8 से 10 माह के बाद ही कराना चाहिये।
- बच्चा देने के बाद कम से कम 30 बाद ही पुनः प्रजनन करावें ।
- बकरी के बच्चों को ठंड से बचाना चाहिये।
- नर बच्चों का बधियाकरण 2 माह की उम्र में कराएं ।
- बकरियों का नियमित टीकाकरण कराएं तथा कृमिनाशक दवा दें ।
- आवास हमेशा साफ सुथरा रखें।

फाग की फुहार में भीगे गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षु

- आकर्षक रंगोली बना होली मिलन में दिया सामाजिक समरसता का संदेश
- अबीर-गुलाल उड़ा दी त्योहार की शुभकामनाएं, पारंपरिक लजीज व्यंजनों का चखा स्वाद

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग में बुधवार को होली मिलन समारोह में फाग की फुहार बरसी। इस फागरस में प्रशिक्षुओं ने भाइचारगी का रंग घोल सबको भिगोया। वहीं आकर्षक रंगोली बनाकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। होली मिलन समारोह में प्रशिक्षुओं ने पारंपरिक फगुआ गीत प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। वहीं चुटकुलों और हंसी-ठिठोली के बीच मूर्खाधिराज चुनने-चुनाने के दौर से हास्य-व्यंग्य परवान चढ़ता रहा। सभी ने शांति, सद्भाव और परंपरागत तरीके से रंगों का त्योहार मनाने का संकल्प लिया। सभी ने एक-दूजे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पारंपरिक व्यंजन बर्रा, धुस्का, मिठाइयां आदि का स्वाद चखा। मौके पर प्राचार्य डॉ वसुंधरा कुमारी, सहायक प्राध्यापक अनिल कुमार, जगेश्वर रजक, एस.एस. मैती, कुमारी अंजलि, डॉ पुष्पा कुमारी, डॉ गुलशन कुमार, संदीप खलखो, दिलीप कुमार सिंह, संदीप कुमार सिन्हा, डॉ मीरा कुमारी, डॉ अनुरंजन कुमार, स्नेहलता खलखो, वर्षा दूबे समेत सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं ने गांवों में किया एजुकेशनल सर्वे

- सामाजिक आर्थिक सर्वे कर ग्रामीणों की स्थिति जानने की पहल
- एनएसएस के तहत बनहा, हरहद और नवादा गांव में सर्वेक्षण कर अध्ययन के लिए जुटाए आंकड़े

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग के प्रशिक्षुओं ने मंगलवार को सदर प्रखंड के तीन गांवों में एजुकेशनल और सोशल इकोनॉमिकल सर्वे कर रिपोर्ट जुटाई। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत सत्र 2024-26 के बी.एड. और डी.एल.एड. के प्रशिक्षुओं ने तीन गांवों बनहा, हरहद और नवादा में घर-घर जाकर बच्चों की शैक्षणिक जानकारी ली। हर घर में बच्चों की संख्या, गांवों में सरकारी व प्राइवेट विद्यालयों के संचालन, स्कूल में बच्चों के नामांकन और उपस्थिति आदि का सर्वे किया गया। वहीं ग्रामीणों की सामाजिक आर्थिक स्थिति की भी रिपोर्ट दर्ज की गई। मौके पर मौजूद महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सह एनएसएस को-ऑर्डिनेटर एस.एस.मैती ने बताया कि आंकड़े जुटा कर प्रशिक्षु बच्चों की शैक्षणिक स्थिति और ग्रामीणों की सामाजिक आर्थिक दशा का अध्ययन कर पाएंगे। सर्वे में सहायक प्रशिक्षक संदीप खलखो, कुमारी अंजलि, डॉ मीरा कुमारी, दिलीप कुमार सिंह, रचना कुमारी, स्नेहलता खलखो, निर्मला बेंग आदि ने प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन किया।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के वीसी बदले, डॉ दिनेश कुमार सिंह होंगे नए कुलपति

राजभवन से चल रहा कुछ अलग ही गोरखधंधा, जांच भ्रष्टाचार का, निर्णय कुछ और

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के वीसी डॉ पवन कुमार पोद्दार बदल दिए गए हैं। नए कुलपति डॉ दिनेश कुमार सिंह बनाए गए हैं। डॉ दिनेश कुमार सिंह नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय पलामू के वीसी हैं। उन्हीं को विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के वीसी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अल्पावधि में वीसी के बदलाव से राजभवन पर भी सवाल उठने लगे हैं। हाल के दिनों में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग में गतिविधियां काफी उथल-पुथल रहीं। राजभवन का हस्तक्षेप भी काफी बढ़ गया है। जब से 44 लाख के वित्तीय अनियमितता की खबर सुर्खियों में आयी, तब से काफी कुछ देखने को मिल रहा है। पहले वीसी पोद्दार ने जांच में पारदर्शिता के लिए ऐसी तीन सदस्यीय टीम गठित की, जिसमें वित्त से जुड़े कोई पदाधिकारी नहीं रखे गए। यह अच्छी पहल थी। लेकिन राजभवन ने उस कमेटी को ही खारिज करते हुए जांच पदाधिकारी फायनांस एडवाइजर को सौंप दिया। इससे समझा जा सकता है कि जांच में कितनी पारदर्शिता होगी। हास्यास्पद स्थिति तो तब हो गई जब राजभवन सचिवालय से भ्रष्टाचार, गबन और वित्तीय अनियमितता की जांच करने अधिकारी आते हैं और झामुमो छात्र नेता चंदन सिंह के केस पर जाकर सूई अटक गई। सुकून बाद बिना कार्यकाल पूरा हुए डीएसडब्ल्यू डॉ विकास कुमार सिंह और सीसीडीसी डॉ के के गुप्ता को पदच्यूत कर दिया जाता है। आक्रोश में राजनीति विज्ञान विभाग के एचओडी डॉ सुकल्याण मोइत्रा पीआरओ और जनसूचना अधिकारी के पद से इस्तीफा की पेशकश कर देते हैं। बताया जाता है के विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के कुछ पदाधिकारी और एक सेवानिवृत्त अधिकारी यह सब गोरखधंधे में जुड़े हैं। विश्वविद्यालय की वास्तविक स्थिति को सामने आने नहीं देना चाहते हैं। उनका तार राजभवन सचिवालय के एक अधिकारी से जुड़ा है। इस वजह से यह सब खेल हैं रहा है। इससे राजभवन की छवि भी खराब हो रही है। बेहतर ढंग से विश्वविद्यालय संचालित वाले अधिकारी इन्हें रास नहीं आ रहे हैं। येन-केन -प्रकारेण वित्तीय घोटालों के मामले को रफा-दफा करने की मुख्य लगाए जा रहे हैं। इस सिंडिकेट के खेल का जिसने भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से विरोध करने का प्रयास किया, वह नप गए। विश्वविद्यालय में उथल-पुथल का खामियाजा यहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। बहरहाल आगे आनेवाले वीसी का रूख विश्वविद्यालय के प्रति क्या रहता है, इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में होली मिलन समारोह का आयोजन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मालवीय मार्ग,हजारीबाग में होली मिलन समारोह का आयोजन उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के माननीय सचिव ज्ञानचंद प्रसाद मेहता, सदस्या बबीता देवी एवं सोनी क्षेत्री कृष्णा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने आशीर्वचन में माननीय सचिव महोदय ने कहा कि होली का त्यौहार आपसी प्रेम और सद्भावना को बढ़ाने वाला त्यौहार है। उन्होंने होली मनाए जाने की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने उपस्थित आचार्य बंधु /भगिनी में सामाजिक समरसता ,भाईचारगी और सद्भावना की भावना का संचार करते हुए होली की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान किया। इस अवसर पर होली के गीत गाए गए तथा आचार्य बंधु /भगिनी ने एक दूसरे को रंग - अबीर लगाकर होली की शुभकामना प्रदान की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने विभिन्न स्वादिष्ट पकवानों का आनंद लिया। अतिथि परिचय विद्यालय के प्रभारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने एवं धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य मनोज कुमार पांडे ने कराया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी आचार्य बंधु-भगिनी में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय (VBU) में एलएलएम परीक्षा रद्द! क्या घोटाले पर पर्दा डालने की साजिश?

झामुमो छात्र नेता चंदन सिंह ने सच का दिखाया आइना, तो पीछे पड़ गया राजभवन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग | झारखंड के प्रतिष्ठित विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग में एक और बड़ा विवाद सामने आया है! बिना किसी साक्ष्य, बिना किसी छात्र की शिकायत और बिना उचित जांच के एलएलएम परीक्षा को रद्द कर दिया गया! क्या यह शिक्षा के नाम पर एक सुनियोजित साजिश है? क्या पूर्व कुलपति के घोटाले छुपाने के लिए छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है? **क्या है पूरा मामला?** विनोबा भावे विश्वविद्यालय में कई वर्षों बाद स्नातकोत्तर विधि (एलएलएम) की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई, जो पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न हुई। लेकिन जैसे ही पूर्व कुलपति के वित्तीय घोटाले उजागर होने लगे, विश्वविद्यालय का माहौल बदल गया। विश्वविद्यालय के एक बड़े अधिकारी के इशारे पर काम करने वाले एक कथित छात्र संगठन ने परीक्षा में अनियमितता का झूठा आरोप लगाते हुए राजभवन में शिकायत की। ध्यान देने वाली बात यह है किः किसी भी परीक्षार्थी ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। परीक्षा में मजिस्ट्रेट की उपस्थिति थी, फिर भी रद्द कर दी गई। परीक्षा में शामिल शिक्षकों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व कुलपति से जुड़े घोटाले उजागर होते ही यह फैसला लिया गया। **छात्र नेताओं का फूटा गुस्सा** झारखंड छात्र मोर्चा के नेता चंदन सिंह ने कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि "यह पूरा षड्यंत्र सिर्फ घोटाले पर पर्दा डालने और लॉ कॉलेज को बर्बाद करने के लिए किया गया है। हमने ठोस साक्ष्य दिए, लेकिन राजभवन ने मिथलेश सिंह पर कोई कार्रवाई नहीं की। उल्टा, एक मनगढ़ंत शिकायत पर परीक्षा रद्द कर दी गई!" **छात्र नेता लड्डु यादव ने कहाः** "झारखंड छात्र मोर्चा विश्वविद्यालय हितों की लड़ाई जारी रखेगा। यह अन्याय स्वीकार्य नहीं!"विभावि के अंदरूनी मामलों को लेकर छात्र और शिक्षक दोनों असंतोष में हैं। अख़्तर ने कहाः "शिक्षकों पर की गई कार्रवाई बेहद शर्मनाक है। क्या विश्वविद्यालय प्रशासन और राजभवन सिर्फ अपने चहेतों को बचाने के लिए काम कर रहा है?" **क्या हो रही है साजिश?•परीक्षा के बाद अचानक रद्द करने का फैसला क्यों? •परीक्षा में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी के बावजूद धांधली का आरोप कैसे? •परीक्षा प्रक्रिया में शामिल शिक्षकों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं? •अगर मुद्दा अनुशासन का था, तो प्रॉक्टर पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? •पूर्व कुलपति के घोटाले पर चुप्पी क्यों?** झामुमो छात्र मोर्चा की मांगेंः 1 एलएलएम परीक्षा को पुनः बहाल किया जाए। 2 विश्वविद्यालय को हुए नुकसान की भरपाई दोषियों से करवाई जाए। 3 पूर्व कुलपति के घोटाले की निष्पक्ष जांच हो। 4 छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। झामुमो छात्र मोर्चा ने दी आंदोलन की चेतावनी मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि छात्रों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर जल्द से जल्द न्याय नहीं मिला, तो यह आंदोलन और भी तेज़ होगा। मौके पर पर छात्र मोर्चा के साजन मेहता और सुनील कुमार भी मौजूद थे।

एनटीपीसी में चार दिनों से काम ठप, करोड़ों का नुकसानः

फिल्ड नहीं दफ्तर में ही जमे अधिकारी, डीजीपी ने कहा था- पुलिस सुरक्षा में जाएंगे काम करने

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। हजारीबाग स्थित एनटीपीसी केरेडारी में कार्यरत डीजीएम डिस्पैच कुमार गौरव की 8 मार्च की गोली मार कर हत्या कर दी गई। इस घटना को आज पाचवां दिन है। इस हत्याकांड के बाद एनटीपीसी कर्मचारियों और अधिकारियों में दहशत है। आलम यह है कि इलाके के विभिन्न कोल ब्लॉक से कोयला तो निकाला जा रहा है पर थर्मल प्लांटों में कोयले की आपूर्ति नहीं हो रही है। हजारीबाग के एनटीपीसी कोल ब्लॉक से देश के 32 अलग-अलग थर्मल पावर प्लांट को कोयले की आपूर्ति की जाती है।इधर हत्याकांड के बाद मंगलवार को हजारीबाग में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मैराथन बैठक की। इस बैठक में एनटीपीसी के परियोजना प्रमुख फैज तैयब समेत छह वरिष्ठ अधिकारी सहित पुलिस महकमें के आला अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान डीजीपी ने भरोसा दिलाया कि एनटीपीसी के पदाधिकारी व कर्मी पुलिस सुरक्षा में कार्यस्थल पर ले जाए जाएंगे। इन्हें पर्याप्त सुरक्षा मिलेगी। इसके बाद भी कर्मियों को भरोसा नहीं हो पा रहा है। डीजीपी की मैराथन बैठक की अहम बातें एनटीपीसी परियोजना प्रमुख फैज तैयब सहित छह सीनियर अधिकारियों के साथ की बैठक एनटीपीसी के पदाधिकारी से उनकी समस्याओं को सुना साथ ही कहा कि एनटीपीसी अधिकारियों को सुरक्षा की गारंटी हमारी जिम्मेदारी है। एनटीपीसी के पदाधिकारी व कर्मी सुरक्षा में ले जाए जाएंगे। पदाधिकारियों के आने-जाने के दौरान पेट्रोलिंग गश्ती से एस्कार्ट किया जाएगा। फतहा में पुलिस चौकी भी बनेगी। हत्याकांड का जल्द खुलासा होगा। कहा- टारगेट में कोई और शिकार डीजीएम गौरव के बनने से इनकार नहीं। ऑफिस में जमे हैं अधिकारी-कर्मचारी बैठक के बाद सुरक्षा दिए जाने की बात अभी आश्वासन तक ही है। अधिकारियों और कर्मचारियों को अभी सुरक्षा नहीं दी गई है। ऐसे में सभी पिछले चार दिन से तय समय पर दफ्तर पहुंच तो रहे हैं पर फिल्ड में काम करने नहीं जा रहे हैं। कोल माइनिंग परियोजना हजारीबाग के सेक्रेटरी जनरल विभूति नारायण सिंह कहते हैं कि हम ऑफिस तो आ रहे हैं पर फिल्ड में जाने को लेकर सहज महसूस नहीं कर पा रहे हैं। घर-परिवार में भी इसे लेकर चिंता लोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि NTPC की तमाम परियोजनाओं का ट्रांजिट कैंप एक ही है तो सभी अधिकारी और कर्मचारी ऑफिस पहुंचते हैं। यहां हम कम से कम सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिन के उजाले में घटना हो जा रही है। ऐसे में जहां काम करना होता है वह जंगल का रास्ता है। वहां कैसे जा पाएंगे। एनटीपीसी से कोयले का उठाव बंद है। बीते चार दिन से रेलवे का रैक इसी तरह खड़ा है। 15 करोड़ का नुकसान और 2 लाख टन कोयला डंप चार दिनों से काम बंद होने की वजह से सिर्फपकरी बरवाडीह कोयला परियोजना में करीब दो लाख टन निकाला गया कोयला डंप हो गया है। देश के अलग-अलग थर्मल प्लांट्स में कोयले नहीं भेजे जा रहे हैं। इस वजह से इन चार दिनों में कंपनी को जहां करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है, वहीं सरकार के खाते में जानेवाली 15.04 करोड रुपए रॉयल्टी का नुकसान हुआ है। 32 थर्मल प्लांट्स को नहीं मिल रहा कोयला एनटीपीसी के विभिन्न कोल प्रोजेक्ट्स से कोयले का उत्पादन तो हो रहा है पर उन्हें देश के 32 अलग-अलग थर्मल पावर प्लांट में भेजे जाने का काम नहीं हो रहा है। ऐसे में इन प्लांट्स में संकट के बादल छाने के आसार हैं। जानकारी के मुताबिक एनटीपीसी के इस समय झारखंड में तीन कोल ब्लॉक हैं। इनमें पकरी-बरवाडीह से हर दिन 45 से 50 हजार टन कोयले का उत्पादन और डिस्पैच होता है। यहां से देश भर के 23 पावर प्लांट में कोयले की आपूर्ति की जाती है। इन प्लांट्स में कोयले की आपूर्ति पूरी तरह बंद है। पकरी-बरवाडीह से हर दिन 45 से 50 हजार टन कोयले का उत्पादन होता है। चट्टी बरियातू और केरेडारी में भी काम बंद। इसी तरह चट्टी बरियातू कोल ब्लॉक से हर दिन 18 से 20 हजार टन कोयले का उत्पादन होता है। यहां भी डिस्पैच का काम बंद है। इस कोल ब्लॉक से एनटीपीसी के नॉर्थ कर्णपुरा और बाढ़ पावर प्लांट को कोयले की आपूर्ति की जाती है। वहीं केरेडारी कोल ब्लॉक से हर दिन 4 से 5 हजार टन कोयले का उत्पादन होता है। यहां भी उत्पादन पूरी तरह बंद है। आमतौर पर किसी भी पावर प्लांट में 20 दोनों का कोयल का स्टॉक होता है वहीं कई प्लांट ऐसे भी हैं जहां 5 से 6 दोनों का ही स्टॉक है ऐसे में उन प्लांट में उत्पादन दो से तीन दिनों बाद प्रभावित हो सकता है इसे देखते हुए कोहली की आपूर्ति जल्द शुरू करने की जरूरत बताई जा रही है।

महिला अधिवक्ताओं ने मनाया होली मिलन समारोह

ब्यूरो, वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। अपनी योग्यता व एकता की मिसाल पेश करती हुई बार संघ की महिला अधिवक्ताओं के द्वारा होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। होली मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य महिला अधिवक्ताओं को जोश और स्फूर्ति से भरना था। रंग-बिरंगे गुलाल लगाकर सभी ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। घर से कोर्ट कचहरी तक का काम निपटाने वाली महिला अधिवक्ताओं के लिये ऐसे आयोजनों का होना अपने आप में राहत देने वाला और ख़ुशी-उमंगों से भरने वाला था। महिला अधिवक्ताओं की एकता और समरसता का प्रतीक है यह होली मिलन समारोह। इस समारोह में सभी वरिष्ठ और कनिए महिला अधिवक्ता शामिल रही. इस समारोह में कौशल्या, ममता, मीरा, नीलम, निवेदिताश्री, पिंकी, रानी, सोनिका, अनुप्रिया, पूजा, दीपशिखा, किरण, स्वेता, नेहा, पूजा, संगीता और ओसिता समेत ढेर सारी महिला अधिवक्ता उपस्थित थी।

सांसद के मेडिकल कॉलेज अस्पताल निरीक्षण का असर, जनहित में हुए कई बदलाव

अधीक्षक ने सांसद को दिया लिखित जवाब, बताया रविवार को लैब करेगा कार्य, कम्बल, व्हीलचेयर और स्ट्रेचर के लिए नहीं लगेगा सिक्योरिटी मनी

वर्ल्ड वाइज न्यूज़

हजारीबाग। हजारीबाग के सदर अस्पताल/ मेडिकल कॉलेज अस्पताल की व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर निरंतर गंभीर और सक्रिय रहने वाले हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बीते शुक्रवार को अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था और अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनुकरण पूर्ति, उपाधीक्षक डॉ.ए.के.सिंह से मिलकर अस्पताल की कुव्यवस्था पर कई सवाल खड़े किए थे। सांसद मनीष जायसवाल की ओर से किए गए सवालों पर अस्पताल प्रबंधन के अधिकारी घिरते नजर आए थे। सांसद मनीष जायसवाल ने जनहित में अस्पताल परिसर में अधिष्ठापित दो पीएसए ऑक्सीजन प्लांट वर्षों से बंद होने, पंजीकरण काउंटर में मेन पावर की कमी, विभिन्न वार्डों में बेडशीट, कम्बल, व्हील चेयर, स्ट्रेचर के लिए मरीजों के परिजनों से मोबाइल या 100 रुपए जमा कराए जाने, विभिन्न वार्डों में कैथेटर लगाने, ड्रेसिंग करने सहित अन्य सुविधाओं के लिए मनमानी वसूली किए जाने, रविवार की रात को अस्पताल का जांच घर कार्य नहीं करने, हॉस्पिटल में सीनियर डॉक्टर दूसरी पाली के ओपीडी और विशेषकर रात्रि में उपलब्ध नहीं रहने, लेबर रूम में मनमानी वसूली किए जाने, अस्पताल का अल्ट्रासाउंड अब तक चालू नहीं किए जाने, पोस्टमार्टम में देरी एवं चिकित्सकों की मनमानी के कारण कईबार मुर्दों के साथ परिजनों को घंटे इंतजार कराए जाने, ब्लड बैंक का प्लाज्मा सेपरेशन का कार्य शुरू नहीं हो पाने और हॉस्पिटल कैम्पस में कर्मियों द्वारा व्यसन का सेवन किए जाने सहित अन्य मामलों पर गंभीरता से सवाल उठा और इस पर लिखित जवाब मांगा। जरूरतमंद मरीजों के हितार्थ जमीनी हकीकत से रूबरू कराते सांसद मनीष जायसवाल के इन सवालों के उठाए जाने के बाद अस्पताल प्रबंधन और यहां के कर्मियों में हड़कंप मच गया।सांसद मनीष जायसवाल के जरूरतमंद मरीजों के हित में सक्रियता और सजगता का प्रतिफल हुआ की उनके अस्पताल निरीक्षण के कुछ ही घंटे बाद अस्पताल प्रबंधन हरकत में आया और तत्काल उन्हें लिखित जवाब भेजा साथ ही उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर पहल करते हुए सुधार की गई। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक ने सांसद मनीष जायसवाल को जो लिखित जवाब दिया उसमें बताया गया कि रविवार को क्लीनिकल पैथोलॉजी में जांच सुचारू करने का निर्देश दे दिया गया है, बेडशीट, कम्बल, व्हीलचेयर, स्ट्रेचर सहित अन्य मरीजों के जरूरत के समान में कोई राशि या सामान सिक्योरिटी के रूप में जमा नहीं लेने का निर्देश दे दिया गया है, लेबर रूम सहित अन्य वार्डों में कैथेटर लगाने या ड्रेसिंग करने सहित अन्य जरूरी इलाज सेवा में किसी प्रकार की मनमानी नहीं करने का निर्देश कर्मियों से दिया गया है साथ ही इन मामलों में दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है, पोस्टमार्टम हाउस के विभागाध्यक्ष को पोस्टमार्टम का समय करने का निर्देश दिया गया है, ब्लड बैंक का प्लाज्मा सेपरेशन का कार्य शुरू करने की प्रक्रिया की जा रही है, पीएसए ऑक्सीजन प्लांट मरम्मती का कार्य डीएमएफटी हजारीबाग के द्वारा कराया जा रहा है और सभी विभागाध्यक्षों की बैठक कर चिकित्सकों की ड्यूटी ससमय सुनिश्चित कराने की दिशा में सकारात्मक पहल किया गया है । सांसद मनीष जायसवाल के निरीक्षण के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल के विभिन्न वार्डों के सभी बेड में बेडशीट उपलब्ध कराया जा रहा है। यहां के चिकित्सक और चिकित्सा कर्मी भी मुस्तैद देखे जा रहें हैं । सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि जन- जरूरतों की सेवा में अस्पताल से संबंधित विषयों पर हम सक्रिय और मुस्तैद रहें हैं और आगे भी रहेंगे।

शांतिप्रिय एवं नशामुक्त होली मानने को लेकर सदर एसडीओ ने लागू की निषेधाज्ञा*

- सोशल मीडिया में भड़काऊ, सांप्रदायिक मैसेज प्रेषण पर रहेगी प्रतिबंध
- होली के दिन किसी भी घातक हथियार, आग्नेयास्त्र, लाठी इत्यादि को लेकर चलने पर रहेगा प्रतिबंध

वर्ल्ड वाइज न्यूज़

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह, हजारीबाग के आदेश ज्ञापांक 45/मु/सी, दिनांक 11/03/2025 के संयुक्त आदेशानुसार देश के विभिन्न भागों में घटित साम्प्रदायिक घटना एवं पूर्व के वर्षों में जिले में घटित घटना के आलोक में वर्तमान में साम्प्रदायिक स्थिति को देखते हुए होली-2025 को सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने हेतु पूरे हजारीबाग अनुमण्डल क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। अतएव, सदर अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे ने अपनी प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए हजारीबाग सदर अनुमण्डल क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। होली के दिन किसी भी घातक हथियार, अग्नेयास्त्र, लाठी इत्यादि को लेकर चलने पर प्रतिबंध लागू रहेगा।

होली पर्व के अवसर पर Social Networking जैसे Whatsapp, Twitter, Facebook and any other Social Media/Media Platform पर भड़काऊ साम्प्रदायिक मैसेज ऑडियो/विडियो के प्रेषण पर प्रतिबंध। उक्त आदेश का उल्लंघन करने के आलोक में संबंधित व्यक्ति, एडमिन पर सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्रवाई की जायगी। होलिका दहन एवं होली कार्यक्रम के दौरान जबरदस्ती न तो किसी को गुलाल रंग लगाया जाय और न ही किसी प्रकार की हुडदंगबाजी की जाय जिससे शांति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। The Jharkhand Control of the use and play of Loudspeakers Act. 1955 के अंतर्गत ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे तक वर्जित रहेगा। होली के दिन शांतिप्रिय और नशामुक्त कार्यक्रम होना चाहिए। दिनांक 13/03/2025 को आयोजित होलिका दहन का कार्यक्रम ऐसे जगह आयोजित हो जो बीजली के पोल, अत्यधिक भीड़-भाड़ वाली जगह से दूर हो। होलिका दहन एवं होली कार्यक्रम को आयोजित करने के दौरान यातायात व्यवस्था को बाधित नहीं किया जाएगा। यह निषेधाज्ञा आदेश सरकारी कार्य हेतु प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों/पुलिस चल/सरकारी कर्ममारियों पर लागू नहीं होगा। यह निवेधाज्ञा आदेश शव यात्रा एवं शादी-विवाह में लागू नहीं होगा।

यह निषेधाज्ञा आदेश दिनांक 13/03/2025 से 16/03/2025 तक लागू रहेगा। चूंकि नोटिस सभी संबंधित व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से तामिला करवाना संभव नहीं है। फलस्वरूप एकतरफा (Ex-parte) आदेश पारित किया जाता है। इसे लागू करने की जिम्मेवारी सभी थाना प्रभारी को होगी। इसे पुलिस उपाधीक्षक/अंचल अधिकारियों/प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं थाना के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करना सुनिश्चित करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, शिनाख्त नहीं

रांची : लोहरदगा। रांची-लोहरदगा टोरी रेलखंड पर बुधवार को आरपीएफ तथा कुड़ू पुलिस ने थाना क्षेत्र के नामुदाग गांव के समीप पोल नंबर 508/13 के समीप रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया। शव की पहचान नहीं हो पाई है। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सासाराम से चलकर रांची जा रही रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस टोरी से निर्धारित समय पर लोहरदगा के लिए खुली थी। टोरी तथा लोहरदगा रेलवे स्टेशन के बीच कुड़ू थाना क्षेत्र के नामुदाग गांव के समीप एक युवक ट्रेन से गिरकर रेलवे पटरी पर आ गया तथा ट्रेन से कटकर उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। नामुदाग के ग्रामीणों ने इसकी सूचना कुड़ू पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस व आरपीएफ ने शव को कब्जे में करते हुए पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मृतक के पास किसी तरह का कागजात तथा ट्रेन का टिकट नहीं मिल पाया है। शव की पहचान के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल में रखा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमन साव गिरोह के तीन अपराधी गिरफ्तार

रांची। झारखंड की राजधानी रांची की पुलिस ने अमन साव गैंग के तीन अपराधियों को बीती रात गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में सिकिदरी थाना क्षेत्र के अजय सिंह,रातू थाना क्षेत्र के समीर कुमार बाग्ची उर्फ कुल्लू बंगाली और मांडर थाना क्षेत्र के वसीम अंसारी शामिल है। इनके पास से एक पिस्टल, मैग्जीन, दो गोली, दो देशी कट्टा, दो गोली और एक बाइक बरामद किया गया है। डीएसपी अमर कुमार पांडेय ने बुधवार को बताया कि सात मार्च को कोयला व्यवसायी विपिन मिश्रा के ऊपर फायरिंग की गई थी। इसके बाद रांची पुलिस ने कई टीमों का गठन कर संगठित अपराधियों के खिलाफ एक साथ सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान अमन साव गैंग के तीन सदस्यों को अवैध आग्नेयास्त्र एवं गोली के साथ पकड़ा गया है, पकड़े गए सभी अपराधकर्मियों का पूर्व अपराधिक इतिहास रहा है। उन्होंने बताया कि अजय सिंह के खिलाफ विभिन्न थानों में 14 से अधिक मामले दर्ज है। जबकि समीर कुमार बाग्ची उर्फ कुल्लू बंगाली पर पूर्व से तीन से अधिक मामले दर्ज है। वसीम अंसारी पे० जमरूद्दीन अंसारी के खिलाफ विभिन्न थानों में चार मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने दो डकैतों को किया गिरफ्तार

रांची। दशम फॉल थाना पुलिस ने डकैती का खुलासा करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए डकैतों की पहचान शिबा नायक उर्फ लम्बु और दाउद नाग के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से दो बाइक, छह हजार रुपये और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। थाना प्रभारी प्रशांत गौरव ने बुधवार को बताया कि दो मार्च को दशम फॉल थाना क्षेत्र के ग्राम सरजमडीह में पांच-छह अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। अपराधियों ने पीड़ित तुलसी भगत से करीब एक लाख रुपये नकद और एक सैमसंग मोबाइल लूट लिया था। इस घटना के संबंध में पीड़ित के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले के खुलासे के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने दोनों अपराधियों को खूंटी जिले से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपित पहले भी खूंटी जिले से जेल जा चुके हैं।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक घायल

रांची : गिरिडीह। जिले में बुधार को डुमरी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-19 में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जिसकी चिपेट में आकर दो युवकों ने अपनी जान गंवा दी, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, तीन युवक डुमरी स्थित केबी हाई स्कूल मैदान में आयोजित प्रखंड स्तरीय बाहा बोगा सुगन महा सापड़ाव केदाय फूलो झानो सरणा समिति के सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेकर अपने घर वापस लौट रहे थे, तभी तीनों अचानक किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए, जिसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इस हादसे में पैक थाना इलाके के नावाडीह वंशी के रहने वाले सुरेंद्र हेंब्रम (23), पिता राम हेंब्रम निमियाघाट थाना इलाके के चंदनकुरवा के रहने वाले राकेश कुमार (25) बेसरा, पिता बैद्यनाथ बेसरा की मौके पर ही मौत हो गई। निमियाघाट थाना इलाके के रहने वाले दिनेश टुडू, पिता युगल टुडू गंभीर रुप से घायल हो गया है, जिसे घटना के बाद स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जिसे डुमरी रेफरल अस्पताल में इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने धनबाद पीएमसीएच रेफर कर दिया।

बिजली चोरी के मामले में छह लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

ब्यूरो, वर्ल्ड वाइज न्यूज हजारीबाग। बिजली चोरी के मामले में विद्युत कनीय अभियंता अभिषेक आनंद ने बरही थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में कोनरा शादी मुहल्ला निवासी मो. एजाहूर, मो. इस्माइल पिता सोमर मियां, गया रोड निवासी कार्तिक केशरी पिता भोला प्रसाद केशरी, प्रदीप केशरी पिता स्व. लोकनाथ प्रसाद केशरी, विनीता देवी पति गोपाल साव, बरही चौक निवासी नयोगेंद्र भगत पिता बासुदेव साव को आरोपी बनाया गया है। विभाग ने बिजली चोरी रोकने के लिए सख्ती बरतने का निर्णय लिया है और आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही।

विश्वकर्मा समाज के होली मिलन में शामिल हुए सदर विधायक

विश्वकर्मा समाज राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा है, इसके विकास के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा : प्रदीप प्रसाद

वर्ल्ड वाइज न्यूज़

हजारीबाग। विश्वकर्मा समाज जिला कमिटी, हजारीबाग द्वारा भाग्यमणि विवाह भवन में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर समाज के सैकड़ों लोग एकत्र हुए और सौहार्दपूर्ण माहौल में होली की खुशियां बांटी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद शामिल हुए। उन्होंने समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि विश्वकर्मा समाज के लोगों ने हमेशा समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने समाज के हित में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। समारोह में विशेष रूप से उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा, जिला अध्यक्ष यदु राणा, जिला सचेतक महावीर राणा, महासचिव बृजलाल लाल राणा, महिला जिला अध्यक्ष मनोरमा राणा सहित समाज के अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। होली मिलन समारोह के दौरान समाज की उन्नति और संगठन की मजबूती को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को संगठित रहकर शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान की दिशा में आगे बढ़ना होगा। प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि युवा, महिलाओं की भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा और स्वरोजगार के माध्यम से समाज की युवाओं व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करना आवश्यक है। वहीं, युवाओं को संगठित करने और उन्हें समाज के विकास से जोड़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं, जिसमें समाज के युवाओं ने होली के पारंपरिक गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। गुलाल और अबीर उड़ाकर सभी ने एक-दूसरे को होली की बधाई दी और भाईचारे का संदेश दिया। समारोह के सफल आयोजन में विश्वकर्मा समाज जिला कमिटी, हजारीबाग के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन होली की शुभकामनाओं एवं समाज को संगठित रखने के संकल्प के साथ हुआ।

रामगढ़ जेल में मोबाइल चला रहे थे कैदी, सूचना पर जांच करने पहुंचे अधिकारी

वर्ल्ड वाइज न्यूज़

रामगढ़। रामगढ़ पुलिस संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। कई आपराधिक संगठनों के सरगना को रिमांड पर लेकर पूछताछ भी की गई। इस दौरान यह स्पष्ट हुआ की जेल में मोबाइल का इस्तेमाल कैदी कर रहे हैं और उसी के दम पर अपने संगठन को संचालित कर रहे हैं। मंगलवार की रात भी रामगढ़ जेल में कैदियों की ओर से मोबाइल चलाए जाने की सूचना मिली। इस सूचना के बाद एसपी अजय कुमार ने तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी और जिले के अन्य अधिकारियों के साथ जेल का औचक निरीक्षण किया। देर रात हुए इस औचक निरीक्षण से कैदियों में हड़कंप मच गया। कैदियों ने रुपये, ताश के पत्ते और नशीला पदार्थ भी किचन में छुपा दिया था। पुलिस ने तलाशी के दौरान सारे कोने से वो सामग्री बरामद की। निरीक्षण के दौरान तंबाकू, ताश के पत्ते, ताश के डब्बे में 8900 रुपये, कुछ कागजात, टेलीफोन नम्बर बरामद किया है। उक्त सारा सामान किचन रसोई घर से निकला। इसके बाद मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर मुख्यरूप से गोपनीय प्रभारी रविंद्र कुमार गुप्ता, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, अंचल अधिकारी सुदीप कुमार एक्का, थाना प्रभारी कृष्ण कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

राज्यपाल से विभिन्न संगठनों के शिष्टमंडल मिले, जेटीईटी परीक्षा, कुर्मी आरक्षण और वृद्धाश्रम पर चर्चा

वर्ल्ड वाइज न्यूज़ रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को विभिन्न संगठनों के शिष्टमंडलों ने राजभवन में मुलाकात की और विभिन्न मांगों को लेकर पहल करने का आग्रह किया। महिपाल महतो के नेतृत्व में प्रशिक्षित शिक्षक संघ के शिष्टमंडल ने राज्य में जेटीईटी परीक्षा के आयोजन को लेकर राज्यपाल से पहल करने का अनुरोध किया।वहीं, हरेन्द्र कुमार महतो के नेतृत्व में एक अन्य शिष्टमंडल ने कुर्मी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एस. टी.) का दर्जा देने की मांग को लेकर राज्यपाल से मुलाकात की।इसके अलावा, नेशनल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के शिष्टमंडल ने एन.सी. कर्जी के नेतृत्व में राज्यपाल से भेंट कर वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धाश्रम स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

झारखंड : कैबिनेट की बैठक में 31 प्रस्तावों पर लगी मुहर

उत्पाद सिपाही के अभ्यर्थियों को अब दौड़ना होगा सिर्फ 16 सौ मीटर

वर्ल्ड वाइज न्यूज़ रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट की बैठक प्रोजेक्ट भवन में हुई। बैठक में कुल 31 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि कैबिनेट में उत्पाद सिपाही की दौड़ में संशोधन पर सहमति दी गई है। उत्पाद सिपाही की दौड़ में संशोधित नियमों के मुताबिक अब अभ्यर्थियों को 10 किलोमीटर नहीं दौड़ना होगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को अब 10 किमी की जगह 16सौ मीटर की दौड़ छह मिनट में पूरी करनी होगी। इसके अलावा महिला अभ्यर्थियों को पूर्व की तरह 16 सौ मीटर की दौड़ पूरी करनी होगी, लेकिन अब इसके लिए समय को घटाकर 10 मिनट कर दिया गया गया है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने खनिजों पर भी सेस दर बढ़ाने का फैसला लिया है। खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक 2024 की समीक्षा की गयी तो पता चला कि अन्य खनिज बहुल राज्यों की तुलना में झारखंड में सेस दर काफी कम है। इसी वजह से सेस दर में बढ़ोत्तरी करने का फैसला लिया गया है। खनिज धारित भूमि पर सेस से ही वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक वसूलने का लक्ष्य रखा जा रहा है। वर्तमान में कोयला और लौह अयस्क धारित भूमि पर 100 रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से सेस लिया जाता है।

सेविका सहायिका चयन नियमावली में संशोधन-इसके अलावा झारखंड में सेविका सहायिका चयन नियमावली और चिकित्सा महाविद्यालय में तीन वर्षों के आवश्यक सेवा नियमावली में भी बदलाव किया गया है। अब जनजातीय इलाकों में दो किमी के दायरे में रहनेवाली महिलाओं का चयन सेविका और सहायिका के रूप में हो सकेगा। पूर्व में यह दायरा केवल एक किमी ही था, जिसे बढ़ाया गया है। वहीं, पीडीएस दुकानों में ई पोश मशीनों के लिए कंपनी की सेवा में विस्तार दिया गया है। साथ ही साथ आंधी तूफान और लू को भी आपदा में शामिल करने का निर्णय लिया गया है।

बिरसा जैविका उद्यान में लगेगी धरती आबा की प्रतिमा- रांची के ओरमांझी स्थित धरती आबा बिरसा मुंडा जैविक उद्यान में भगवान बिरसा की नौ फीट ऊंची प्रतिमा लगाया जाएगा। मूर्ति लगाने के निर्णय को कैबिनेट से मंजूरी दी गई। प्रतिमा लगाने पर कुल 25 लाख रुपये खर्च किये जाएंगे। वहीं एल ख्यांगते को जेपीएससी का अध्यक्ष बनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गई।

मतदाता पहचान पत्र के लंबित आवेदनों का जल्द से जल्द करें निष्पादित : के. रवि कुमार

वर्ल्ड वाइज न्यूज़ रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता पहचान पत्र से संबंधित सभी आवेदनों को ससमय निष्पादित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी मतदाता को मतदाता पहचान पत्र पंजिकरण से संबंधित कोई शिकायत न रहे। के. रवि कुमार बुधवार को सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं निर्वाचन कार्यालय के डाटा इंट्री ऑपरेटरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का सख्त निर्देश है कि मतदाता पहचान पत्र बनाने में जीरो एरर के लक्ष्य से कार्य करना है। उन्होंने कहा कि विगत के चुनावों में मतदाता सूची के निर्माण एवं मतदाताओं के पंजिकरण के लिए बेहतर कार्य हुए हैं। उस कार्यप्रणाली को अभी भी एक्टिव रखें ताकि ससमय मतदाताओं के समस्याओं का निराकरण होता रहे। उन्होंने एनजीएसपी पोर्टल पर किसी भी मतदाता के शिकायत पेंडिंग न रहे सभी शिकायतों का ससमय निराकरण करते हुए संबंधितों को सूचित करें। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पारसनाथ पर्वत पर अतिक्रमण के खिलाफ आदिवासी संगठनों ने किया प्रदर्शन

वर्ल्ड वाइज न्यूज़

गिरिडीह। पारसनाथ पर्वत - सम्मेद शिखर मधुबन में एक फिर अलग आदिवासी संगठनों ने बुधवार को पर्वत पर अतिक्रमण किये जाने के खिलाफ बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया । विरोध प्रदर्शन में हजारों कि संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग महिला - पुरुष पारम्परिक तीर -धनुष, ढोल नगाड़ो के साथ शामिल हुए । प्रदर्शनकारी झारखंड के कई जिलों से आए थे। इनके हाथों में मारंग बुरु जुग जाहेर हमारा है। इसे खाली करों । जैसे स्लोगन लिखे थे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पारसनाथ पहाड़ पर संताल समाज के प्राचीन मारंग बुरू जुग जाहेर थान पूजन स्थल हैं। इस दौरान आदिवासी समाज के पुजारियों.के साथ कई लोगो ने आज भी पूजा अर्चना किया ।समाज के लोग मांदर के थाप पर मधुवन बाजार का भ्रमण कर जैन समाज को अतिक्रमण पर रोक लगाने अल्टीमेटम संकेत दिया । उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के पूजा स्थल पर अतिक्रमण किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा। रामगढ़ से आए प्रदीप सोरेन ने कहा कि पहाड़ के स्वरुप को जैन समाज ने बदल दिया हैं और इसका अतिक्रमण हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

राज्य में धीरे-धीरे चढ़ेगा पारा, सताएगी गर्मी

रांची, एजेंसी। झारखंड में अगले पांच दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे–धीरे तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी हो सकती है। आज मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। हालांकि सुबह और शाम में बादल छाए रह सकते हैं। होली पर आसमान में आंशिक बादल छाए रहने का अनुमान है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन सुबह और शाम बादल छाए रह सकते हैं। हालांकि तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है। मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान में अगले पांच दिनों तक वृद्धि होने के संकेत दिए हैं। होली पर भी आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। झारखंड में सबसे अधिक तापमान बहरागोड़ा का रहा। यहां का तापमान मंगलवार को 38 ।3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं सबसे कम तापमान गढ़वा में 13 ।6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 31 ।8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1 ।4 डिग्री अधिक तथा 24 घंटे में एक डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 17 ।9 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से 2 ।1 डिग्री सेल्सियस अधिक तथा 24 घंटे में 1 ।3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

अमन साव एनकाउंटर: बाबूलाल मरांडी बोले- कानून को चुनौती देने वाले का यही हश्र होगा

रांची, एजेंसी। झारखंड का कुख्यात गैंगस्टर अमन साव मंगलवार को मुठभेड़ में मारा गया। इस पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड पुलिस की ओर से एक कुख्यात अपराधी का एनकाउंटर प्रदेश में आपराधिक साम्राज्य चलाने वालों के लिए कड़ा संदेश है। विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में मरांडी ने कहा कि जो कानून को चुनौती देगा, उसका यही हश्र होगा। जनता की सुरक्षा और शांति के लिए ऐसे अपराधियों पर कठोर कार्रवाई आवश्यक है। पुलिस प्रशासन को इसी दृढ़ता से अपनी कार्रवाई जारी रखनी चाहिए। वहीं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने इस मामले में सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा है कि डीजीपी पहले ही स्वीकार कर चुके हैं कि जेल से सबकुछ संचालित हो रहा है तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। आप अमन साव को कस्टडी में ला रहे थे तो फिर एनकाउंटर की बात कहां से आ गई। उन्होंने कहा कि सीबीआई से मामले की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि अमन साव को सुरक्षा में ला रहे थे। आप उसे पकड़ने नहीं गये थे। जब कोई क्राइम करके दौड़ के जाता है और तब उसको मारा जाता है तो उसे एनकाउंटर कह सकते हैं। जब सारी सुरक्षा के बीच लाया जा रहा था तब एनकाउंटर हुआ तो यह जांच का विषय है। इसकी जांच होनी चाहिए।

पीवीयूएनएल ने 800 मेगावाट की इकाई को ग्रिड से जोड़ा

रामगढ़, एजेंसी। झारखंड की ऊर्जा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। पतरातू सुपर थर्मल पावर फेज–1 प्रोजेक्ट की पहली 800 मेगावाट यूनिट को मंगलवार को सफलतापूर्वक ग्रिड से जोड़ दिया गया। यह मील का पत्थर भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीवीयूएनएल के सीईओ आर।के। सिंह ने इस सफलता के लिए पीवीयूएनएल, एनटीपीसी और बीएचईएल की टीमों के अटूट प्रयासों, समर्पण और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने प्रोजेक्ट, ओ एंड एम, कमीशनिंग, सर्विसेज विभागों, सहयोगियों, सहायक कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के योगदान को भी मान्यता दी?, जिन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीवीयूएनएल का अगला लक्ष्य इकाई एक के लिए इस वित्तीय वर्ष के भीतर वाणिज्यिक संचालन तिथि प्राप्त करना है। इसके अलावा, कंपनी वित्तीय वर्ष 2025–26 में फेज–1 की बची हुई दो इकाइयों के कमीशनिंग के लिए प्रतिबद्ध है। जिससे भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता को और बढ़ावा मिलेगा। पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आरके सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि रणनीतिक योजना, सहयोग और समर्पण का प्रमाण है। हम राष्ट्र के लिए स्थायी और कुशल ऊर्जा प्रदान करने के अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। वही उन्होंने एनटीपीसी के सीनियर मैनेजमेंट और जेबीवीएनएल के सहयोग के लिए भी धन्यवाद किया।

एसएन तिवारी ने लगाया आरोप तो भड़के मंत्री

बोले- बर्दाश्त नहीं करेंगे, सदन में जमकर हुई तूतू मैंमैं

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा में मंगलवार को सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। गढ़वा के भाजपा विधायक एसएन तिवारी ने पथ निर्माण विभाग के सचिव पर भ्रष्टाचार का आरोप मढ़ दिया।

इसपर सत्तापक्ष की तरफ से जोरदार पलटवार हुआ। राज्य सरकार के मंत्री डा। इरफान अंसारी इसपर भड़क गए।

उन्होंने ललकारते हुए कहा कि भाजपा के लोगों ने राज्य को 18 साल लूटा है। पथ निर्माण सचिव के कामकाज पर ऊंगली उठाया जा रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। पथ निर्माण विभाग पर उंगली उठाने की उनकी हिम्मत कैसे हुई? यह विभाग स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में कार्य कर रहा है और पूरे राज्य में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, जिसे भाजपा नेता पचा नहीं पा रहे हैं।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को तो सरकार के विकास कार्यों की सराहना करनी चाहिए। भाजपा के नेता अब सवाल उठा रहे हैं, लेकिन जब उनकी सरकार थी, तब वे कहां थे? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा लगातार ग्रामीण विकास विभाग को बदनाम करने का प्रयास कर रही थी।

उन्होंने कहा कि अगर कोई एक व्यक्ति गलती करता है तो इसका दोष पूरे विभाग पर नहीं मढ़ा जा सकता। बिना किसी सबूत किसी अधिकारी पर आरोप लगाना उचित नहीं है।

वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि विभागीय सचिव का टेंडर कमेटी से कोई लेनादेना नहीं है। इसके बाद तिवारी ने कहा कि रुपया मंत्री यानी वित्त मंत्री हैं आप। इसपर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह सहित अन्य सत्तापक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि भाजपा विधायक सड़क छाप भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उन्होंने विधायक से अपने कथन का सबूत सदन में रखने की मांग की। कहा कि सदन के सबसे वरीय सदस्य है। यह रुपया मंत्री क्या होता है। इसके बाद स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने बीच-बचाव करते हुए मामले को शांत कराया। विधायक राजेश कच्छप ने रुपया मंत्री कहे जाने को सदन की कार्रवाई से हटाने कीमांग की। इसके बाद भाजपा के सभी नेता सदन से बाहर निकल गए। विधायक प्रदीप यादव ने सड़क दुर्घटना पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश में करीब 1।5 लाख लोग हर साल सड़क दुर्घटना में मौत का शिकार हो जाते हैं।

इसमें 80 प्रतिशत दुर्घटना शराब पीकर गाड़ी चलाने से हुई है। राज्य के आकड़े भी चौकाने वाले हैं। वर्ष 2022-24 में राज्य में 3659 लोगों की मौत हुई है। जिसमें 70 प्रतिशत हादसे शराब पीकर गाड़ी चलाने से हुई है। इसको रोकने के लिए ब्रेथएनलाइजर सहित अन्य उपकरणों से जांच की जानी चाहिए। जिस तरह से केंद्र सरकार ने सड़क हादसे में 50 प्रतिशत कटौती करने का लक्ष्य निर्धारित की है। उसी तरह राज्य सरकार को भी लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करना चाहिए।उन्होंने राजस्व वसूली प्रक्रिया में सुधार करने का सुझाव देते हे कहा कि अभी दो हजार करोड़ के राजस्व की वसूली हो रही हैं। लेकिन डीटीओ और एमवीआइ डेपुटेशन पर हैं। इसमें सुधार किया जाए तो राजस्व के रूप में पांच हजार करोड़ मिलेगा।

आईएएस छवि रंजन को सीने में दर्द की शिकायत, रिम्स में कराए गये भर्ती

रांची, एजेंसी। 2011 बैच के झारखंड कैडर के आईएएस छवि रंजन की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें रिम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज विभाग के एचओडी डॉ हेमंत नारायण की देखरेख में चल रहा है। उनके ब्लड के सैंपल लिए गए हैं। कई तरह की जांच कराई जा रही है।

कार्डियोलॉजी विभाग के एचओडी के अनुसार आईएएस छवि रंजन को हॉल्टर मशीन लगाया गया है। 24 घंटे की रिपोर्ट के आधार पर कोर्स ऑफ ट्रीटमेंट तय होगा। शुरुआती जांच के आधार पर बताया गया है कि खतरे वाली कोई बात नहीं है। उनका इलाज रिम्स के पेइंग वार्ड में चल रहा है।

रांची के तत्कालीन डीसी रहे छवि रंजन को अवैध रूप से जमीन की खरीद बिक्री मामले में 4 मई 2023 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उनको रांची के करम टोली के पास सेना की जमीन और चेशायर होम रोड पर एक प्लॉट के अवैध तरीके से खरीद बिक्री के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसी मामले में 13 अप्रैल 2023 को ईडी की टीम ने बड़गाईं अंचल से जुड़े राजस्व कर्मचारी के साथ-साथ अन्य के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस दौरान जमीन के फर्जी डीड और कई कागजात बरामद हुए थे।

बरियातू में सेना की 4।55 एकड़ जमीन को फर्जी कागजात के जरिए कोलकाता के प्रदीप बागची ने जगत बंधु टी एस्टेट को बेच दी थी। इस जमीन की सरकारी दर 20 करोड़ 75 लाख 84200 रुपये थी, लेकिन बिक्री महज सात करोड़ में दिखायी गई। उसमें भी 25 लाख रुपये प्रदीप बागची के खाते में आए थे। बाकी पैसों के चेक के जरिए भुगतान की जानकारी डीड नंबर 6888/2021 में दी गई थी। लेकिन ईडी ने जब चेक के जरिए भुगतान की जांच की तो पता चला कि खातों में पैसे गए ही नहीं हैं।

गढ़वा में हेमंत सोरेन की ये सौगात नहीं देने पर ससुरालवालों ने बेरहमी से मार

रंका (गढ़वा), एजेंसी। झारखंड की महिलाओं को सशक्त और आर्थिक रूप से सबल बनाने के लिए हेमंत सोरेन की सरकार ने मंईयां सम्मान योजना शुरू की है, लेकिन यह योजना एक महिला के लिए जानलेवा साबित हुई। गढ़वा जिले के रंका थाना के मानपुर गांव निवासी खुर्शीद अंसारी की पत्नी शकीना बीबी (25 वर्ष) की हत्या उसके ससुरालवालों ने कर दी। पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शकीना बीबी के खाते में सरकार द्वारा मंईयां सम्मान योजना के 7500 रुपये भेजे गये थे। सोमवार को उस राशि को निकाल कर शकीना जब घर लौटी तो उसके पति खुर्शीद अंसारी, सास रोजनी बीबी और दादी सास नजमा बीबी उससे पैसे मांगने लगे। शकीना ने पैसे देने से जब इनकार किया, तो तीनों उस पर जबरन दबाव बनाने लगे। इस पर शकीना ने पांच सौ रुपये अपने पति को दिए। इस पर वे लोग नहीं माने और पूरे पैसे देने की मांग करने लगे। पैसे नहीं देने पर घर में विवाद बढ़ गया।

सोमवार की शाम के करीब सात बज उन तीनों ने शकीना की जमकर पिटाई की। इसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य छुपाने के लिए घर से बाहर बांस के बीच फंदे से लटका कर आत्महत्या का रूप दे दिया। जानकारी मिलने पर बेटी के ससुराल पहुंचे शकीना के पिता रोज मोहम्मद अंसारी ने रंका थाने में इस घटना की प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगायी। इस पर रंका थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति खुर्शीद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

के राजू के बयान पर भाजपा ने पूछा, कांग्रेस में कौन है हमारा स्लीपर सेल? झारखंड में मचा सियासी घमासान

रांची, एजेंसी। के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के राजू के द्वारा पिछले कुछ दिनों से लगातार दिए जा रहे हैं बयान पर उनको घेरा है। प्रभारी के राजू लगातार झारखंड कांग्रेस में भाजपा के स्लीपर सेल होने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रभारी के इस बयान ने पूरी की पूरी झारखंड कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर दिया है।अब कांग्रेस के कार्यकर्ता ही एक दूसरे को शंका की दृष्टि से देख रहे हैं। प्रदेश प्रभारी को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर भाजपा का स्लीपर सेल कांग्रेस में कौन है?

ऐसा बयान देकर प्रदेश प्रभारी ने दशकों से निष्ठा से कांग्रेस का झंडा उठा रहे हजारों कांग्रेसियों के निष्ठा पर ही प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है।

सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने प्रथम जेपीएससी नियुक्ति घोटाले के आरोपित रांची के एडीएम विधि-व्यवस्था राजेश्वर नाथ आलोक एवं अनिल कुमार यादव को राहत नहीं दी है।

अदालत ने दोनों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। तीन मार्च को दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। दोनों ने अग्रिम जमानत की गुहार लगाते हुए 27 फरवरी को याचिका दाखिल की थी। मामले में अब तक अदालत ने 29 आरोपितों को अग्रिम राहत देने से इन्कार किया है।

झारसुगुड़ा जिला कांग्रेस कमेटी ने राज्य में लगातार बढ़ रही महिलाओं पर हिंसा को लेकर राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन झारसुगुड़ा जिला कलेक्टर को सौंपा।इससे पहले जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुब्रत प्रधान के नेतृत्व में स्थानीय बेहरामल किसान चौक से एक विरोध रैली निकाली गई। जो कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर विरोध सभा में तब्दील हो गई।उक्त सभा में कांग्रेस पार्टी के नेता ने ओडिशा राज्य में महिलाओं पर बढ़ रही हिंसा के खिलाफ मोहन सरकार की आलोचना की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ढेंकानाल, संबलपुर, राउरकेला, बलांगीर के खैरापल्ली, कोरापुट के लक्ष्मीपुर, भद्रक के बेतदा, देवगढ़ और बरगढ़ में धनुयात्रा के दौरान महिलाओं के साथ हुए बलात्कार से राज्य के लोगों में आक्रोश है।मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि 2023 में राज्य में 2826 व 2024 में 3054 बलात्कार के मामले दर्ज हुए है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा के लिए गृह विभाग जिम्मेदार है।

ओडिशा में वर्तमान मोहन सरकार में मुख्यमंत्री स्वयं गृह राज्य मंत्री रहे हैं, एक व्यक्ति के अधीन एक निश्चित विभाग था, जो विभाग लोगों का रक्षक होने के बजाय भक्षक बन गया है।

देवघर से पटना और रांची की फ्लाइट बंद, दिल्ली फ्लाइट को लेकर भी आया बड़ा अपडेट

देवघर, एजेंसी। देवघर से पटना और देवघर से रांची के बीच सप्ताह में तीन दिन चल रही उड़ान सेवा बंद हो गई है। कारण पैसेंजर का नहीं मिलना बताया जा रहा है। भारत सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत उड़ान में एटीआर की सेवा शुरू हुई थी।यह सेवा एयरपोर्ट के शुभारंभ के दिन ही 12 जुलाई 2022 को शुरू हुई थी। सरकार तीन साल तक जहाज चलाने के लिए प्रोत्साहित करती है। अनुदान देती है, ताकि छोटे शहर को बड़े शहर से जोड़ा जा सके।किराया पटना और रांची का दो हजार के आसपास रहा, लेकिन 76 सीटर एटीआर में इंडिगो को पूर्ण रूप से यात्री नहीं मिले। यही वजह रही कि एक मार्च से देवघर से पटना और देवघर से रांची के बीच की उड़ान सेवा बंद करनी पड़ी। इंडिगो के देवघर एयरपोर्ट मैनेजर ने इसकी पुष्टि की है।उन्होंने कहा, सीट के हिसाब से पैसेंजर नहीं मिल रहे थे। दूसरा आरसीएस की अवधि भी पूरी हो गयी थी। अब केवल कोलकाता-देवघर के बीच उड़ान सेवा है। यहां यात्री रेगुलर मिल रहे हैं।

होली से पहले फाइनल हो जाएगा, दिल्ली की शाम वाली फ्लाइट का स्लॉट। देवघर एयरपोर्ट से 30 मार्च को दिल्ली की दूसरी उड़ान भरने की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है। अब केवल स्लॉट का इंतजार है। इंडिगो कंपनी के सूत्रों की मानें तो होली से पहले वह फाइनल हो जाएगा।

सांसद ने शाम में शुरू होने वाली फ्लाइट की खुशखबरी का पहले ही एलान किया है। एक स्थान के लिए दो फ्लाइट की सुविधा से देवघर के बाजार, एम्स, बाबा मंदिर में पूजा कर शाम को लौट जाने की ख्वाहिश रखने वाले को बुकिंग शुरू होने का इंतजार है।कम विजिबिलिटी में यात्री विमान के देवघर एयरपोर्ट पर लैंडिंग करने की घोषणा के बाद ही अब रात्रि में देवघर-दिल्ली विमान सेवा शुरू हो रहा है। मार्च में यह सेवा शुरू हो रही है। दिल्ली-देवघर के बीच दो फ्लाइट हो जाएगी।

सांसद डॉ। निशिकांत दुबे ने अपने एक्स टिवटर हैंडल पर 25 फरवरी को पोस्ट भी किया था। देवघर एयरपोर्ट से 30 मार्च से दिल्ली के लिए शाम में भी सुविधा मिलेगी।दिल्ली से यह विमान शाम 5ः30 में उड़ान भरेगा और देवघर एयरपोर्ट पर शाम सात बजे लैंड करेगा। आधा घंटा बाद 7ः40 मिनट पर देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए उड़ान भरेगा और रात 9ः30 में दिल्ली पहुंचेगा। बता दें कि यह दूसरी फ्लाइट भी इंडिगो की ही होगी।

जानकारी हो कि देवघर में महज 550 मीटर विजिबिलिटी में विमानों की लैंडिंग होगी। इस तरह देवघर बिहार-झारखंड का इकलौता एयरपोर्ट हो गया है। रनवे पर 900 मीटर तक कैट वन एप्रोच लाइट लगाया गया है। अभी पटना और रांची एयरपोर्ट के रनवे पर 900 मीटर कैट वन एप्रोच लाइटिंग नहीं है।

गिरिडीह पुलिस ने किया हत्याकांड का खुलासा

साइकिल लेनदेन के विवाद में साथियों ने ले ली थी जान

गिरिडीह, एजेंसी। पुलिस ने हत्या के एक मामले का खुलासा किया है। शख्स की हत्या डंडे से पीट-पीट कर की गई थी। गिरिडीह पुलिस ने वारदात में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही हत्या में प्रयुक्त डंडा और खून से सना एक गमछा भी बरामद किया गया है। आरोपियों में एक वृद्ध और दो युवक शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में पचम्बा थाना क्षेत्र के मनिकलालो निवासी हरि लाल दास, बसंत कुमार दास और सोमर दास शामिल है। आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि एसपी डॉ। बिमल कुमार ने की है।

दरअसल 4 मार्च को पचम्बा थाना क्षेत्र के बुढ़वा तालाब के समीप डुमरी थाना इलाके के ससारखो निवासी उमेश दास की लाश मिली थी। जानकारी मिलने पर पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार मौके पर पहुंचे तो देखा कि मृतक के चेहरे पर चोट के गंभीर निशान हैं। उन्होंने मामले की सूचना एसपी को देते हुए मृतक के परिजनों को सूचित किया। मृतक के घरवाले पहुंचे और शव की शिनाख्त की।

बाद में मृतक के भाई राजदेव दास ने हत्या की आशंका जताते हुए थाना में आवेदन दिया था। हत्या की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद एसपी डॉ। बिमल ने कांड के उद्भेदन के लिए वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय-2) कौशर अली के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की थी। टीम में इंस्पेक्टर मंटू कुमार, थाना प्रभारी राजीव कुमार के अलावा अवर निरीक्षक सोनू कुमार वर्मा, प्रशांत कुमार सिंह, आरक्षी अमरजीत सिंह और बाबूधन हांसदा को शामिल किया गया।

साइकिल की लेनदेन में हत्या

पुलिस की जांच में हत्या के पीछे मृतक का साथियों के साथ विवाद सामने आया। इसके बाद पुलिस कड़ी को जोड़ते हुए आरोपियों तक पहुंच गई। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में हत्या में संलिप्तता स्वीकार कर ली है। एसपी डॉ। बिमल कुमार ने कहा कि अभी तक यह बात साफ हुई है कि इनके बीच आपसी मनमुटाव चल रहा है। साइकिल लेनदेन की बात सामने आई है। अभी आगे की जांच चल रही है। आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

पलामू के हुसैनाबाद अनुमंडल के सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवा ठप, धरने पर बैठे चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी

पलामू, एजेंसी। चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार के विरोध में मंगलवार को हुसैनाबाद अनुमंडल के सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवा ठप रही। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने धरना-प्रदर्शन कर विरोध जताया और दोषी लोगों पर कार्रवाई की मांग की। हालांकि इस दौरान आपातकालीन सेवा जारी रही।

अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य कर्मियों ने दिया धरना : स्वास्थ्य कर्मियों और चिकित्सक से दुर्व्यवहार के विरोध में अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरनगर, बुलंद बिगहा, अधौरा, बेगमपुरा, मंजूराहा के साथ-साथ सभी 25 स्वास्थ्य उप केंद्रों में ओपीडी सेवा ठप रही। चिकित्सक और चिकित्सा कर्मियों ने अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरनगर परिसर में धरना दिया। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने सरकार से चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने और दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

ऐसे हालात में इलाज करना मुश्किल: डॉ ज्योतिष : इस संबंध में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ ज्योतिष कुमार ने बताया कि आये दिन चिकित्सक और कर्मियों पर हमले हो रहे हैं। इस परिस्थिति में मरीजों का इलाज करना काफी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के मरीज पहले नीम-हकीम के पास इलाज कराते हैं। स्थिति बिगड़ जाने के बाद उन्हें सरकारी अस्पताल भेज दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को नीम-हकीम के झांसे में नहीं आना चाहिए।

घटना काफी निंदनीय: डॉ पीएन सिंह : वहीं चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर पीएन सिंह ने कहा कि सोमवार की घटना काफी निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सुरक्षा कानून लागू किया है तो उसपर अमल भी होना चाहिए। चिकित्सकों पर आज भी हमले हो रहे हैं। उन्हें सुरक्षा नहीं मिलती है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है।

क्या कहते हैं सिविल सर्जन : इस संबंध में पलामू के सिविल सर्जन डॉ। अनिल कुमार ने बताया कि महिला की तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उसे पहले नीम-हकीम के क्लिनिक में भर्ती कराया था। स्थिति बिगड़ने के बाद उसे सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि हालात बिगड़ने के बाद भी अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सक ने उसे बचाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई।

नीम-हकीम के चक्कर में न पड़ें लोग : सिविल सर्जन ने आम लोगों से नीम-हकीम से इलाज नहीं कराने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि नजदीक के सरकारी अस्पताल में पहुंच कर चिकित्सक की सलाह लें और उचित जगह इलाज कराएं। उन्होंने कहा कि महिला की मौत मामले की जांच कर संबंधित नीम- हकीम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

अवैध क्लिनिकों के खिलाफ होगी कार्रवाई : उन्होंने कहा कि पलामू में इस तरह के अयोग्य लोगों के क्लिनिकों में छापेमारी कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले से कार्रवाई की जा रही है। कई अवैध क्लिनिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि कोई चिकित्सक जानबूझकर किसी की जान के साथ खिलवाड़ नहीं करता है। उन्होंने कहा कि उसे बचाने में अपनी जान लगा देते हैं। उन्होंने कहा कि हड़ताल पर गए चिकित्सक और कर्मियों के साथ वार्ता कर जल्द ओपीडी सेवा बहाल कराने का प्रयास कर रहे हैं।

स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि सोमवार की शाम अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर बवाल काटा। साथ ही चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद हुसैनाबाद एसडीओ, एसडीपीओ सहित पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को शांत कराया।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, सोमवार की शाम हुसैनाबाद के बुधुआं गांव निवासी 23 वर्षीय महिला शगुफ्ता खातून को हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन 20 मिनट के अंदर ही महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजन आक्रोशित हो गए। स्थिति को देखते हुए चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों ने सुरक्षा की दृष्टि से खुद को कमरे में बंद कर लिया। इधर, परिजन अस्पताल में हंगामा करने लगे।

स्वास्थ्य कर्मियों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलने के बाद एसडीओ गौरांग महतो, एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब, थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी दल-बल के साथ अस्पताल पहुंचे और चिकित्सक और कर्मियों से कमरे का दरवाजा खुलावाया। इस बीच भी ग्रामीण काफी आक्रोशित दिखे। पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। पदाधिकारियों ने परिजनों से शव का पोस्टमार्टम कराने को कहा। लेकिन परिजन राजी नहीं हुए।

रस, रंग और माधुर्य का पर्व होली

(उमेश कुमार साहू-विनायक फीचर्स)

होली-मंगलोत्सव भारत वर्ष में मनाया जाने वाला एक प्रसिद्ध लोकपर्व है। रस, रंग, माधुर्य से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व है। यह पर्व कृषि कुसुमित संस्कृति के एक प्रतीक के रूप में भी प्राचीन समय से प्रचलित है। इसकी यह सार्वभौम विशेषता ही है, जिसके कारण देश के हर वर्ग, जाति, धर्म और संप्रदाय के लोग इसे बड़े उत्साह एवं आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति का भी शिक्षण देता है। बसंत से ही आरंभ हो जाने वाले इस पर्व में जहां एक ओर बासंती रंगों से रंगी प्रकृति सुन्दर छटा बिखेरती है, वहीं दूसरी ओर गुलाल-अबीर से रंगा मानव समुदाय अपनी आंतरिक पुलकन को भी प्रगट करता है। होलिका पर्व निष्क्रिय जड़ता पर जीवंत एवं सजीव चैतन्यता की स्थापना का पर्व है। वस्तुतः होली बहुत प्राचीन उत्सव है। इसको आरंभिक काल में 'होलाका' कहा जाता था। भारत के पूर्वी भागों में अभी भी यह शब्द प्रचलित है। 'होलाका' उन 20 क्रीड़ाओं में से एक है, जो संपूर्ण भारत में कभी प्रचलित थीं। इसके अनुसार, फाल्गुन पूर्णिमा पर लोग श्रृंग से एक-दूसरे पर रंगीन जल छोड़ते हैं और सुगंधित चूर्ण बिखेरते हैं। लिंग पुराण इस पर्व को फाल्गुनिका कहकर संबोधित करता है एवं इसे विभूति व ऐश्वर्य प्रदायक पर्व मानता है। डॉ. रामानंद तिवारी हमारी जीवन संस्कृति में लिखते हैं- राग-रंग और उल्लास का यह पर्व अपनी व्यापकता,स्वच्छता और संपन्नता में अनुपम है। अनेक विशेषताओं से युक्त वर्ष का यह अंतिम पर्व जीवन में संस्कृति के पूर्ण समन्वय का द्योतक है। वैदिक यज्ञ और लोकोत्सव का एक अद्भुत समन्वय इससें मिलता है। होली के पर्व पर अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंचकर वर्ष की रागिनी नये वर्ष की नयी रागिनी को जन्म देती है। होली का नैसर्गिक संबंध ऋतु परिवर्तन से है। शिशिर और हेमंत कालीन शीत की ठिठुरन के बाद बसंत का आगमन उल्लास लेकर आता है। फाल्गुन मास व बसंत दोनों मिलकर प्रकृति में अपूर्व आंनद व उमंग का रंग घोलते हैं। कोयल की कूक, खिलते पुष्पों की सुगंध व आम्र मंजरियों की मादकता से भरा बहता पवन तन-मन में उत्साह एवं जीवन के प्रति एक नई दृष्टिं का विकास करता है। प्रकृति के इन रूपों को देखकर मानव मन हर्षित हो उठता है एवं कभी कवि, कभी साहित्यकार,कभी कलाकारों के माध्यम से भावनाएं अभिव्यक्त होने लगती हैं। रत्नावली में कवि का वर्णन है कि होली पर्व के शुभावसर पर उड़ते हुए केशर मिश्रित गुलालों से उषाकाल का भ्रम हो रहा है। होली और भगवान श्रीकृष्ण का संबंध अटूट है। इसे साहित्य के प्रत्येक ग्रंथ में वर्णित देखा जा सकता है। गर्ग संहिता, फागुकाव्य, बसंतविलास, पृथ्वीराज रासो (चंदवरदाई कृत), सूरदास एवं परमानंद के काव्यों में मीरा-रसखान के दोहों में सभी जगह होली एवं कृष्ण का सरस, सजीव एवं सुन्दर चित्रांकन मिलता है। फाग विलास और फाग विहार रीतिकालीन नागरीदास कवि की दो रचनाएं होली पर प्रसिद्ध हैं। बिहारी, घनानंद, पद्माकर, केशव, सेनापति आदि सभी रीतिकालीन कवियों ने अपनी लेखनी से होली का रंग भरा है। भवभूति के मालती माधव नाटक में तो इसी पर्व का बड़ा सुन्दर चित्रण है। होली का त्योहार सामूहिकता के भाव की वृद्धि करने वाला है तथा संगठन और एकता को सुदृढ़ बनाने आता है। यदि यही उद्देश्य रखकर समता के इस पर्व को मनाया जाए तो आपस की असमतारूपी असुरता को होली में जलाकर नष्ट किया जा सकता है।होली के अनेक उद्देश्य व शिक्षाएं हैं, किंतु यहां इसके इतिहास के साथ-साथ एक पक्ष को ही स्पर्श किया गया है। एक सबसे बड़ी महत्वपूर्ण शिक्षा इस पर्व की यह है कि मनुष्य को दीन-दुर्बल और डरपोक होकर नहीं रहना चाहिए। सर्वदा इस संसार में नृसिंह की तरह निर्भय और वीर का जीवन जीना चाहिए। हमें श्रेष्ठता को, आदर्शों को अपनाना चाहिए और बुराई से लडऩे का साहस अपने अंदर जगाना चाहिए, तभी इस पर्व को मनाने की सार्थकता है। (विनायक फीचर्स।)

बुरा न मानो होली है

(पंकज शर्मा 'तरुण' - विनायक फीचर्स)

ढोल और होली के हुड़दंगियों की ज्यों ही कान के पास आवाज आई मैं सिहर गया। पत्नी जो दरवाजे के पास बैठी पापड़ खा रही थी। बोली आज धुरेंडी खेलने नहीं जाएंगे। मैं बोला क्यों? वह बोली देखा नहीं पिछले वर्ष पड़ोसी मिश्राजी को लोगों ने गन्दी गटर में किस तरह पटका था और बेचारे को गधे पर उल्टा बिठाकर सिर पर झाड़ू का सेहरा बांधकर गांव भर में घुमाया था। मैंने कहा-भागवान साल भर में एक बार यह मस्ती भरा रंगीन त्यौहार आता है और तुम हो कि त्यौहार मनाने पर प्रतिबंध लगा रही हो। बातें चल ही रही थी कि दरवाजा पीटने की आवाज ने बातों पर विराम लगा दिया। पत्नी ने वहीं से पूछा कौन है, बाहर से आवाज आई भाभी जी मैं हूं टिल्लू, शर्मा जी को बाहर भेजो। वे बोली क्यों ? वह बोला रंग लगाना है, वे बोली तुम रंग नहीं लगाओगे पिछले साल जैसे मिश्रा जी को रगड़ा था वैसे इस बार इनको रगडऩा चाहते हो। टिल्लू हंसने लगा और कसम खाकर बोला ऐसा कुछ नहीं करेंगे आप दरवाजा तो खोलिए। पत्नी ने विश्वास करके कुण्डी खोली। बाहर का दृश्य तो देखने योग्य था। सभी के चेहरे पुते हुए थे,एक भी व्यक्ति को मैं पहचान नहीं पा रहा था। उन्हें केवल आवाज से ही पहचाना जा सकता था,उस भीड़ में से आवाज आई शर्मा जी को कुछ मत करो। ज्यों ही गाली और रंग की बौछार हुई पत्नी घर के अन्दर और मैं घर के बाहर। मुझे बड़ी ही इज्जत के साथ उनके द्वारा ईस्ट मैन कलर में पोता गया। मेरे ना नुकुर का असर उन कम्बख्तों पर नहीं होना था सो नहीं हुआ। जैसे मंत्री पर विपक्ष के विरोध का कोई असर नहीं होता। मेरे साथ बाइज्जत पिछले वर्ष जो मिश्रा जी के साथ समारोह किया गया था वही किया। ऐसा लग रहा था,उनकी बातों से जैसे यह कार्यक्रम पहले नहीं था, लेकिन पत्नी की समझदारी भरी बातें सुनकर यह इज्जत अफजाई की जा रही थी। इस साल किसी और का नंबर था और वे उसी के सहयोग के लिए मुझे लेने आए थे। खैर साहब मैं भी गधे पर ऐसे ही बैठा रहा, जैसे जबरन किसी को गृहमंत्री का पद छीन कर जेल मंत्री के पद पर बिठा दें। गांव में सभी ओर हमारा और हमारे सहयोगियों का मोहल्ले वार नागरिक अभिनंदन किया गया। पुष्पहारों के स्थान पर सेवानिवृत्त चरणदास के हारों से, रंगों के स्थान पर तवे की कालिख से स्वागत किया गया और भांग तथा शराब की बोतलों से स्वल्पाहार किया गया। मुझे उस समय ऐसा महसूस हो रहा था जैसे मैं भी किसी राज्य का मुख्यमंत्री बन गया हूं और यह समारोह मेरी विजय की खुशी में मनाया जा रहा है। शाम हो चली थी सब मदमस्त हो चले थे, गदर्भ राज भी इंसानों की रंगीन संगत से ऊब चुके थे। मैं जैसे ही उनसे अलग हुआ वे धूल में नित्य की भांति लौटने लगे और अपने कंठ से राग गदर्भ निकालकर आनंद में हुई वृद्धि का बखान करने लगे। हम सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं और अपने-अपने दड़बे की ओर प्रस्थान कर गए। (विनायक फीचर्स।)

जयंती/होली चैतन्य महाप्रभु

(एम.एन. त्रिवेदी -विनायक फीचर्स)

सोलहवीं शताब्दी के मध्य संपूर्ण देश में धार्मिक, सामाजिक और राजनैतिक स्थितियां दयनीय थीं, वहीं तांत्रिक आस्थाओं की विकृतियों के कारण सामाजिक जीवन अनाचारपूर्ण था। सर्वत्र हिंसा का बोलबाला था, धर्म के नाम पर पाखण्ड, आडम्बर, व्यभिचार और कुरीतियां फैल रही थीं। देश में भीषण द्वेष, भय व आतंक का वातावरण छाया हुआ था ऐसे में विक्रम संवत की सोलहवीं शताब्दी के मध्य फाल्गुन माह की पूर्णिमा को एक दिव्य बालक का जन्म हुआ। इस बालक के परिजनों द्वारा 'निमाई' नामकरण किया गया। निमाई बचपन से ही चंचल तथा अत्यन्त मेधावी थे, प्रबल मनोविनोदी थे। उनके यौवनकाल में पं. रघुनाथ जी द्वारा न्याय शास्त्र पर एक ग्रन्थ लिखा गया था। निमाई द्वारा भी एक ग्रन्थ न्याय शास्त्र पर तैयार किया गया था। उन्होंने अपनी हस्तलिखित कृति को जब पं. रघुनाथ जी को पढ़ने के लिए प्रस्तुत किया तो उनके नेत्रों से अश्रुधारा बह निकली। तुलनात्मक दृष्टिकोण पर उन्होंने स्पष्ट किया कि निमाई का ग्रन्थ अति उत्तम है। निमाई समझ गए कि उनके ग्रंथ के समक्ष पंडित जी का ग्रंथ उपयोगी नहीं रह पाएगा। अतः उन्होंने पंडित जी के ग्रंथ की महिमा बढ़ाने के लिए अपना हस्तलिखित ग्रंथ स्वयं ही गंगा में प्रवाहित कर दिया। उनके इस त्याग ने उनके व्यक्तित्व को प्रखर बनाया। उनका ज्ञान दिनोंदिन बढ़ता रहा। उनका उपदेश था कि जीव मात्र के प्रति दया, भगवान के प्रति आस्था एवं मनुष्य मात्र की सेवा ये ही तीन श्रेष्ठ धर्म हैं। तत्समय राजाज्ञा से काजी द्वारा कीर्तन पर प्रतिबंध लगाया गया जो उनको सहन नहीं हुआ और विरोध आरंभ कर दिया। जनशक्ति को जागृत किया। काजी के साथ आत्मीयता का व्यवहार किया। प्रेमास्त्र की धार से काजी की जिद विदीर्ण हो गई। निषेधाज्ञा वापस लेनी पड़ी बाद में यही शान्तिपूर्ण जनआंदोलन गांधीजी का भी सशक्त अस्त्र बना। चैतन्य नाम से विख्यात निमाई को महाप्रभु भी कहा जाने लगा। उन्होंने अपने क्षेत्र में गौवध बंद करवाया। वे धर्म के नाम पर मूक, निरीह या निर्दोष पशुओं की बलि रोकने के लिए प्रयत्न करते रहे। डाकुओं पर भी उनका प्रभाव पड़ा। उनका मानना था कि डाकू जीवन में पत्नी, पुत्र का भी मोह नहीं रहता। वह कहा करते थे कि जब गृहस्थ की तरह विषय वासनाओं से मुक्त रहते हो, वनों में विरक्त साधुओं की तरह भ्रमण करते हो तो फिर भगवद्भजन के प्रति आसक्त होने में क्या कठिनाई है? महाप्रभु मानवता के पुजारी थे, दया करुणा के सागर थे, जाति-पांति, ऊंच-नीच के बन्धनों को तोड़कर सभी ने मनुष्य को एक ही जाति का प्रतिपादित किया। (विनायक फीचर्स)

नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर विवाद

अजीत द्विवेदी

यह अनुरोध सिर्फ केंद्र सरकार से नहीं है, बल्कि तमिलनाडु सरकार से भी है। नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर जो विवाद केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच छिड़ा है वह कोई भाषा और संस्कृति का विवाद नहीं है, बल्कि राजनीतिक विवाद है। इसलिए किसी भी भाषा को और खास कर हिंदी को खलनायक बनाने की जरूरत नहीं है। असलियत यह है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दोनों पक्ष अपने अपने हथियारों को धार दे रहे हैं। यह दुर्भाग्य होगा अगर एक बार फिर भाषा का विवाद छिड़ेगा और राजनीतिक फायदे के लिए पार्टियां इसका इस्तेमाल करेंगी। ऐसा लग रहा है कि चार साल शासन करने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भाषा के विवाद में अवसर दिख रहा है तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को इसी बहाने अपने को हिंदी हितैषी दिखाने का मौका मिला है। हिंदी हितैषी का यह नैरेटिव भाजपा को अगर तमिलनाडु में ज्यादा फायदा नहीं भी पहुंचाता है तब भी देश के 40 फीसदी से ज्यादा हिंदी भाषी इलाके में अच्छी बढ़त दिला सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक राजनीतिक मसला है, जिसका भाषा और संस्कृति से ज्यादा सरोकार नहीं है। एमके स्टालिन नई शिक्षा नीति यानी एनईपी के बहाने हिंदी बनाम तमिल का मुद्दा इसलिए बना रहे हैं ताकि वे अपने को द्रविड अस्मिता का चैम्पियन दिखा सकें। वे एक आभासी लड़ाई छेड़ कर उसका राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। इस तरह के कई काम वे और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन पहले भी कर चुके हैं। उदयनिधि ने इसी तरह के राजनीतिक लाभ के लिए सनातन धर्म के खिलाफ अवांछित टिप्पणी की थी। सनातन बनाम द्रविड संस्कृति का विवाद उन्होंने खड़ा किया था तो तमिल बनाम हिंदी का विवाद एमके स्टालिन बना रहे हैं। पहले तो उनका विरोध इतना था कि वे एनईपी के जरिए त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने और तमिल व अंग्रेजी के साथ तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी पढ़ाए जाने के प्रयास का विरोध कर रहे थे। उनका आरोप था कि केंद्र सरकार हिंदी थोपना चाहती है। लेकिन बाद में उन्होंने हिंदी का विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी का वर्चस्व स्थापित करने के प्रयासों के चलते उत्तर भारत की 25 बोलियां समाप्त हो गई। उनका यह निष्कर्ष भी राजनीतिक है और अधूरा है। अव्वल तो उत्तर भारत की बोलियां समाप्त नहीं हुई हैं। आज भी करीब 15 करोड़ लोग भोजपुरी बोलते हैं और पूर्वांचल के अलावा देश भर में और विदेशों में भी भोजपुरी बोली जाती है। भोजपुरी के अलावा बिहार में मगही, मैथिली, अंगिका, वज्जिका आदि बोलियां भी चलती हैं तो उत्तर प्रदेश में भोजपुरी के साथ साथ अवधि व ब्रज भाषा का भी चलन है। राजस्थान, मध्य प्रदेश में भी कई बोलियां प्रचलित हैं। इन बोलियों को मानक भाषा नहीं माना गया है। मानक भाषा के तौर पर हिंदी को संविधान में स्वीकार किया गया। संविधान बनाने वालों ने 1950 हिंदी को आधिकारिक राजभाषा बनाया और साथ ही कहा कि 15 साल तक अंग्रेजी सहायक राजभाषा बनी रहेगी। हालांकि बाद में तमिलनाडु और दूसरे राज्यों के विरोध की वजह से 15 साल की समय सीमा हटा दी गई। इसलिए हिंदी के साथ साथ अंग्रेजी भी कामकाज की भाषा बनी हुई है। तभी हिंदी को उसका विकास करने वाली बोलियों के विरोध में खड़ा करने की स्टालिन की राजनीति ठीक नहीं है। अगर उनके इसी तर्क के हिसाब से देखें तो सवाल उठेगा कि क्या तमिल भाषा ने तमिल बोलियों को समाप्त नहीं किया है? तमिलनाडु के अलग अलग इलाकों में कई बोलियां प्रचलित रही हैं। आज भी अनेक बोलियों का अस्तित्व है लेकिन उनको मानक तमिल भाषा नहीं माना जाता है। कोंगु तमिल, मद्रास बशई, मदुरै तमिल, नेलाई तमिल, कुमारी तमिल आदि बोलियां हैं। इसके अलावा श्रीलंका के जाफना में या मलेशिया में मानक या शास्त्रीय तमिल भाषा नहीं इस्तेमाल होती है। वहां की अलग बोलियां हैं। ऐसा ही कन्नड़, मलयालम, तेलुगू आदि मानक भाषाओं का विकास भी बोलियों से ही हुआ है। जिस तरह से उत्तर भारत की बोलियों ने हिंदी को समृद्ध किया है उसी तरह अन्य मानक भाषाएं भी अपनी बोलियों से ही समृद्ध हुई हैं। इसलिए भाषा और बोली के बीच दशकों पहले सुलझ चुके विवाद को फिर से छेडऩे की जरुरत नहीं है। दूसरी अहम बात यह है कि अगर अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य संपर्क भाषा की बात होगी तो क्या वह हिंदी नहीं होगी? हिंदी के अलावा किसको पूरे देश की संपर्क भाषा कह सकते हैं? क्या तमिलनाडु के लोग देश के दूसरे हिस्सों में जाते हैं तो वे हिंदी का प्रयोग नहीं करते हैं? क्या वे हिंदी की फिल्में नहीं देखते हैं या हिंदी के गाने नहीं सुनते हैं? देश में उनका काम तमिल और अंग्रेजी के दम पर नहीं चल सकता है। खुद तमिलनाडु का तीर्थाटन और पर्यटन का विशाल कारोबार बड़ी हिंदी आबादी के दम पर ही चल रहा है। हिंदी भाषी पर्यटकों के साथ तमिल लोगों को कामचलाऊ हिंदी से कोई आपत्ति नहीं होती है। परंतु स्टालिन ने अपने राजनीतिक फायदा के लिए इसका विवाद बना दिया है। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने भी राजनीतिक लाभ के लिए इसे मुद्दा बनाया है। नई शिक्षा की नीति में कई चीजें अच्छी हैं, जिनको लागू कराना चाहिए। लेकिन ऐसा लग रहा है कि केंद्र सरकार का सारा जोर हिंदी पढ़वाने पर है। वह अपने को हिंदी हितैषी दिखाने के लिए दूसरी भाषाओं को हिंदी के विरोध में खड़ा करवाने की राजनीति कर रही है। वैसे भी तमिलनाडु में बड़ी संख्या में केंद्रीय विद्यालय हैं, जिनमें हिंदी पढ़ाई जा रही है। इसी तरह ज्यादातर निजी स्कूलों में भी हिंदी की पढ़ाई हो रही है। सीबीएसई, आईसीएसई और आईबी बोर्ड वाले स्कूलों में भी हिंदी की पढ़ाई हो रही है। क्या इतना पर्याप्त नहीं है, दक्षिण में हिंदी के प्रसार के लिए? इसके अलावा भी दक्षिण में हिंदी के प्रसार के लिए संस्थाएं बनी हैं। फिर क्यों केंद्र सरकार तमिलनाडु के सरकारी स्कूलों में हिंदी अनिवार्य कराने में लगी है? अगर त्रिभाषा फॉर्मूले की ही बात करें तो उत्तर भारत के कितने स्कूलों में इसको लागू किया गया है? ज्यादातर सरकारी स्कूलों में सारी पढ़ाई हिंदी में ही होती है। उत्तर भारत की बड़ी आबादी के लिए अंग्रेजी आज भी एलियन भाषा है। अंग्रेजी पढ़ाने के लिए रखे गए ज्यादातर शिक्षक हिंदी में ही अंग्रेजी पढ़ाते हैं। ज्यादातर जगहों पर तीसरी भाषा के तौर पर संस्कृत को रखा गया है इसके बावजूद अधिकतर छात्रों को सिर्फ परीक्षा पास करने लायक संस्कृत आती है, जिसका इस्तेमाल वे फिर जीवन में कभी नहीं करते हैं। इसलिए भाषा को लेकर इतना आग्रह या विवाद ठीक नहीं है। उससे बड़ा सवाल यह है कि जिस देश में भाषा को लेकर इतने विवाद हुए, भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन हुआ, भाषा के नाम पर पार्टियां बनीं और सफल हुई उस देश में आज तक ज्ञान की माध्यम भाषा अंग्रेजी बनी हुई है। विज्ञान और गणित से लेकर समाजविज्ञान तक की पढ़ाई के लिए हिंदी या दूसरी क्षेत्रीय भाषाएं विकसित नहीं हो पाईं। भाषा और शिक्षा दोनों की गुणवत्ता लगातार खराब होती गई है। सबको मिल कर इस पर विचार करना चाहिए कैसे इसे ठीक करें। इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी के समय 42वें संविधान संशोधन के जरिए शिक्षा को राज्य सूची से हटा कर समवर्ती सूची में डाल दिया था। इंदिरा गांधी और इमरजेंसी को पानी पी पीकर कोसने वाली भाजपा को चाहिए कि वह इस संशोधन को रद्द कर दे और शिक्षा को फिर राज्य का विषय बना दे। उससे अपने आप कई विवाद खत्म हो जाएंगे।

कुंभ में डुबकी पापों को पुण्य में बदला

हरिशंकर व्यास

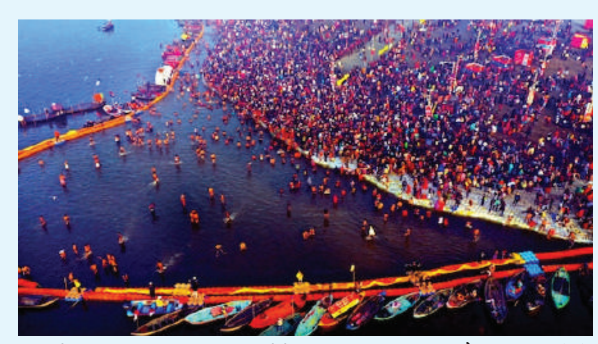

जो आस्थावान हैं वे परमहंस अवस्था में हैं। उन्हें मुक्ति मिली। मोक्ष के साथ स्वर्गलोक में स्थान पक्का! जीवन तथा जन्म धन्य। ऐसे कोई 66 करोड़ हिंदुओं ने मौका नहीं चुका है। इन्होंने कुंभ में डुबकी लगाई और पापों को पुण्य में बदला। जन्म-जन्मांतर से मुक्ति हुई। स्वर्ग (ब्रह्म में लीन) सुख की गारंटी पाई। दूसरी तरफ वे संसारजीवी हिंदू हैं, जो हैरानी से मन ही मन मान रहे हैं कि मार्केटिंग के रणनीतिकारों की कोई न कोई टोली, कोई थिंक टैंक है, जिसकी प्लानिंग से योगी और मोदी हिंदुओं में आस्था की सुनामी बनाते हुए हैं! बकौल प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों में- यह आयोजन, आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है। सौ टका सही बात है। निश्चित ही डोनाल्?ड ट्रंप व इलॉन मस्क सहित दुनिया के उन सभी कर्णधारों को अपने राजनीतिक-धार्मिक, कारोबारी रणनीतिकारों को हड़काते हुए आदेश देना चाहिए कि वे भारत जा कर योगी और मोदी के चरणों में बैठें, उनसे सीखें! इन्होंने 45 दिनों में पूरी दुनिया को पछाड़ दिया है। हिंदू आस्था की महाशक्ति के विश्व रिकॉर्ड बने हैं। सो, कहां गए हमारे धर्म के धर्माचार्य? हमें वेटिकन में भीड़ का रिकॉर्ड बनाना है। जाहिर है इस होड़ में सर्वाधिक घायल चीन ही होगा। इसलिए क्योंकि वह कम्युनिस्ट देश है। धर्म तथा आस्थाविहीन देश है। उसे मोदी के भारत ने पहले आबादी में पछाड़ा। अब आस्था की ताकत में भी पछाड़ा! गौर करें कुंभ बाद सरकारी प्रेस रिलीज, मीडिया रिपोर्टों की इन बातों पर– 45 दिनों में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। अमेरिका सहित एक सौ देशों की आबादी से अधिक लोग कुंभ के दौरान प्रयागराज पहुंचे। यह संख्या मक्का और वेटिकन सिटी जाने वाले श्रद्धालुओं से भी अधिक है। सऊदी अरब के मक्का और मदीना जाने वाले हजयात्रियों से यह संख्या दो सौ गुना अधिक है। इस महाकुंभ ने इतिहास रचा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में कई रिकॉर्ड बने हैं आदि, आदि। मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में बाकी धर्मों को पछाडऩे के दो टूक आंकड़े भी प्रस्तुत किए। उन्होंने महाकुंभ से तुलना में मक्का, मदीना का आंकड़ा बताते हुए कहा- मक्का में 24 दिन में एक करोड़ 40 लाख यानी करीब डेढ़ करोड़ लोग पहुंचे हैं। ईसाइयों के सबसे बड़े धार्मिक स्थल वेटिकन सिटी में 80 लाख पहुंचे हैं। लेकिन अयोध्या में इसके 12 गुना यानी 16 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। वही महाकुंभ में 45 दिनों में 64 करोड़ लोगों ने संगम स्नान किया है।ज्इस्लाम, ईसाई या किसी अन्य धर्म में सनातन धर्म के इस वैश्विक आयोजन का कोई मुकाबला नहीं है। जाहिर है इसकी वजह को भारत परम धाम प्राप्त है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा हैं- ये कुछ ऐसा हुआ है, जो बीते कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ। ये कुछ ऐसा हुआ है, जो आने वाली कई-कई शताब्दियों की एक नींव रख गया है।ज्144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकास यात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है। ये संदेश है- विकसित भारत का। उन्होंने आगे कहा- आजादी के बाद भारत की इस शक्ति के विराट स्वरूप को यदि हमने जाना होता, और इस शक्ति को सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की ओर मोड़ा होता, तो ये गुलामी के प्रभावों से बाहर निकलते भारत की बहुत बड़ी शक्ति बन जाती। लेकिन हम तब ये नहीं कर पाए। अब मुझे संतोष है, खुशी है कि जनता जनार्दन की यही शक्ति, विकसित भारत के लिए एकजुट हो रही है। जाहिर है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आस्थावान हिंदुओं को परमहंस अवस्था में पहुंचा दिया है।

आइए खेलते हैं, हंसी-ठिठोली की होली, प्रेम की पिचकारी से

श्रीगोपाल नारसन

इस वर्ष चैत्र कृष्ण प्रतिपदा तिथि का आरंभ 14 मार्च को दिन में 12 बजकर 25 मिनट के बाद हो रहा है। इससे पहले तक फाल्गुन पूर्णिमा तिथि रहेगी। ऐसे में 14 मार्च को दिन में प्रतिपदा तिथि लग जाने से रंगोत्सव 14 मार्च को ही मनाया जा रहा है। जबकि होलिका दहन 13 मार्च को किया जा रहा है। होलिका दहन के दिन भद्रा का साया सुबह 10 बजकर 35 मिनट से शुरू हो जाएगा और इसका समापन रात 11 बजकर 26 मिनट तक होगा, इसी के बाद होलिका दहन किया जाएगा। इस दिन भद्रा का साया करीब 13 घंटे का रहेगा। होलिका के लिए एक पेड़ की टहनी को भूमि में स्थापित किया जाता है और उसे चारों ओर से लकड़ियों, कंडों व उपलों से ढक दिया जाता है। शुभ मुहूर्त में इस संरचना में अग्नि प्रज्ज्वलित की जाती है। इसमें छेद वाले गोबर के उपले, गेहूं की नई बालियां और उबटन अर्पित किए जाते हैं। ऐसा विश्वास किया जाता है कि यह अग्नि व्यक्ति को पूरे वर्ष स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होती है और नकारात्मक शक्तियों को नष्ट कर देती है। होलिका दहन के बाद राख को घर लाकर तिलक लगाने की भी परंपरा है। इस दुनिया मे जो भी सुख- दुःख है वह हम सबके अपने-अपने कर्मों के कारण है। इस दुनियादारी के दुःखों के बीच ही हम थोड़े समय के लिए होली जैसे पर्वों के माध्यम से सुख खोजते है। क्षणिक सुख की यही घड़ी हमें होली पर मदहोश कर देती है और हम विनोद भाव से हंसी-ठिठोली कर होली का रसास्वादन प्राप्त करते हैं। सत्य यही है कि सारा संसार आज दुःखो की होली खेल रहा है। सभी एक-दूसरे पर पांचों विकारों व उनके वंशों के बदरंगों की बौछार कर रहे हैं । किसी पर काम का रंग चढ़ा है तो किसी पर क्रोध का रंग, कोई लोभ में मदहोश है तो कोई मोह के रंग से रंगा हुआ है। स्वार्थ, इर्ष्या, द्वेष, घृणा, अमानवीयता, आपराधिक आकर्षण और बेवजह की आवश्यकता के सूक्ष्म बदरंगों से तो कोई बचा ही नहीं है। इन सबके मूल में है देह अभिमान का रंग, जिसके कारण आज हम सबकी आत्मा भी बदरंग हो गयी है। जबकि आत्मा का वास्तविक गुण रूपी रंग ज्ञान, शान्ति, प्रेम, सुख, पवित्रता, शक्ति व आनंद का है ,जो कहीं छिप-सा गया है और उसके ऊपर विकारों का कीचड़ आ जाने से सब उल्टा-पुल्टा हो गया है। हम सभी को विकारों के रंग के बजाए आत्मिक रंगों से रंगकर सारे विश्व को आत्ममय बनाना चाहिए। यह आत्मिक रंग एक परमात्मा के सत्संग द्वारा प्राप्त होता है। शिव परमात्मा ही नयी दुनिया के स्थापनार्थ कल्प कल्प संगमयुग में अवतरित होकर अपने आत्मा रूपी बच्चों को अपने संग के रंग से रंगकर आप समान पवित्र बना देते हैं। इसे ही सच्ची होली मनाना भी कहते हैं। होली मनाने के लिए पहले अपवित्रता व बुराईयों को भस्म करना होगा। विकार भाव भूलकर पतित से पावन बनकर हमें आपस में भाई-भाई की वृत्ति रखनी होगी तभी हम अविनाशी रंग का अनुभव कर सकेंगे। परमपिता परमात्मा शिव ने हमें होली शब्द के तीन अर्थ बताये हैं- पहला होली अर्थात् बीती सो बीती, जो हो गया उसकी चिन्ता न करो तथा आगे के लिए जो भी कर्म करो, योगयुक्त होकर करो। दूसरा होली अर्थात् हो गई यानी मैं आत्मा अब ईश्वर अर्पण हो गई, अब जो भी कर्म करना है, वह ईश्वर की मत पर ही करना है। तीसरा होली अर्थात् पवित्रता। हमें जो भी कर्म करने हैं, वे किसी भी विकार के वश होकर नहीं वरन् पवित्र बुद्धि से करने हैं। होली का त्योहार हिन्दू वर्ष के अंतिम मास फाल्गुन की पूर्णिमा को मनाया जाता है। जिसे हम सृष्टि चक्र के रूप में भी समझ सकते हैं। सृष्टि चक्र के दो भाग हैं, ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात्रि। ब्रह्मा का दिन है सतयुग-त्रेतायुग। उस समय सभी देवात्मायें ईश्वरीय रंग में रंगी होती हैं। लेकिन जब द्वापरयुग आता है और ब्रह्मा की रात्रि का प्रारंभ होता है तो मानवात्मायें विकारों से ग्रसित हो बदरंग होने लगती हैं। कलियुग के अंत तक तो इतनी बदरंग हो जाती हैं कि अपनी असली पहचान से पूरी तरह दूर चली जाती हैं, तब निराकार परमात्मा शिव धरती पर अवतरित होकर विकारों से बदरंग बनी आत्माओं को अपने संग का रंग लगाते हैं। उन्हें उजला बनाते हैं। उनमें ज्ञान, शान्ति, प्रेम, सुख, आनन्द, पवित्रता, शक्ति आदि गुण भरकर देवतुल्य बना देते हैं।

कश्मीर भारत का अभिन्न अंग

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लंदन में चैथम हाउस थिंक टैंक के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान जम्मू-कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है। यह याद रखना चाहिए कि 22 फरवरी, 1994 को भारत की संसद में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसमें दोहराया गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है, और रहेगा। पाकिस्तान को वह हिस्सा छोडऩा होगा जिस पर उसने कब्जा जमा रखा है। वास्तव में जयशंकर की टिप्पणी संसद के इसी प्रस्ताव की प्रतिध्वनि है। जयशंकर ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भारत का पहला प्राथमिक कदम था। सूबे में विकास, आर्थिक गतिविधियां और सामाजिक न्याय की बहाली दूसरा कदम और यहां निष्पक्ष चुनाव कराना तीसरा कदम था। वास्तव में भारत अच्छी तरह से जानता है कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर उसके लंबे समय से चले आ रहे दावे के अलावा पाकिस्तान का भी दावा है और स्वयं उन कश्मीरियों का अपना दावा है जो उस हिस्से की आजादी की मांग कर रहे हैं या भारत में विलय के लिए मांग कर रहे हैं। चौथा दावा चीन का भी है जिसने वहां भारी निवेश किया है। इस अर्थ में जयशंकर का कहना जायज है कि पीओके भारत के नियंत्रण में आ जाए तो वह भी भारतीय जम्मू-कश्मीर की तरह विकास के रास्ते पर बढ़ सकता है। परंतु व्यवहार में यह काम इतना आसान नहीं है। हाल-फिलहाल यह हो सकता है कि पीओके में पाकिस्तानी सरकार के जो जुल्म बढ़ रहे हैं और जिनसे वहां के निवासी आक्रांत रहे हैं, उनके लिए वैश्विक समर्थन जुटाया जाए और स्वयं भारत भी उन्हें स्पष्टतः आश्वासन दे कि वह उनकी जायज मांगों का समर्थक है। गिलगिट-बलूचिस्तान में रहने वाले लोगों ने अपने क्षेत्र पर पाकिस्तान के बलात कब्जे को कभी स्वीकारा नहीं है। यहां राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक आवाजें उठ रही हैं। पाकिस्तान की कुल भूमि का 40 फीसद हिस्सा यहीं है, लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब एक करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस इलाके में सर्वाधिक बलूच हैं। इसलिए इसे गिलगिट-बलूचिस्तान भी कहा जाता है।

पॉपकॉर्न से ज्यादा हेल्दी होता है जवार धानी

पॉपकॉर्न आखिर किसे पसंद नहीं होते? मूवी डेट हो या घर पर पार्टी इसका सेवन जरूर किया जाता है। मार्केट में मिलने वाले पॉपकॉर्न में प्रिजर्वेटिव्स ज्यादा होते हैं। ऐसे में इसके सेवन से आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी जगह आप जवार धानी का सेवन कर सकते हैं। यह एक प्रकार का साबुत अनाज है, जो पॉपकॉर्न की तरह दिखता है। यह पॉपकॉर्न से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसमें पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। साथ ही, यह कई स्वास्थ्य समस्याओं में फायदा करता है।

ग्लूटन फ्री स्नैक्स

अगर आपको ग्लूटन वाली चीजों से एलर्जी है, तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। यह एक अच्छा ग्लूटन फ्री स्नैक्स है, जिसके सेवन से आपका पाचन भी स्वस्थ रहेगा।

वेट लॉस में मदद करे

जवार धानी में फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसके सेवन से आपको काफी देर तक भूख नहीं लगती है। इस कारण आप अगले मील में कम कैलोरी इंटेक करेंगे। साथ ही, आपको जल्द वजन घटाने में मदद मिलती है।

कई बीमारियों में फायदेमंद

अगर आपको डायबीटीज, हाइपरटेंशन या स्ट्रोक की समस्या है, तो यह आपके लिए अच्छा विकल्प है। इसमेंफाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो आपको स्वस्थ रखने में मदद करता है।

गट को हेल्दी बनाए रखे

खराब खानपान के कारण गट हेल्थ को नुकसान होता है। इससे पाचन क्रिया भी धीमी होती है, साथ ही गट इंफेक्शन का खतरा भी रहता है। ऐसे में जवार धानी बेहतरीन विकल्प है। यह जल्दी पच जाता है, साथ ही गट को हेल्दी रखने में मदद करता है।

मैग्नीशियम से भरपूर

जवार धानी में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और जोड़ों के दर्द से राहत देता है। महिलाओं में होने वाली मेनोपॉज की स्थिति में भी यह फायदेमंद है।

माइक्रोन्यूट्रिएंट से भरपूर

जवार धानी में माइक्रोन्यूट्रिएंट भी अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें जिंक, फास्फोरस, पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए गए हैं। यह शरीर में नए सेल्स और टिशूज बनाने में मदद करते हैं।

जवार धानी का सेवन करने का सही तरीका

- जवार धानी को आप घर पर पॉपकॉर्न बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। यह स्वाद में भी काफी बेहतर होता है।
- जवार धानी को खिचड़ी या दलिया बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह आपके लिए परफेक्ट ब्रेकफास्ट या डिनर ऑप्शन हो सकता है।
- जवार धानी से आप उपमा या सूप भी बना सकते हैं. रात में लाइट डिनर के लिए यह सही ऑप्शन है।
- अगर आप किसी स्वास्थ्य समस्या के लिए दवा लेते हैं, तो इसका सेवन एक्सपर्ट की सलाह पर ही करें।

मम्मी ब्रेन क्या होता है? कारण और लक्षण

प्रेग्नेंसी में कई महिलाओं में भावनात्मक बदलाव आते हैं। कुछ महिलाओं को मम्मी ब्रेन की समस्या हो जाती है।

मां बनना एक महिला के लिए दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास होता है। मदरहुड जर्नी बेहद खूबसूरत होती है। हालांकि इस दौरान महिलाओं को कई तरह की मुश्किलें भी आती है। प्रेग्नेंसी से लेकर प्रसव के बाद तक महिलाओं की फिजिकल हेल्थ के साथ ही उनकी मेंटल हेल्थ पर भी असर पड़ता है। कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। कई महिलाएं तो प्रेगनेंसी ब्रेन या मम्मी ब्रेन की शिकार हो जाती हैं। आइए विस्तार से जानते हैं मम्मी ब्रेन के बारे में।

क्या होता है मम्मी ब्रेन?

प्रेग्नेंसी के दौरान और मां बनने के बाद कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। इस दौरान कई महिलाओं को भूलने की बीमारी हो जाती है। मां बनना शारीरिक, इम्यून फंक्शन और व्यवहार में नाटकीय बदलावों से जुड़ा होता है जो गर्भावस्था के दौरान शुरू होते हैं और प्रसव के बाद भी जारी रहते हैं। महिलाएं छोटी-छोटी बातें भूलने लगती हैं जैसे वह किचन में क्या काम करने के लिए गई थी उन्होंने अपना सेल फोन कहां रख दिया , वह किसे फोन लगाने वाली थीं, वगैरा-वगैरा... इस सिचुएशन को ही मम्मी ब्रेन के नाम से जाना जाता है। यह समस्या कुछ समय के लिए होती है और धीरे-धीरे आगे चलकर अपने आप ही ठीक हो जाती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक ऐसा गर्भावस्था के पहले तीन से चार महीने में होता है और यह गर्भावस्था के बाद तक बना रहता है।

मम्मी ब्रेन के लक्षण

- फोकस में कमी
- छोटी-छोटी चीजों को भूल जाना
- नींद पूरी न होना
- काम में मन न लगना
- तनाव और चिंता में होना
- हर समय थकान लगना

मम्मी ब्रेन से कैसे निपटें

- तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करें।
- खुद के लिए थोड़ा वक्त निकालें।
- पर्याप्त नींद लें।
- बच्चों को संभालने में परेशानी हो रही है तो दूसरों की मदद लें।
- पौष्टिक आहार खाएं।
- घूमने फिरने जाएं।
- आपको जो एक्टिविटी पसंद है वही करें।
- तनाव होने पर अपनों से बात करें।

एरोबिक व्यायाम के साथ अपने दिल को स्वस्थ रखें

एरोबिक व्यायाम न केवल मजबूत हड्डियों के निर्माण, मांसपेशियों की ताकत, धीरज और लचीलेपन में सुधार करने के लिए फायदेमंद होते हैं, बल्कि हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, मधुमेह और कुछ कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए भी फायदेमंद होते हैं। शोध से पता चलता है कि यह केवल छह महीनों में आपकी सोच और याददाश्त में सुधार कर सकता है। ऑर्थोपेडिक स्पोर्ट्स सर्जन वोंडा राइट, एमडी, एफएओएस कहते हैं '' चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैराकी और क्रॉस कंट्री कुछ लोकप्रिय एरोबिक गतिविधियां हैं। अपने एरोबिक व्यायाम से अधिक लाभ उठाने के लिए, लचीलापन और ताकत प्रशिक्षण अभ्यास को अपनी फिटनेस दिनचर्या में शामिल किया जाना चाहिए।''

'' अपने कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को मजबूत करने के लिए, हर बार जब आप व्यायाम करते हैं तो अपनी लक्षित हृदय गति पर अपनी हृदय गति को 20 से 60 मिनट तक बढ़ाना महत्वपूर्ण है। अपने लक्षित हृदय गति पर व्यायाम करना सुनिश्चित करता है कि आपका शरीर लाभ प्राप्त करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा का प्रयोग कर रहा है। यह सटीक रूप से ट्रैक करने के लिए कि आपका शरीर कितनी मेहनत कर रहा है, अपनी लक्षित हृदय गति की गणना करें और प्रति मिनट धड़कन को ट्रैक करें। आपके लक्षित हृदय गति को निर्धारित करने के लिए एक सामान्य गणना आपकी आयु से 220 मिनियुस है।''डॉ राइट कहते हैं कि व्यायाम का एफआईटीटी सिद्धांत एरोबिक गतिविधि के लिए पालन करने के लिए एक प्रभावी दिशानिर्देश है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन एरोबिक गतिविधि में भाग लेने के दौरान चोट को खत्म करने के लिए इन सुरक्षा युक्तियों का सुझाव देते हैं। अपने डॉक्टर ने सलाह दी कि यदि आपकी मौजूद स्थिति, अधिक वजन वाले हैं, धूम्रपान करने वाले हैं या कुछ समय से सक्रिय नहीं हैं, तो एक नया व्यायाम दिनचर्या शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करें। वहीं हाइड्रेट और निर्जलीकरण के हल्के स्तर भी एथलेटिक प्रदर्शन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यदि आपके पास पर्याप्त तरल पदार्थ नहीं हैं, तो आपका शरीर पसीने और वाष्पीकरण के माध्यम से खुद को प्रभावी ढंग से ठंडा नहीं कर पाएगा।

रोज सुबह खाली पेट पिएं यह आयुर्वेदिक चाय, पेट दर्द और गैस समेत 10 बीमारियां होंगी दूर

अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। घर के मसालों से बनी यह आयुर्वेदिक चाय कई बीमारियों को दूर करती है। आज के समय में सेहतमंद रहना थोड़ा मुश्किल हो गया है। खान-पान की गलत आदतों, अनियमित जीवनशैली, बढ़ते तनाव और भी कई वजहों से लोग बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। हेल्दी रहने के लिए शरीर में कई विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य न्यूट्रिएंट्स का सही लेवल में होना जरूरी है। इसके अलावा, शरीर में हार्मोन्स भी सही लेवल में होने चाहिए। कई बीमारियों से बचाव के देसी नुस्खे हमारे घरों में ही मौजूद हैं। अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। इसके अलावा भी इस चाय के कई फायदे हैं।

जीरा, सौंफ और धनिये के बीजों की चाय के फायदे

- इससे ब्लोटिंग, इनडाइजेशन, जी मिचलाना, सिरदर्द और पीरियड्स में होने वाला दर्द कम होता है।
- अगर आपको खाना खाने के बाद पेट फूला हुआ महसूस होता है या फिर गैस बनती है, तो यह आपके लिए फायदेमंद है।
- शरीर में वात-पित्त-कफ का बैलेंस बनाकर यह चाय गट हेल्थ को भी सुधारती है।
- इस चाय में इस्तेमाल की जाने वाली तीनों चीजें वात को हरती हैं, यानी गैस को दूर करती हैं और पाचक रस को उत्तेजित करती हैं, डाइजेस्टिव फायर को जलाए रखने में मदद करती है, जिससे हम जो भी खाते है, वह सही से पच पाता है।
- इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स भी दूर होते हैं और खाने से न्यूट्रिएंट्स सही तरह से हमारे शरीर में पहुंचते हैं।
- कई बार गैस के कारण खाना खाने के बाद उल्टी आती है, ऐसे में यह चाय आपकी मदद कर सकती है।
- लिवर और किडनी को डिटॉक्स करती है।
- शरीर में इंफ्लेमेशन को कम करती है और फैटी लिवर के पेशेंट्स के लिए अच्छी होती है।
- इससे गट हेल्दी रहता है और स्ट्रेस भी दूर होता है।
- ब्लड ग्लूकोज को बैलेंस करती है।
- भूख को बढ़ाती है।

कैसे बनाएं?

सामग्री

- जीरा- 1 टेबलस्पून
- धनिये के बीज- 1 टीस्पून
- सौंफ के बीज- 1 टेबलस्पून
- पानी- लगभग 2 गिलास

विधि

- सभी चीजों को पानी में डालें।
- इसे लगभग 7-10 मिनट तक उबालें।
- अब इसे छान लें।
- आपकी हेल्दी आयुर्वेदिक चाय तैयार है।

कब पिएं?

- इस चाय को खाली पेट पीना सबसे अच्छा माना जाता है।
- आप इसे खाना खाने के 1 घंटे बाद भी पी सकती हैं।

नोट- प्रेग्नेंसी के दौरान यह चाय नहीं पीना चाहिए क्योंकि सौंफ गर्भवती महिलाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा, अगर आपको कोई हेल्थ से जुड़ी समस्या है, तो इस चाय को शुरू करने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

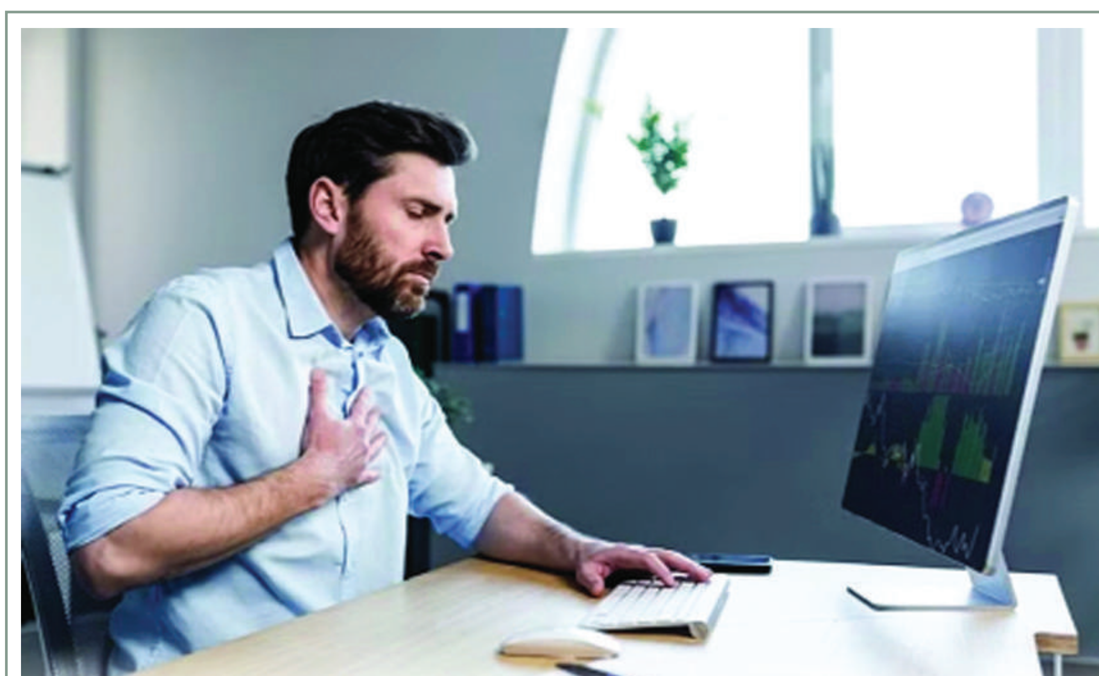

अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें

हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक उन लोगों को होती है जो सिटिंग जॉब में होते हैं।

हृदय रोग से बचाव जैसे, हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक उन लोगों को होती है जो सिटिंग जॉब में होते हैं। क्योंकि लगातार कई घंटे एक ही जगह पर बैठे रहने से दिल की सेहत पर काफी बुरा असर पड़ता है.

- आपको यह बात हैरान कर सकती है कि एक समय 55 प्लस की उम्र में होनेवाली कार्डियोवस्कुलर डिजीज आजकर 25 साल के युवाओं को भी अपनी चपेट में लेने लगी हैं। इतना ही नहीं हमारे देश में हार्ट अटैक के कुल मामलों में आधी संख्या उन लोगों की है, जिनकी उम्र 50 से कम है।
- इस आधी संख्या में भी 25 प्रतिशत लोग वो हैं जिनकी उम्र 40 साल से भी कम है। इन आंकड़ों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि दिल की बीमारियां कितनी तेजी से हमारे समाज को बीमार बना रही हैं। खासतौर पर हमारे युवाओं को।
- अपने दैनिक जीवन में कुछ चुनिंदा बातों का ध्यान रखकर कई घंटों तक एक ही स्थान पर बैठकर काम करनेवाले लोग हार्ट को हेल्दी रख सकते हैं। इसके लिए आपको जो चीजें जानने की जरूरत है, उनके बारे में यहां बताया जा रहा है.

सीट पर बैठे हुए ही करें स्ट्रेचिंग

- घंटों की सिटिंग जॉब और लॉकडाउन के कारण डेली रूटीन में फिजिकल ऐक्टिविटीज करना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में आप उन सूक्ष्म व्यायाम के बारे में अपनी जानकारी बढ़ाएं, जिन्हें आप काम के दौरान ही 2 से 3 मिनट का समय निकालकर बीच-बीच में कर सकें।
- ये सूक्ष्म व्यायाम आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन का सही स्तर बनाए रखने में सहायता करते हैं। इससे आपके हृदय की पंपिंग प्रक्रिया बाधित नहीं होती है और पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह सुचारू रूप से बना रहता है।

भोजन में जरूरी हैं कुछ बदलाव

- सीटिंग जॉब वालों को अपनी डायट में कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। जैसे, कम मसालों का सेवन करें.
- यानी आपका भोजन बहुत अधिक स्पाइसी नहीं होना चाहिए।
- भोजन में डीप फ्राइड चीजों का उपयोग कम करें इनके स्थान पर फ्रूट सलाद, सब्जियों की सलाद, ड्राई फ्रूट्स और उबली हुई सब्जियों को शामिल करें।
- डिब्बाबंद फूड और पैक्ड रेडी टु ईट फूड्स से जितना हो सके दूर रहें। क्योंकि इनमें प्रिजर्वेटिव्स की भारी मात्रा होती है, साथ ही फैट भी अधिक होता है।

पर्याप्त नींद लें

- नींद लेना हमारी आंखों की सेहत के लिए ही नहीं बल्कि हमारे ब्रेन, हार्ट और पूरे शरीर की सेहत के लिए जरूरी है। क्योंकि जब हम सो रहे होते हैं तो हमारा शरीर डैमेज हुई सेल्स की रिपेयरिंग कर रहा होता है।
- ऐसे में जो लोग 7 से 8 घंटे की पूरी नींद नहीं लेते हैं, उनके शरीर में आंतरिक कमजोरी और बीमारियां पनपने की आशंका अधिक रहती है।

खुश रहना है जरूरी

- खुश रहने के लिए जरूरी है कि आप तनाव मुक्त रहें। क्योंकि हमारे दिल और दिमाग की ज्यादातर बीमारियों की वजह तनाव होता है। जिन परिस्थितियों को आप अपने अनुसार ढाल नहीं पा रहे हैं, बेहतर होगा कि आप उनके अनुसार खुद ढल जाएं।
- शांति और खुशहाली से जीवन जीने की यह एक कुंजी है। वैसे भी बेहतर है कि हम सभी एक स्वस्थ जिंदगी जी पाएं, जो खुशियों से भरी हो। क्योंकि तनावपूर्ण जिंदगी कितनी भी लंबी क्यों ना हो बोझिल ही होती है और कोई खुशी नहीं देती।

टीम इंडिया को आगे का सत्र है बेहद व्यस्त आईपीएल के बाद इंग्लैंड से खेलेगी टीम

मुम्बई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद अब भारतीय टीम का आगे का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। कुछ दिनों के आराम के बाद टीम के अधिकतर खिलाड़ी 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल के 18 वें सत्र में खेलते दिखेंगे।वहीं इसके बाद टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसेस 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत होगी। भारतीय टीम इस बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में नहीं पहुंच पाई है इसलिए उसका लक्ष्य नये सत्र की अच्छी शुरुआत करना रहेगा। भारत 18 साल के अंतराल के बाद पटौदी ट्रॉफी जीतना भी चाहेगा क्योंकि 2021-22 में वे इसे बहुत कम अंतर से हार गए थे। यह सीरीज रेड-बॉल क्रिकेट में देश के लिए नई शुरुआत भी कर सकती

है क्योंकि 2024-25 सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इसमें एक नया कप्तान टीम की कमान संभाल सकता है। वहीं सफेद गेंद क्रिकेट में ध्यान टी20आई क्रिकेट पर रहेगा क्योंकि 2026 टी20 विश्व कप अगला आईसीसी टूर्नामेंट है। भारत का लक्ष्य इसमें अपने घरेलू मैदान पर अपने खिताब की रक्षा करना होगा। इस प्रतियोगिता की सहमेजबानी श्रीलंका भी करेगा। अगले 12 महीनों में, भारत नौ टेस्ट मैच और 12 वनडे मैच खेलेगा। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम एशिया कप और टी20 विश्व कप के मैचों के अलावा 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर 21 जून से 4 अगस्त 2025 के बीच 5 टेस्ट मैच खेलेगी। अगस्त में ही भारत को बांग्लादेश के दौरे पर 3 वनडे और इतने ही मुकाबलों की टी20 सीरीज खेलनी है। वहीं सितंबर 2025 में एशिया कप का आयोजन किया जाना है। वेस्टइंडीज की टीम 2 टेस्ट मैच खेलने अक्टूबर में भारत दौरा करेगी। इसके बाद टीम इंडिया अक्टूबर – नवंबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी. यहां 3 एकदिवसीय और 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी जबकि अंत में उसे दक्षिण अफ्रीका ओर न्यूजीलैंड से खेलना है।

स्टोक्स को सीमित ओवरों के लिए भी कप्तान बना सकता है ईसीसी

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स को एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी भी दे सकता है। चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद जोस बटलर ने इंग्लैंड की टीम की सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। ऐसे में अब बोर्ड नए विकल्पों पर विचार कर रहा है। वहीं ब्रेंडन मैकुलम टीम के कोच बने रहेंगे। मैकुलम टेस्ट के साथ ही सीमित ओवरों प्रारुप में भी कोच हैं और स्टोक्स से उनका अच्छा समन्वय है। ऐसे में माना जा रहा है कि ये जोड़ी इंग्लैंड क्रिकेट को आगे ले जाने का प्रयास करेगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की के अनुसार, स्टोक्स ने संकेत दिया है कि वह इंग्लैंड की सीमित ओवरों के प्रारुप की भी कप्तानी संभाल सकते हैं। ईसीबी के अधिकारी ने हालांकि कहा कि इस

बारे में कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया जाना चाहिए। पिछले 11 में से 10 मैच हारने के बाद बटलर को कप्तानी छोड़नी पड़ी। ऐसे में माना जा रहा था कि यदि अगली पीढ़ी को कमान मिलती है तो हैरी ब्रूक टीम के उपकप्तान होने के कारण सबसे बड़े दावेदार रहेंगे। रॉब की अभी सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। स्टोक्स ने जो रूट से टेस्ट टीम की कमान संभालने के बाद से ही एक अच्छे कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया है पर बढ़ती उम्र और खराब फिटनेस उनका कमजोर पक्ष है। अभी भी वह हैमस्ट्रिंग समस्या से परेशान हैं। कुछ ही समय पहले घुटने की बड़ी सर्जरी भी उनको करानी पड़ी थी। स्टोक्स को लेकर रॉब की ने कहा है कि ये मूर्खतापूर्ण बात होगी अगर हम टेस्ट कप्तान पर विचार नहीं करते। वहीं जब स्टोक्स को लेकर पूछा गया कि इस प्रस्ताव पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी, तो इस रॉब की ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने उनसे इस बारे में बात नहीं की है।

150 वीं सालगिरह पर होगा एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर आज से ठीक दो साल बाद 11 मार्च 2027 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में एक महामुकाबला होगा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें इस अवसर पर 11 से 15 मार्च 2027 तक एमसीजी में दिन-रात का एक टेस्ट मैच गुलाबी गेंद से खेलेंगी। सीए ने कहा है कि यह ऐतिहासिक मैच एमसीजी में दोनों टीमों के बीच होने वाला पहला दिन-रात का टेस्ट मैच होगा। इस ऐतिहासिक स्टेडियम में ही साल 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच खेला गया था। इन दोनों टीमों के बीच 1977 में शताब्दी टेस्ट मैच भी एमसीजी पर ही हुआ था। तब ऑस्ट्रेलिया ने इन दोनों मैच में 45 रन से जीत हासिल की थी। सीए के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, ''एमसीजी में टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक बड़े मैच का आयोजन किया जाएगा। इसका आयोजन क्रात्रिम रोशनी में होगा जो खेल की समृद्ध विरासत और

टेस्ट क्रिकेट के आधुनिक विकास दोनों का जश्न मनाने का एक शानदार तरीका होगा।'' उन्होंने आगे कहा, ''इससे अधिक से अधिक दर्शकों की उपस्थिति तय करने में भी मदद मिलेगी साथ ही इस मैच का आनंद लेना भी एक अच्छा अनुभव होगा।'' ऑस्ट्रेलियाई टीम नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली 2025-26 एशेज सीरीज की मेजबानी करेगी। इसी सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच दिन-रात का टेस्ट होगा, जो टेस्ट क्रिकेट की 150वीं सालगिरह पर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक 13 दिन-रात के टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से 12 मैचों में उसने जीत हासिल की थी। इनमें से आठ मैचों का आयोजन एडिलेड में किया गया था।

ऋषभ की बहन की शादी में पहुंचे धोनी, रैना सहित कई क्रिकेटर

मसूरी। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन साक्षी पंत की शादी में यहां पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई क्रिकेट खिलाड़ी पहुंचे। इस दौरान धोनी और सुरेश रैना ने जमकर डांस किया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। ऋषभ की बहन की पिछले साल सगाई हुई थी। ऋषभ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और वह सोमवार को ही भारत पहुंचे थे। इसके बाद वह परिवार के सदस्यों के साथ शादी समारोह में शामिल हुए। वहीं धोनी भी ऋषभ को काफी पसंद करते हैं। इसी कारण वह अपनी पत्नी के साथ मंगलवार को ही देहरादून पहुंचे थे। धोनी इससे पहले जनवरी 2024 में लंदन में हुए सगाई समारोह में भी शामिल हुए थे। इसके अलावा भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और बल्लेबाजी सुपरस्टार विराट कोहली के भी शादी समारोह में शामिल होने की संभावना है। ऋषभ

की बहन साक्षी की शादी कारोबारी अंकित चौधरी से हो रही है। शादी समारोह में देहरादून जाने से पहले धोनी ने चेन्नई में सीएसके कैंप में हिस्सा लिया और आईपीएल 2025 के लिए अपनी तैयारियां शुरू कीं। वहीं ऋषभ आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्हें जनवरी में लखनऊ स्थित फ्रेंचाइजी का नया कप्तान बनाया गया था।

कॉरपोरेट वर्ल्ड

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं, एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। आर्थिक मंदी की आशंका के कारण अमेरिकी बाजार में लगातार दूसरे दिन घबराहट का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.76 प्रतिशत टूट कर 5,572.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,436.10 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,513.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार भी पिछली सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। एफटीएसई इंडेक्स 104.23 अंक यानी 1.23 प्रतिशत फिसल कर 8,495.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने

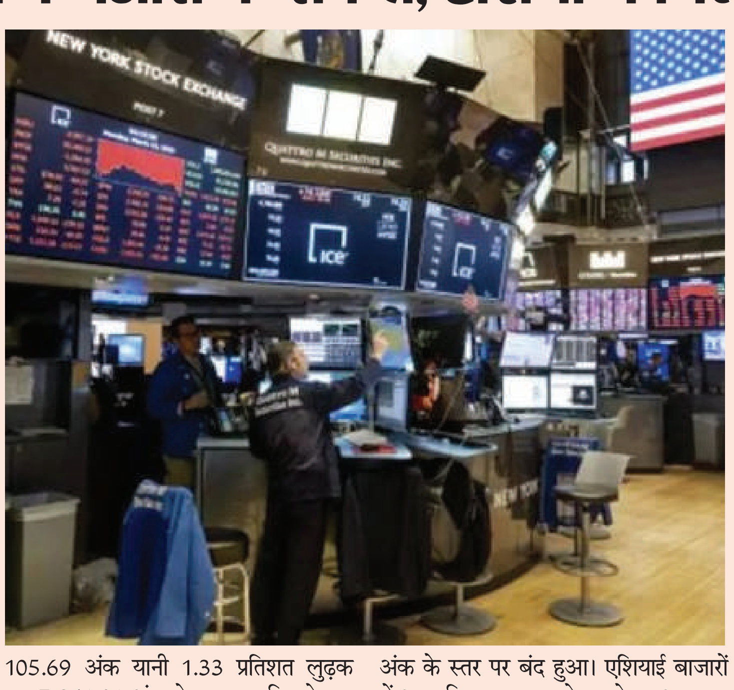

105.69 अंक यानी 1.33 प्रतिशत लुढ़क कर 7,941.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 292.18 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,328.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,832.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.04 प्रतिशत उछल कर 6,614.14 के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.37 प्रतिशत उछल कर 2,572.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 281.71 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,352.80 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,483 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 158.59 अंक यानी 0.67 प्रतिशत फिसल कर 23,623.55 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। सेट कंपोजिट इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.55 प्रतिशत टूट कर 1,169.26 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,375.17 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 36,777.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कुछ ही दिन शेष जल्द से जल्द निपटा लें टैक्स दायित्वों से जुड़े काम

नई दिल्ली। मार्च 2025 का महीना टैक्सपेयर्स के लिए बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है, क्योंकि महीने के अंत के साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 भी समाप्त होगा। इसके बाद टैक्सपेयर्स को अपने सभी टैक्स दायित्वों को समय पर पूरा करना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी तरह की पेनल्टी या कानूनी झंझट से बच सके। समय पर टैक्स फाइलिंग न करने पर ब्याज, लेट फीस और अन्य दंड का सामना करना पड़ सकता है। 15 मार्च तक एडवांस टैक्स की चौथी और आखिरी किस्त जमा करनी होगी। जो लोग प्रेजम्पटिव टैक्सेशन स्कीम के तहत आते हैं, उन्हें इसी तारीख तक पूरा टैक्स भरना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, सरकारी कार्यालयों को बिना चालान के कटे गए टीडीएस/टीसीएस की रिपोर्टिंग भी इसी दिन तक करनी होगी। 17 मार्च तक सेक्शन 194-IA, 194-IB और 194S के तहत काटे गए टीडीएस का सर्टिफिकेट जारी करना जरूरी होगा, जिससे करदाताओं को अपने भुगतान का पूरा रिकॉर्ड मिल सके। 30 मार्च तक फरवरी महीने के लिए चालान-कम-स्टेटमेंट की रिपोर्टिंग करनी होगी। 31 मार्च 2025 की तारीख टैक्सपेयर्स के लिए सबसे अहम है, क्योंकि इस दिन तक कई महत्वपूर्ण फॉर्म और दस्तावेज जमा करना होगा। मल्टीनेशनल

कंपनियों को वित्तीय साल 2023-24 के लिए देशों से जुड़ी रिपोर्ट (फॉर्म 3सीईएडी) फाइल करनी होगी, ताकि उनकी अंतरराष्ट्रीय टैक्स रिपोर्टिंग नियमों के अनुरूप हो। विदेशी आय पर टैक्स क्रेडिट का दावा करने वालों को फॉर्म 67 भरना जरूरी होगा। इसके अलावा, जिन टैक्सपेयर्स ने वित्तीय ईयर 2022-23 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल नहीं किया था, वे 31 मार्च तक अपडेटेड आरटीआर दाखिल कर सकते हैं। सरकार द्वारा समय-समय पर टैक्स अनुपालन को लेकर कड़े नियम बनाए जाते हैं, ताकि टैक्स चोरी पर रोक लगाई जा सके और पारदर्शी कर प्रणाली लागू की जा सके।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.28 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, बीपीसीएल, कोटक महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयर 4.53 प्रतिशत से लेकर 1.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजी, टीसीएस और डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज के शेयर 3.56 प्रतिशत से लेकर 1.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते नजर आ रहे

थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,427 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,149 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,278 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 17 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 168.49 अंक की तेजी के साथ 74,270.81 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवाकर लाल निशान में गिर गया। हालांकि, खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे। इसके बावजूद बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 208.23 अंक की गिरावट के साथ 73,894.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 38.45 अंक उछल कर 22,536.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण यह सूचकांक भी थोड़ी ही देर में गिर कर लाल निशान में पहुंच गया। पहले 15 मिनट के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में मामूली सुधार भी हुआ। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही बिकवालों ने दोबारा दबाव बना दिया, जिससे इस सूचकांक की कमजोरी और बढ़ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 73.65 अंक टूट कर 22,424.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 12.85 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,102.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी का भाव भी टूटा

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को गिरावट का रुख बना हुआ है। सोना आज 320 रुपये से लेकर 350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी भी आज 1 हजार रुपये किलोग्राम तक कमजोर हुई है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,480 रुपये से लेकर 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,190 रुपये से लेकर 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी आज 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत

80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

संक्षिप्त समाचार

35 लाख के कफ सिरप के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

पटना। मध्य निषेध विभाग की टीम ने पटना में कार्रवाई करते हुए 35 लाख रुपए का प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया है। टीम ने राम कृष्ण नगर और अगम कुआं थाना क्षेत्र से मंगलवार की रात यह कार्रवाई की है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। विभाग के निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह छापेमारी की गई। टीम को जानकारी मिली थी कि नंदलाल छपरा और बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी में प्रतिबंधित कफ सिरप का भंडारण किया जा रहा है। आरोपियों की साजिश होली के मौके पर इसे विभिन्न जगहों पर सप्लाई करने की थी। पकड़े गए आरोपियों में विकास कुमार और सुभाष कुमार पटना के पत्थर की मस्जिद के रहने वाले हैं। तीसरा आरोपी अभिषेक कुमार मुजफ्फरपुर का निवासी है। टीम ने इनके पास से कुल 21,330 बोतलें बरामद कीं। इससे एक दिन पहले सोमवार को भी विभाग ने पटना के अगम कुआं थाना क्षेत्र से 26 लाख रुपए के प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किए थे। विभाग के अनुसार बिहार में शराबबंदी के बाद युवा वर्ग में इस तरह के कफ सिरप का सेवन बढ़ा है।

पटना से जमशेदपुर के बीच लग्जरी बस का शुभारंभ, यात्रियों को मिलेगी प्रीमियम सुविधाएं

पटना। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (BSPTCL) ने पटना से जमशेदपुर (टाटा) के बीच वॉल्वो बस सेवा शुरू कर दी है। इसका शुभारंभ मंगलवार को बिहार सरकार की परिवहन मंत्री शीला कुमारी ने किया। परिवहन मंत्री ने बताया कि यह वॉल्वो बस सेवा यात्रियों को आरामदायक, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। अब पटना से जमशेदपुर (टाटा) तक का सफर वाया हजारीबाग-रांची अधिक सुविधाजनक और आरामदायक होगा। पूरी बस में 42 आरामदायक स्लीपर सीटों की व्यवस्था की गई है। बसों में आधुनिक एयर कंडीशनिंग सिस्टम लगाया गया है। वहीं, लंबी दूरी की यात्रा के लिए यात्रियों को तकिए और कंबल दिए जाएंगे। यात्रियों की सहायता के लिए बस में दो प्रशिक्षित केबिन क्रू मौजूद रहेंगे। प्रत्येक यात्री के लिए व्यक्तिगत टीवी स्क्रीन और हेडफोन की सुविधा होगी। यात्रियों को इंटरनेट सुविधा भी मिलेगी। हर सीट के पास मोबाइल चार्जिंग पोर्ट उपलब्ध रहेगा। यात्रियों को ट्रैक करने के लिए बसों में GPS ट्रैकिंग सिस्टम लगाया गया है। इसके अलावा यात्रियों को सफर के दौरान निःशुल्क स्नैक्स और पानी की बोतल दी जाएगी। बसें रोज चलेंगी जिसका किराया 1200 रुपए प्रति व्यक्ति होगा। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के प्रशासक अतुल कुमार वर्मा ने बताया कि यह वॉल्वो बस सेवा हर रोज पटना और जमशेदपुर के बीच चलेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट बुकिंग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से की जाएगी। यात्रा का किराया 1200 रुपए प्रति व्यक्ति तय किया गया है। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार लगातार यात्रियों को बेहतरीन परिवहन सेवा देने के लिए प्रयासरत है। यह बस सेवा बिहार और झारखंड के बीच यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाएगी।

हाजीपुर में दो किशोरों की डूबने से मौत, पोखर में नहाने के दौरान हादसा, पशुओं के लिए चारा लेने गए थे

हाजीपुर। वैशाली में दो किशोर की मौत हुई है। सहदेई थाना क्षेत्र के बाजीतपुर चकस्तूरी में एक पोखर में नहाते समय दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान शिवम कुमार (13) और आदित्य कुमार (17) के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब चार दोस्त पशुओं के लिए चारा लेने गए थे। इसके बाद वे पोखर में नहाने चले गए। नहाते समय चारों दोस्त डूबने लगे। स्थानीय लोगों की मदद से दो युवकों - शिवा कुमार और संजीव कुमार को बचा लिया गया। लेकिन शिवम और आदित्य गहरे पानी में चले गए और डूब गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत खोजबीन शुरू की, लेकिन दोनों के शव नहीं मिले। अगले दिन SDRF की टीम ने शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। शिवम कुमार देसरी स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ता था और दो भाइयों में सबसे छोटा था। आदित्य कुमार ने इसी साल मैट्रिक की परीक्षा दी थी और चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। घटना के बाद दोनों के परिवारों में कोहराम मच गया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। जिला पार्षद उपेंद्र कुमार राय, मदन राय, विजय राय समेत कई प्रतिनिधि इस मांग से जुड़े हैं।

वैशाली में अज्ञात वाहन ने वृद्ध को कुचला, 90 साल के मजीद की इलाज के दौरान मौत, परिवार में 7 बच्चे

हाजीपुर। वैशाली के तिसीऔता थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसा हुआ। महुआ ताजपुर मार्ग पर डभैच्छ चौक के पास एक अज्ञात वाहन ने 90 साल के वृद्ध को टक्कर मार दी। घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान डभैच्छ गांव निवासी मजीद उर्फ इस्राइल मिया के रूप में हुई है। मंगलवार की देर रात वह अपने घर से पैदल डभैच्छ चौक जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल वृद्ध को महुआ के एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके चार बेटे और तीन बेटियां हैं। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सत्येंद्र सत्यार्थी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी तक परिजनों की तरफ से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग लड़की के साथ टीचर फरार, पिता अरेस्ट, युवक के घर समेत 4 घर जले

हाजीपुर। वैशाली के गोरौल थाना क्षेत्र के चकव्यास गांव में एक नाबालिग स्टूडेंट अपने कोचिंग टीचर के साथ भाग गई। आरोपी युवक और उसके रिश्तेदारों के चार घर जलकर राख हो गए है। 5 मार्च को मोहम्मद साबिर नाम का कोचिंग टीचर अपनी स्टूडेंट के साथ फरार हो गया। साबिर गांव में बच्चों को कोचिंग पढ़ाता था। लड़की के परिजनों ने 6 मार्च को साबिर और उसके परिवार के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने साबिर के पिता रहमत को गिरफ्तार कर लिया। साबिर के परिवार ने 7 मार्च को अपनी सुरक्षा को लेकर गोरौल थाने में लड़की के परिजनों के खिलाफ आवेदन दिया था। लेकिन, देर रात अचानक साबिर और उसके पट्टीदारों के चार घरों में आग लग गई। साबिर के परिवार ने लड़की के घरवालों पर आग लगाने का आरोप लगाया है। हालांकि, आग कैसे लगी, यह किसी ने नहीं देखा। महुआ एसडीपीओ दुर्गा शक्ति के अनुसार, आग लगने की घटना की जांच की जा रही है। गांव में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फिलहाल स्थिति सामान्य है। साबिर और नाबालिग लड़की अभी भी फरार हैं। इस मामले में पड़ोसी सितारा खातून ने कहा कि रात में उठे तो देखा कि घर में आग लगा है। चिल्लाने पर गांव के लोग आए। फोन करने पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। मैं घर से सिलेंडर और जेवर को लेकर निकली। घर के बाहर मैं गिर गई। इस कारण मुझे पैर में चोट लगी है। हाथ से पैसे और जेवर गिर गए, जो नहीं मिले। मुझे खुद नहीं पता है कि आग कैसे लगी है। पहले से लड़का-लड़की का मामला है। वो लोग भागा है। आरोपी शिक्षक की बहन गजाला खातून ने कहा कि रात को 4 लड़का आया और उन्होंने कहा कि तुम्हें मालूम है कि वो भाग कर कहां गया है। हमने कहा कि हमें कुछ भी मालूम नहीं है। मां गुजरात गई है। घर में आग लग गई है। इससे पहले सब मुझसे कहते थे कि इसे मालूम है कि लड़का भाग कर कहां गया है। मुझे टॉर्चर किया जा रहा था। कुछ बदमाश कहते थे कि इसे घर से खींच कर बाहर निकालो।

होली-जुमे पर पुलिस प्रशासन अलर्ट, पटना में संदिग्ध जगहों पर गश्त करेगी पुलिस

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

एजेंसी, पटना

पटना में पुलिस ने होली के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तैयारी कर ली है। एसएसपी अवकाश कुमार ने बुधवार को बताया कि सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी जा रही है। ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या भड़काऊ सामग्री फैलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। कई बार इसके गलत इस्तेमाल से हालात तनावपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी दें। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। आगे SSP बोले कि होली को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में मनाने के लिए तैयारियां की गई हैं। शांति समिति की बैठकें पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को शामिल किया गया और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की गई है।

लाउडस्पीकर और अश्लील गानों पर रोकः होली के दौरान अश्लील गाने बजाने को लेकर भी पुलिस सतर्क है। सभी को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि लाउडस्पीकर पर अश्लील और भड़काऊ गाने न बजाएं। अगर किसी ने इस आदेश का उल्लंघन किया, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जुमे की नमाज और होली के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्थाः इस बार शुक्रवार को जुमे की नमाज और होली का समय एक साथ पड़ रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने विशेष सतर्कता बरती है। सभी संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को रोका जा सके।

संवेदनशील इलाकों में पुलिस तैनातः एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि शहर के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात किया गया है। पेट्रोलिंग तेज कर दी गई है। गश्त बढ़ा दी गई है। ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी की मदद से निगरानी रखी जा रही है।

'असली होली नवंबर में होगी, जब फिर NDA सरकार आएगी'

एजेंसी, पटना

♦ पटना में चिराग का होली मिलन समारोह, जमकर उड़ाए रंग-गुलाल

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पार्टी कार्यालय में बुधवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस बार होली के रंग बिहार में नया इतिहास लिखने जा रहे हैं। यह तो खुशियों के रंगों की बस शुरुआत भर है, असली होली तो नवंबर के महीने में होगी, जब बिहार में एक बार फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनेगी। इस मौके पर पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और समर्थक भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक अंदाज में रंग-गुलाल उड़ाए गए और एक-दूसरे को होली की बधाइयां दी गईं। पूरे माहौल में उत्साह और उल्लास देखने को मिला।

कार्यक्रम में उमड़ी लोगों की भीड़ः होली मिलन समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का भारी उत्साह देखने को मिला। हर कोई एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दे रहा था। मंच पर चिराग पासवान के आते ही कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की और पूरे माहौल को जोशीला बना दिया। चिराग पासवान ने सभी बिहारवासियों को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार आपसी भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि वे मिल-जुलकर इस पर्व को मनाएं और प्रदेश की तरक्की के लिए एकजुट रहें।

पटना में वाहन ने 2 दर्जन भेड़ों को रौंदा, 2 घंटे रहा सड़क जाम

एजेंसी, पटना

पटना के पुनपुन डूंमरी पुल के पास बुधवार की सुबह वाहन ने भेड़ों के झुंड को कुचल दिया। हादसे में भेड़ों के मालिक मिथिलेश भगत (45) की मौत हो गई। वे पटना के भगवानगंज के रहने वाले थे। मसौढ़ी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कन्हैया सिंह के अनुसार, हादसे में 17 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई। 10 भेड़ें गंभीर रूप से घायल हुईं। घायल भेड़ों का मौके पर ही इलाज किया गया। पुलिस ने मिथिलेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है।

घटना के बाद 2 घंटे सड़क जाम रहाः पुनपुन के पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि मृत भेड़ों का मौके पर ही पोस्टमार्टम कर दिया गया। मृत भेड़ों में कितने बच्चे और कितने बड़े थे, इसकी गिनती की जा रही है। घटना के बाद करीब 2 घंटे तक आवाजाही बाधित रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

♦ मालिक समेत 17 भेड़ों की मौके पर मौत

जमीन के लिए दामाद ने ससुराल में चलाई गोली, गिरफ्तार, पत्नी बोली- मुझे और मां को धमकाने के लिए की फायरिंग

एजेंसी, पटना

पटना में एक दामाद ने अपनी ससुराल में जमीन हथियाने के लिए फायरिंग कर दी। घटना मंगलवार देर रात ही है। इसका सीसीटीवी बुधवार को सामने आया है। फुटेज में आरोपी को कमर से पिस्टल निकालकर फायरिंग करते हुए दिख रहा है। वहीं, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। सास शकुंतला देवी ने बताया कि आरोपी दामाद रात में घर आया और दरवाजा खटखटाने लगा। जब दरवाजा नहीं खोला गया तो उसने फायरिंग कर दी। उन्होंने कहा कि आरोपी अकबरपुर नया टोला स्थित उनके घर को अपने नाम करवाने का दबाव बनाता है। वह पहले भी कई बार मारपीट कर चुका है।

पति जान से मारने की देता है धमकीः आरोपी की पत्नी प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका है। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनकी मां को जान से मारने की नीयत से गोली चलाई गई। उन्होंने कहा कि पति अक्सर जान से मारने की धमकी देता है। इस घटना के बाद पूरा परिवार दहशत में है। पहले भी आरोपी ने सास का गला दबाने का प्रयास किया था। पड़ोसी सौरव कुमार ने बताया कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी आरोपी ईंट-पत्थर से घर पर हमला कर चुका है। बाढ़ थाना अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

CCTV आया सामने

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तारः एएसपी राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसके बाद आरोपी की पहचान कर छापेमारी की गई।

फायरिंग करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। जांच में पता चला कि दोनों साढ़ू हैं। आपस में इनका पारिवारिक विवाद चल रहा है, जिसके कारण इस घटना को अंजाम दिया गया है।

'थानेदार जबरदस्ती घर में घुसकर करते हैं दुर्व्यवहार'

डीजीपी के पास शिकायत लेकर पहुंची महिला, कहा- केस में फंसाने की दे रहे धमकी

एजेंसी, पटना

पटना में पुलिस मुख्यालय भवन में बिहार डीजीपी विनय कुमार के कार्यालय में दलित महिला अपने पूरे परिवार के साथ गुहार लगाने पहुंची। महिला सराय वैशाली की रहने वाली है। बुधवार को महिला ने थानाध्यक्ष पर जबरन घर में घुसने, बदसलूकी करने, झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। डीजीपी की तरफ से मामले की जांच कराने की बात कही गई है।महिला ने डीजीपी से सराय के थानाध्यक्ष की शिकायत की है। पीड़ित महिला कुंजन कुमारी पति संजय पासवान पता भोज पट्टी थाना सराय ने बिहार के डीजीपी से गुहार लगाते हुए बताया कि मुझे और मेरे परिवार को सराय थानाध्यक्ष से जान का खतरा है।

3 मार्च को पुलिस के जबरन घर में घुसने का आरोपः थानाध्यक्ष मणि भूषण सिंह 3 मार्च 2025 को आधी रात में पुलिस के पूरे लाव लश्कर के साथ घर का दरवाजा जबरदस्ती खुलवा कर घर में घुस गए। कमरे में एक साथ कई पुलिस वाले घुस गए। मेरे साथ बदसुलूकी करते हुए मारपीट कर केस में फंसाने की धमकी देने लगे। पीड़ित महिला कुंजन कुमारी ने बताया कि थानाध्यक्ष से बिना महिला पुलिस बल के घर में घुसने का कारण पूछने पर भद्दी भद्दी गालियां देते हुए हमारे साथ दुर्व्यवहार करने लगे। मेरे ससुर पंचायत में वार्ड का चुनाव लड़ते हैं। इस बार वो हार गए। चुनाव के दौरान भी कुछ लोग परेशान किए थे। सराय का थानाध्यक्ष जीतने वाले कुछ लोगों का रिश्तेदार है। चुनाव के कारण ही झूठा केस में फंसाने का धमकी देते थे लोग। इसके बाद थानाध्यक्ष मणि भूषण सिंह सराय थाना में पदस्थापित दारोगा आदर्श कुमार के साथ मिल कर लगातार इस तरह का हरकत की जाती है। हम लोगों को डराया जाता है।

पुलिस बोली- हमपर गलत आरोप लगा रहेः सराय थाना के दारोगा मणि भूषण सिंह ने बताया कि पुलिस एक मामले की जांच करने गई थी। पुलिस किसी के घर में नहीं घुसी थी। पुलिस अपना काम कर रही है। गलत आरोप लगाया जा रहा है।

एक्स आर्मी मैन से लूट मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार, 70 हजार नकद बरामद

एजेंसी, पटना

पटना में एक पूर्व सैनिक से हुई लूट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मनेर थाना क्षेत्र के लोदीपुर बाजार के पास हुई इस घटना में पुलिस ने लूटे गए 2 लाख में से 70 हजार बरामद किए हैं। पटना पश्चिम के सिटी एसपी सरथ आरएस ने बताया कि 6 मार्च को एक्स आर्मी मैन राजेंद्र प्रसाद सिंह दानापुर स्थित एसबीआई बैंक से 2 लाख रुपए निकालकर ऑटो से घर जा रहे थे। लोदीपुर बाजार के पास पांच बाइक सवार बदमाशों ने उनसे रुपयों से भरा झोला छीन लिया।

दो की हुई गिरफ्तारीः दानापुर डीएसपी टू पंकज मिश्रा के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी सहायता से जांच शुरू की। पुलिस ने भोजपुर जिले से गुड्डू तिवारी और राजू तिवारी को गिरफ्तार किया। तीसरे आरोपी रॉकी पांडे को वैशाली जिले से पकड़ा गया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई अपाचे बाइक और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। साथ ही आगे सिटी एसपी ने कहा किफिलहाल गिरफ्तार तीनों अपराधियों का आपराधिक इतिहास है।

बैंक से घर लौटने के दौरान बैग लेकर भाग गए थे अपराधी

2 अन्य आरोपी फरारः बिहार के अलग-अलग जिलों से भी सामने आई है, जहां भोजपुर, पटना और अरवल जिला में। लूट और अन्य कई आपराधिक घटनाएं दर्ज हैं। गैंग का भी पुलिस पता लगाने में जुटी हुई है। इस घटना में दो अन्य आरोपी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी में पुलिस की टीम लगी हुई है।

ऑनलाइन सेंटर संचालक हत्या केस में FIR, पत्नी के आवेदन पर मामला दर्ज

एजेंसी, पटना

पटना में सोमवार की देर रात बाइक सवार अपराधियों ने ऑनलाइन सेंटर संचालक सुदीश कुमार उर्फ चुन्नू की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसे 4 गोली मारी गई थी। इस मामले में मृतक की पत्नी के आवेदन पर राजीव नगर थाना में अज्ञात हमलावर पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को इस हत्या में परीक्षा माफिया के हाथ होने का शक है। इस एंगल से भी जांच की जा रही है। पुलिस घटना के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। बताया गया कि सुदीश कुमार अपनी पत्नी के साथ सोमवार की शाम बाहर खाना खाने गए थे। रात को 10 बजे वो वापस अपने राजीव नगर स्थित मकान पर आए, पत्नी को उतारा और और किसी से मिलने को बोल कर बोरिंग रोड आ गए। उसके बाद घर वापस आने लगे। वहां से दो अपराधी इसका पीछा करने लगे।

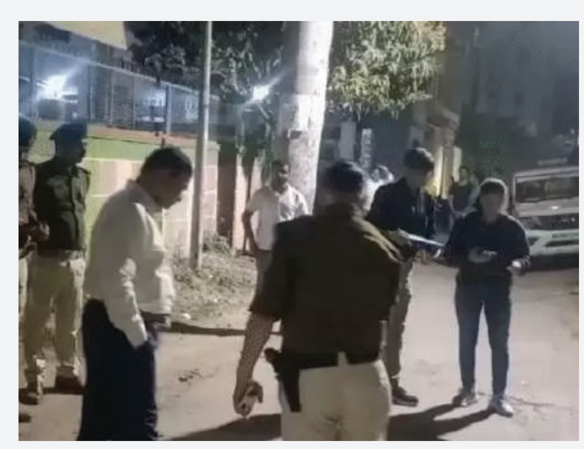

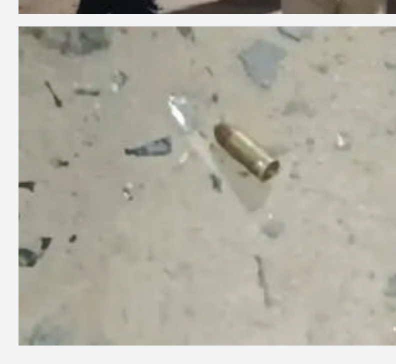

परीक्षा माफिया से विवाद में हत्या होने की आशंका

सुदीश को मारी थी 5 गोलीः सुदीश अपने अपार्टमेंट की गेट पर आए। तभी बाइक सवार दो अपराधी भी वहां पहुंच गए। दोनों ने गोलियां चलाना शुरू किया। सुदीश को पांच गोली लगी। अपराधी मरा हुआ समझ कर वहां से बाइक से फरार हो गए। आनन फानन में सुदीश को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। मंगलवार को उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने डेड बॉडी को परिजनों को सौंप दिया। परिजन डेड बॉडी गोपालगंज ले कर चले गए।

ऑनलाइन एग्जामिनेशन सेंटर का था धंधाः फुफेरा भाई विनीत ने बताया कि सुदीश पटना, रांची और समस्तीपुर में ऑनलाइन एग्जामिनेशन सेंटर चलाते थे। पटना में पहले दो ऑनलाइन सेंटर था, लेकिन पटना के दीघा स्थित सेंटर में पार्टनर से विवाद के बाद से इससे सुदीश अलग हो गया था। वह गोपालगंज के कुचायकोट थाना इलाके के रहने वाले थे। पटना पुलिस गोपालगंज पुलिस के भी संपर्क की है। सुदीश कई जगहों पर पार्टनरशिप में भी ऑनलाइन सेंटर चलाता था। अब तक की जांच के अनुसार के हत्या के पीछे ऑनलाइन सेंटर का विवाद लग रहा है। सुदीश का रांची और पटना के कुछ लोगों से विवाद भी चल रहा था।

परीक्षा माफियाओं पर भी हत्या का शकः पटना के दीघा क्षेत्र में सुदीश ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर पार्टनरशिप में ऑनलाइन एग्जामिनेशन सेंटर खोला था। इसी सेंटर पर 2021 में किसी प्रतियोगिता परीक्षा का सेंटर लिया गया था। एक पुराने परीक्षा माफिया के गैंग के कुछ सदस्यों ने इस परीक्षा को मैनेज किया था। उसी समय उनसे और बाद अपने पार्टनरों से पैसों का विवाद शुरू हो गया। पुलिस इसको इस एंगल पर जांच रही है। सुदीश को माफियाओं के बारे में जानकारी थी। पैसे के विवाद में माफियाओं को डर था कि कहीं सुदीश परीक्षा लीक की बात ना कहीं कह दे। पुलिस इस एंगल पर भी इसकी जांच कर रही है।

अगले महीने थी पहली सालगिरहः गोपालगंज के रहने वाले सुदीश कुमार पिछले 11 महीने से पटना के राजीव नगर में किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रह रहे थे। वे पटना बाईपास इलाके में ऑनलाइन एग्जाम सेंटर चलाते थे। सुदीश के पिता की मृत्यु बचपन में ही हो गई थी। सुदीश तीन बहनों में इकलौता भाई था। दो बहनों की शादी हो चुकी है और एक बहन नौकरी करती है। पिछले साल अप्रैल महीने में उसकी शादी हुई थी। अगले अप्रैल में शादी की सालगिरह को लेकर वह बहुत उत्सुक था।

रांची और समस्तीपुर जाकर भी जांच कर सकती पुलिसः एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत इसकी जांच के लिए स्पेशल टीम गठित कर की गई है। पुलिस को इसमें ऑनलाइन सेंटर विवाद, पैसों के लेन देन के विवाद की कुछ जानकारी मिली है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। पुलिस मोबाइल का सीडीआर खंगाल रही है। घटना के समय जिससे मृतक सुदीश मिलने गए थे। उनकी भी जानकारी जुटा रही है। गोपालगंज की पुलिस के संपर्क में है। जरूरत पड़ने पर पुलिस टीम को रांची और समस्तीपुर भी भेजा जाएगा। पुलिस शूटरों की पहचान में जुटी हुई है।

वर्ल्ड वाइज न्यूज

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर में नवयुवक से अप्राकृतिक दुष्कर्म करने वाले भारतवंशी को साढ़े 10 साल की कैद

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 2007 में 16 वर्षीय लड़के का यौन उत्पीड़न करने के मामले में साढ़े 10 साल से ज्यादा कारावास की सजा सुनाई गई है। अभियोजन ने बताया कि रंजीत प्रसाद को अदालत ने अप्राकृतिक यौनाचार का दोषी पाया है। 'स्ट्रेट्स टाइम्स की सोमवार की खबर के मुताबिक, अदालत ने तीन मार्च को अपना फैसला सुनाया और अपराधी को 10 साल छह महीने की सजा सुनाई। व्यक्ति ने 2007 में लड़के के साथ दुष्कर्म किया था। प्रसाद ने मामले में अपनी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने का फैसला किया है। जिला न्यायाधीश जॉन नग ने प्रसाद को सजा सुनाते समय इस बात को ध्यान में रखा कि दोषी ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, जो पहले 'पीपुल्स एसोसिएशन (पीए) में युवाओं के साथ काम करता था। पीए यहां सामाजिक सेवाएं संचालित करने वाली एक सरकारी संस्था है। न्यायाधीश ने कहा कि इन घटनाओं से पीड़ित के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। प्रसाद की इस लड़के से पहली मुलाकात 2007 में पाया लेबर स्थित एक कार्यालय में हुई थी। दोषी उस समय दक्षिण पूर्व और उत्तर पश्चिम सामुदायिक विकास परिषदों (सी.डी.सी.) में पी.ए. की सामुदायिक परियोजनाओं का प्रबंधन कर रहा था और दक्षिण पूर्व सी.डी.सी. के युवा नेटवर्क कार्यक्रम की देखरेख कर रहा था। अपनी गवाही में पीड़ित ने कहा कि वह युवा नेटवर्क में शामिल होने को लेकर उत्साहित था और वह मॉडलिंग भी करता था। इसके बाद, प्रसाद ने लड़के साथ अपने कार्यालय के शौचालय में और फिर बाद में एक होटल में दुष्कर्म किया। पीड़ित ने 24 अगस्त 2020 को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

डोनाल्ड ट्रंप ने खरीदी टेस्ला कार एलन मस्क की जमकर की तारीफ; बोले- फुल सपोर्ट दूंगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कंपनी के एलन मस्क के साथ मिलकर एक चमकदार लाल टेस्ला कार खरीदी। एलन मस्क ने खुद व्हाइट हाउस ड्राइवे पर रिपब्लिकन नेता को कार चुनने में मदद की।टेस्ला की 5 कारें लेकर व्हाइट हाउस पहुंचे थे एलन मस्क। यह कार मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के समर्थन में खरीदी गई थी। राष्ट्रपति के राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए टेस्ला के सीईओ को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। मॉडल एक्स की ड्राइवर सीट पर बैठते हुए ट्रंप ने कहा, वाह, यह खूबसूरत है। मस्क, जो यात्री सीट पर बैठे थे ने मजाक में कहा कि सीक्रेट सर्विस को दिल का दौरा पड़ सकता है, वे इस बारे में बात कर रहे थे कि कैसे एक गाड़ी को कुछ सेकंड में 95 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया जा सकता है। हालांकि, ट्रंप ने कार का टेस्ट नहीं किया क्योंकि उन्हें इसे चलाने की अनुमति नहीं है, लेकिन उन्होंने कहा कि वे इसे व्हाइट हाउस में छोड़ देंगे ताकि उनके कर्मचारी इसे चला सकें।

अमेरिका में भारतीयों के साथ हो रहा खेल, फर्जी कॉल से की जा रही ठगी

न्यूयार्क एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय दूतावास ने वहां रहने वाले भारतीयों के लिए एक परामर्श जारी कर फर्जी कॉल्स से सावधान रहने की अपील की है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों और वीजा आवेदकों के लिए चेतावनी जारी की है कि ठग फर्जी कॉल करके उनको ठगने की कोशिश में लगे हुए हैं। भारतीय दूतावास ने कहा है कि कुछ जालसाज दूतावास की टेलीफोन लाइनों रो स्पूफिंग कर लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं। धोखेबाज फर्जी कॉल करके लोगों को पहले डराने का प्रयास करते हैं और फिर ठगी की वारदात को अंजाम देते हैं। ठग ये दावा करते हैं कि उनके पासपोर्ट, वीजा फॉर्म या अन्य दस्तावेजों में गलतियां मिली है और इन गलतियों को सुधारने के लिए उन्हें पैसे देने होंगे। धमकी भी देते हैं कि गलती सुधारने में असफल रहने पर उन्हें वापस भारत भेज दिया जाएगा या जेल की सजा हो सकती है। भारतीय दूतावास ने लोगों के लिए परामर्श जारी करते हुए कहा है कि वे किसी भी भारतीय या विदेशी नागरिक से फोन पर व्यक्तिगत जानकारी नहीं मांगते हैं।

नेपाल में राजशाही की वापसी की आहट: सियासी दलों में बेचैनी, विपक्ष की आपात बैठक

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में राजशाही की वापसी की आहट ने विभिन्न सियासी दलों की बेचैनी बढ़ा दी है। राजधानी काठमांडो में रविवार को पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत के लिए हजारों की भीड़ उमड़ने के पहले ही सियासी दलों को संभवतः हवा के बदलते रुख का अंदाजा हो गया था। यही वजह है कि मुख्य विपक्षी दल सीपीएन (माओवादी सेंटर) अध्यक्ष पुष्प कमल दहल और अन्य शीर्ष पदाधिकार शनिवार को ही राजधानी लौट आए थे।

राजशाही समर्थकों की रैली के एक दिन बाद सोमवार को माओवादी सेंटर के पदाधिकारियों ने एक आपात बैठक की। इसमें राजशाही समर्थकों की गतिविधियों और देश को फिर हिंदू राष्ट्र का दर्जा देने की बढ़ती मांग पर मंथन किया गया। काठमांडो में पूर्व नरेश के भव्य स्वागत से पहले ही सीपीएन (माओवादी सेंटर) ने तराई-मधेश जिलों में महीने भर चलने वाले जागृति अभियान को अचानक रोक दिया था।

पार्टी की बैठक के बाद प्रचंड ने सोशलिस्ट फ्रंट में शामिल दलों के नेताओं के साथ मुलाकात भी की। इस फ्रंट में माओवादी सेंटर के अलावा सीपीएन (एकीकृत समाजवादी), जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल, जनमत पार्टी और नेत्र बिक्रम चंद बिप्लव के नेतृत्व वाली नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी शामिल हैं। राजशाही समर्थकों ने रैली में पूरे उत्साह से नारे लगाए थे-महल खाली करो, हमारे राजा आ रहे हैं। हालांकि, नेपाली सियासी दलों का मानना है कि देश में राजशाही की वापसी की कोई गुंजाइश नहीं है।

मुख्य विपक्षी दल माओवादी सेंटर की बैठक में शीर्ष नेताओं ने माना कि देश में राजशाही की मांग उठना और स्वागत रैली में बड़ी संख्या में आम लोगों की भागीदारी मौजूदा सरकार की विफलता से उपजी निराशा की अभिव्यक्ति है। माओवादी सेंटर के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता अग्नि प्रसाद सपकोटा ने कहा कि लोग हर राज्य निकाय में खराब शासन से निराश हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रगतिशील ताकतों को पूर्व राजा की बढ़ती सक्रियता के प्रति सतर्क रहने के लिए भी आगाह किया। जनता की नाराजगी और पूर्व नरेश के पक्ष में लामबंदी को देखते हुए विपक्ष दलों का गठबंधन मौजूदा सरकार के खिलाफ व्यापक स्तर पर प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है। इसकी तारीख बाद में तय की जाएगी। इस बीच, प्रचंड ने अपनी सियासी सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद वह एकीकृत समाजवादी अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल से मिले। नेपाल ने प्रतिक्रियावादी तत्वों के फिर से उभरने के लिए सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को जिम्मेदार ठहराया। विपक्ष जहां राजशाही समर्थकों की सक्रियता बढ़ने के लिए मौजूदा सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहा है। वहीं सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता शेर बहादुर देउबा ने काठमांडो की रैली को नियमित घटना बताया। उन्होंने कहा, मुझे राजशाही के पक्ष में कोई लहर नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री और यूएमएल अध्यक्ष ओली ने भी रविवार के आयोजन को सामान्य बताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, इसे बाहरी लोगों का समर्थन प्राप्त है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री व सीपीएन (माओवादी सेंटर) पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने मंगलवार को राजशाही समर्थकों को चेतावनी देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती देने के किसी भी प्रयास का जवाब क्रांति से दिया जाएगा। प्रतिनिधि सभा में विशेष संबोधन में मुख्य विपक्षी दल के नेता ने राजशाही समर्थकों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर अपनी जगह तलाशने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा गणतंत्र व्यवस्था ने पूर्व राजा को सुरक्षा प्रदान की है। अगर राजशाही समर्थक ताकतें इसे खत्म करने का प्रयास करती हैं, तो उनके जवाब में एक कठोर क्रांति होगी। उन्होंने कहा कि राजशाही समर्थकों की बढ़ती गतिविधियों के पीछे सरकार का खराब प्रदर्शन, देश की अराजक स्थिति और लोगों के मन में अविश्वास है।

कैमरे के सामने भर-भरकर खाना खाने वाले टिक टाक स्टार का 24 साल की उम्र में निधन, मोटापे ने ली जान

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया पर अपने 'मुकबैंग' वीडियो के लिए मशहूर तुर्की के टिकटॉक स्टार इफेकन कुल्टूर का 24 साल की उम्र में निधन हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह मोटापे से जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार इफेकन की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां वह करीब तीन महीने तक इलाज के बाद जिंदगी की जंग हार गए। इंस्टाग्राम पर्सनालिटी यासीन ओयानिक ने उनके निधन की पुष्टि की।

'मुकबैंग' एक ऐसा ट्रेंड है जिसमें कंटेंट क्रिएटर्स कैमरे के सामने बहुत ज्यादा खाना खाते हैं और अपने दर्शकों से बातचीत भी करते हैं। यह ट्रेंड सबसे पहले दक्षिण कोरिया में पॉपुलर हुआ लेकिन अब दुनिया भर में इसे अपनाया जा रहा है। इन वीडियो में क्रिएटर्स फास्ट फूड, जंक फूड और भारी मात्रा में कैलोरी युक्त खाना खाते हैं जिससे उनका स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ सकता है।

इफेकन कुल्टूर टिकटॉक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ज्यादा खाने वाले वीडियो के लिए फेमस थे। रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ते वजन के कारण वह खुद से चलने-फिरने में भी असमर्थ हो गए थे। वह अपनी मां की कब्र पर भी नहीं जा सकते थे जिनका निधन पिछले साल हुआ था। बता दें कि 7 मार्च 2024 को उनका निधन हो गया। मरने से एक महीने पहले उन्होंने एक इंटरव्यू दिया था जिसमें वह बिस्तर पर लेटे हुए नजर आए और उनकी आंखें ज्यादातर समय बंद रहीं।

'मुकबैंग' ट्रेंड में जरूरत से ज्यादा और अस्वस्थ खाना खाने की वजह से कई क्रिएटर्स मोटापे और अन्य बीमारियों का शिकार हो चुके हैं। यह ट्रेंड खासकर युवा दर्शकों के लिए खतरनाक है क्योंकि वे भी इसे देखकर अधिक खाने की आदत बना सकते हैं जिससे मोटापा, हृदय रोग और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। वहीं इफेकन कुल्टूर का मामला इस बात को साबित करता है कि सोशल मीडिया ट्रेंड्स को अपनाने से पहले उनके स्वास्थ्य पर असर को समझना बहुत जरूरी है।

व्हाइट हाउस ने कोलंबिया विश्वविद्यालय पर डाला दबाव, कहा- फलस्तीन समर्थकों की पहचान उजागर नहीं कर रहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय संघीय एजेंटों को उन लोगों की पहचान करने में मदद नहीं कर रहा है, जो फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शनों में शामिल हुए हैं। प्रशासन ने स्कूल को दंडित करने के लिए संघीय अनुसंधान फंडिंग में कटौती करना जारी रखा है।

आव्रजन प्रवर्तन एजेंटों ने शनिवार को महमूद खलील नामक एक फलस्तीनी कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है। वह एक वैध अमेरिकी निवासी है और पिछले साल कोलंबिया में प्रदर्शनों में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। अब उसे निर्वासन का सामना करना पड़ा रहा है।

प्रदर्शनकारियों की पहचान के लिए खुफिया जानकारी जुटा रहे: व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस संबंध में वाशिंगटन में प्रेस ब्रीफिंग की। लेविट ने कहा कि संघीय अधिकारी इस्राइल की आलोचना करने वाले प्रदर्शनों में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए खुफिया जानकारी का उपयोग कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ऐसे लोगों को यहूदी विरोधी और हमास समर्थक मानता है।

मदद करने से इनकार कर रहा कोलंबिया विश्वविद्यालय: लेविट: लेविट ने कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय को प्रदर्शनों में शामिल लोगों की पहचान के लिए नाम दिए गए थे। हालांकि, वह कैंपस में उन व्यक्तियों की पहचान करने के लिए होमलैंड सुरक्षा विभाग की मदद करने से इनकार कर रहा है। लेविट ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में बहुत दृढ़ता से कहा था, वह इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। कोलंबिया के प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेश का तुरंत जवाब नहीं दिया।

ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि कोलंबिया विश्वविद्यालय से 400 मिलियन डॉलर के अनुदान और अनुबंध वापस ले लिए हैं, यह आरोप लगाते हुए कि विश्वविद्यालय परिसर में यहूदी विरोधी भावना को रोकने में असफल रहा है। इन कटौतियों में नेशल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने सोमवार देर रात 250 मिलियन डॉलर से अधिक के वित्तपोषण में कटौती की।

बता दें कि पिछले साल छात्रों ने गाजा में इस्राइली सैन्य कार्रवाई को समाप्त करने और फलस्तीनियों के मानवाधिकारों को मान्यता देने के लिए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे, जिससे विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया था। विश्वविद्यालय को बाद में प्रदर्शनों को खत्म करने के लिए पुलिस का सहारा लेना पड़ा। 30 वर्षीय खलील प्रदर्शनकारियों का प्रवक्ता था। उस पर किसी भी अपराध का आरोप नहीं लगाया गया। हालांकि, कैरोलिन लेविट ने कहा कि हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने खलील के खिलाफ आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

सरकार अवैध तरीके से आव्रजन शक्तियों का इस्तेमाल कर रही : वकील

वहीं, सिविल राइट्स समूहों और खलील के वकीलों का कहना है कि सरकार उसे बोलने से रोकने के लिए अवैध तरीके से अपनी आव्रजन शक्तियों का इस्तेमाल कर रही है। एक संघीय न्यायाधीश ने सुनवाई तय की है और सरकार को खलील को निर्वासित करने से रोकने का आदेश दिया है।

हम चाहते हैं जंग खत्म हो, यूक्रेन सहमत हो गया, अब हमें रूस जाना है: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के जेद्दा में शांति वार्ता के बाद यूक्रेन द्वारा युद्ध विराम पर सहमति जताने का स्वागत किया है, साथ ही उम्मीद जताई है कि रूस भी इस पर सहमत होगा।

ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को मीडिया से कहा, यूक्रेन, युद्ध विराम, पर अभी कुछ समय पहले ही सहमति बनी है। अब हमें रूस जाना है और उम्मीद है कि राष्ट्रपति पुतिन भी इस पर सहमत होंगे और हम इस शो को आगे बढ़ा सकते हैं। हम इस भयानक युद्ध को जीत सकते हैं...मुझे रिपोर्ट मिली है और वे अमेरिकी सैनिक नहीं हैं। वे यूक्रेनी हैं और वे रूसी हैं। लेकिन, लोग इसके बाहर मारे जा रहे हैं। शहरों में लोग मारे जा रहे हैं क्योंकि शहरों में विस्फोट हो रहे हैं और हम इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं।

ट्रंप का यह बयान यूक्रेन द्वारा तत्काल, अंतरिम 30-दिवसीय युद्धविराम लागू करने के अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार करने की इच्छा व्यक्त करने के बाद आया है, जिसे पक्षों की आपसी सहमति से बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस भयानक युद्ध में रूस और यूक्रेन दोनों के सैनिक मारे जा रहे हैं, ट्रंप ने कहा कि युद्ध विराम पर पहुंचना बहुत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने समाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से कहा, तो, मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है। मुझे लगता है कि यह ओवल ऑफिस में पिछली यात्रा और पूर्ण युद्ध विराम के बीच एक बड़ा अंतर है, यूक्रेन इस पर सहमत हो गया है और उम्मीद है कि रूस भी इस पर सहमत होगा। हम आज और कल बाद में उनसे मिलने जा रहे हैं और उम्मीद है कि हम एक समझौते को खत्म करने में सक्षम होंगे। लेकिन मुझे लगता है कि युद्ध विराम बहुत महत्वपूर्ण है। अगर हम रूस को ऐसा करने के लिए राजी कर सकते हैं, तो यह बहुत अच्छा होगा। अगर हम ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो हम बस चलते रहेंगे और लोग मारे जाएंगे, बहुत सारे लोग।

पाकिस्तानी सेना का बीएलए के खिलाफ एक्शन; ट्रेन में बंधक बनाए 80 यात्रियों को छुड़ाया, गोलीबारी जारी

कराची एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने मंगलवार को बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध बलूच आतंकवादियों द्वारा ट्रेन में बंधक बनाए गए 80 यात्रियों को छुड़ा लिया। सरकार के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, नौ डिब्बों में लगभग 500 यात्रियों को लेकर जाफर एक्सप्रेस क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी तभी मंगलवार सुबह गुदलार और पीरू कोनेरी इलाकों के बीच उस पर गोलीबारी की गई। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उसने ट्रेन को अपने कब्जे में लेकर 100 से ज्यादा यात्रियों को बंधक बना लिया है। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा, ''सुरक्षा बलों ने एक डिब्बे से 80 यात्रियों - 43 पुरुष, 26 महिलाएं और 11 बच्चों - को छुड़ाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने बताया कि करीब 400 यात्री अभी भी ट्रेन में ही हैं, जो सुरंग के अंदर है।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। रिंद ने कहा कि पेशावर जाने वाली यात्री ट्रेन पर ''भीषण गोलीबारी की खबरों के बीच बचाव दल को मौके पर भेजा गया है। इस बीच, पाकिस्तान रेलवे ने क्वेटा रेलवे स्टेशन पर एक आपातकालीन डेस्क स्थापित किया है क्योंकि चिंतित रिश्तेदार अपने प्रियजनों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए पहुंच रहे हैं। आधिकारिक तौर पर किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की है कि आपातकालीन स्थिति घोषित कर दी गई है और घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

पिछले वर्ष अक्टूबर में पाकिस्तान रेलवे ने डेढ़ महीने से अधिक समय के निलंबन के बाद क्वेटा और पेशावर के बीच रेल सेवाएं बहाल करने की घोषणा की थी। बलूचिस्तान में पिछले एक साल में आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है। नवंबर 2024 में क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुए आत्मघाती धमाके में कम से कम 26 लोग मारे गए थे और 62 अन्य घायल हुए थे।

गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण के लिए बातचीत शुरू, इस्राइल-हमास मतभेदों के बावजूद उम्मीदें कायम

दोहा, एजेंसी। गाजा संघर्ष विराम को लेकर कतर की राजधानी दोहा में मंगलवार को वार्ता का एक नया दौर शुरू हुआ। हमास के वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल रहमान शदीद ने कहा कि उनका आंदोलन इन वार्ताओं को सकारात्मक और जिम्मेदारी से ले रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा आंदोलन इन वार्ताओं को जिम्मेदारी से ले रहा है। साथ ही हम इसे सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने की उम्मीद रखते हैं। बता दें कि संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के लिए इस्राइल ने भी अपने वार्ताकारों की टीम भेजी है। हालांकि एक पक्ष ये भी है कि अभी तक इस्राइल की ओर से किसी भी प्रकार का बयान नहीं जारी किया गया है इस वार्ता को लेकर।

शदीद ने ट्रंप प्रशासन की जिम्मेदारी पर दिया जोर: शदीद ने उम्मीद जताई कि यह वार्ता दूसरे चरण की शुरुआत की दिशा में ठोस प्रगति करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के मध्य पूर्व दूत, स्टीव विटकॉफ, युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए वार्ता शुरू करने में मदद करेंगे। शदीद ने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रशासन को इस्राइल सरकार के प्रति अपने समर्थन की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

नई वार्ता के बीच भी गतिरोध जारी: देखा जाए तो गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण पर इस्राइल और हमास के बीच मतभेद बने हुए हैं। हमास चाहता है कि अगले चरण की वार्ता तुरंत शुरू हो, जबकि इस्राइल पहले चरण को और बढ़ाना चाहता है। इतना ही नहीं हमास ने इस्राइल पर युद्ध विराम समझौते से मुकरने का आरोप लगाया है। सोमवार को एक बयान में हमास ने कहा कि इस्राइल दूसरे चरण को शुरू करने से इंकार कर रहा है, जिससे उसकी टालमटोल करने की मंशा साफ हो रही है।

इस्राइल ने रोक दी बिजली आपूर्ति: इस वार्ता के शुरू होने से पहले रविवार को इस्राइल ने गाजा के बिजली की आपूर्ति रोक दी, जिसे हमास ने सस्ती और अस्वीकार्य ब्लैकमेल कहा। इस्राइल ने गाजा को राहत सामग्री की आपूर्ति भी रोक दी है, जिसके बाद हमास ने कहा कि इससे गाजा में खाद्य कीमतें बढ़ गई हैं और दवाइयों की भारी कमी हो गई है, जिससे मानवीय संकट और बढ़ गया है।

एक नजर पूरे घटना क्रम पर: गौरतलब है कि 15 महीनों के भीषण सघर्ष के बाद गाजा में शुरू हुआ संघर्ष विराम का पहला 42 दिन का चरण मार्च की शुरुआत में समाप्त हो चुका है, लेकिन इसके बाद के चरणों पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी। गाजा में युद्धविराम का प्रारंभिक चरण 19 जनवरी को शुरू हुआ था, जिसे कतर, मिस्र और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा मध्यस्थता की गई थी। यह संघर्ष 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इस्राइल पर हमले के बाद शुरू हुआ था।

हर साल एक लाख स्वयंसेवकों को सैन्य प्रशिक्षण देगी सरकार, रूसी खतरे के बीच रिजर्व सेना बनाना लक्ष्य

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड सरकार 2027 से हर साल 100,000 स्वयंसेवकों को सैन्य प्रशिक्षण देगी। इसके पीछे का उद्देश्य रूस के बढ़ते खतरे के बीच एक रिजर्व सेना बनाना है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने कैबिनेट मंत्रियों और अन्य सरकारी अधिकारियों से कहा है कि वे भी सैन्य प्रशिक्षण लें, और इसे पूरी तरह से स्वीकार किया गया है।पीएम टस्क ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि पोलैंड को 500,000 सैनिकों की जरूरत है, जो वर्तमान संख्या से दोगुने से भी अधिक है। इसमें पेशेवर सेना, क्षेत्रीय रक्षा बल के अलावा रिजर्व भी शामिल होंगे।

हाल के हफ्तों में पोलैंड में बढ़ी सुरक्षा चिताएं

रूस द्वारा यूक्रेन पर लगातार मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए जाने और ट्रंप प्रशासन द्वारा नाटो के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं पर सवाल उठाए जाने के कारण हाल के हफ्तों में पोलैंड में सुरक्षा चिंताएं तेजी से बढ़ी हैं।

पोलिश पुरुषों के सैन्य प्रशिक्षण की योजना पर काम कर रही पोलिश सरकार: पीएम टस्क ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार सभी पोलिश पुरुषों के लिए सैन्य प्रशिक्षण की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने मंगलवार को इस बारे में और अधिक जानकारी दी। पीएम टस्क ने अपने मंत्रियों से कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि स्वयंसेवकों की कोई कमी नहीं होगी।

पोलिश सरकार का लक्ष्य- सैनिकों की संख्या 300,000 तक बढ़ाना: बता दें कि पिछले साल, पोलिश सरकार ने कहा था कि सेना में लगभग 200,000 सैनिक हैं और इस साल यह संख्या बढ़कर 220,000 हो जाएगी, जिसका लक्ष्य लगभग 300,000 तक बढ़ाना है।

होली पर लग रहा साल का पहला चंद्र ग्रहण

साल 2025 का पहला पूर्ण चंद्रग्रहण 13 मार्च 2025 की रात से शुरु होने वाला यह चंद्र ग्रहण 14 मार्च की दोपहर तक चलेगा। ग्रहण का समय अलग-अलग देशों के टाइम ज़ोन के हिसाब से अलग होगा। पूर्ण चंद्र ग्रहण तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी की छाया के सबसे अंधेरे हिस्से, जिसे उपच्छाया के रूप में जाना जाता है, से गुजरता है। जब यह चंद्र सतह के 100% हिस्से को पूरी तरह से कवर करने के लिए अलाइन होता है, तो फुल "Warm Moon" लाल-नारंगी रंग में दिखाई देने से पहले धीरे-धीरे पीला हो जाता है। लगभग 65 मिनट तक चलने वाली इस शानदार खगोलीय घटना के दौरान "Blood Moon" भी दिखेगा, ऐसा तब होगा जब चंद्रमा में पूर्ण चंद्र ग्रहण लग रहा होगा। उत्तर और दक्षिण अमेरिका के लोगों को ब्रह्मांडीय घटना का सबसे अच्छा नजारा दिखाई देगा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी NASA के अनुसार, यह ग्रहण पश्चिमी गोलार्ध के कुछ अन्य क्षेत्रों में भी साफ आसमान तले देखा जा सकेगा। आपको बता दें कि मार्च में लगने वाले इस चंद्र ग्रहण के बाद अगला Lunar Eclipse नवंबर में लगेगा। गौर करने वाली बात है कि दुनियाभर की कुल आबादी का केवल 13% हिस्सा ही पूर्ण चंद्र ग्रहण के इस नजारे को देख पाएगा।

क्या होता है चंद्र ग्रहण

चंद्र ग्रहण आसमान में घटने वाली एक खगोलीय घटना है। इस दौरान पृथ्वी, चंद्रमा और सूर्य के बीच आ जाती है और चंद्रमा पर पृथ्वी की परछाई पड़ती है। आमतौर पर ऐसे वक्त चंद्रमा डार्क हो जाता है। टाइमिंग और मौसम के हिसाब से ग्रहण दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई देता है।

कब और कहां देखें चंद्र ग्रहण

इस बार, चंद्रमा 14 मार्च, शुक्रवार को सुबह 3:57 बजे UTC (9:27 बजे IST) और 10 बजे UTC (3:30 बजे IST) के बीच पृथ्वी की छाया से गुजरेगा। संपूर्ण चंद्र सतह सुबह 6:26 बजे यूटीसी (1:56 बजे आईएसटी) से सुबह 7:21 बजे यूटीसी (12:51 बजे आईएसटी) तक लाल रहेगी। पूर्ण चंद्र ग्रहण को यूरोप के कुछ हिस्सों- आयरलैंड, पुर्तगाल, मध्य स्पेन, उत्तर-पश्चिमी फ़्रांस और यूनाइटेड किंगडम के पश्चिमी क्षेत्रों में भी देखा जा सकता है। यह पश्चिमी और मध्य यूरोप के अन्य स्थानों से आंशिक रूप से दिखाई देगा। इन क्षेत्रों में, 14 मार्च को पश्चिम में स्थापित होने से कुछ मिनट पहले चंद्रमा पूरी तरह से ग्रहण हो जाएगा। यूरोप में पूर्ण ग्रहण का समय यहां दिया गया है। मार्च 2025 का चंद्र ग्रहण नंगी आंखों से दिखाई देगा और इसे देखने के लिए किसी किसी खास उपकरण की जरूरत नहीं है। हालांकि, लोग बेहतर नजारे के लिए दूरबीन या टेलीस्कोप का इस्तेमाल कर सकते हैं। मार्च में लगने वाले ग्रहण के बाद, अगला पूर्ण चंद्र ग्रहण 7-8 सितंबर, 2025 और 2-3 मार्च, 2026 को होगा। 27-28 अगस्त, 2026 को आंशिक ग्रहण भी होगा, जिसमें पृथ्वी चंद्र सतह का 93% हिस्सा कवर करेगी।

सिकुड़ती हड्डियां, कमजोर मांशपेशियां...

स्पेस में लंबे समय तक रहने से क्या होता है? धरती पर आने जा रहीं सुनीता विलियम्स के लिए टेंशन

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के धरती पर लौटने का रास्ता साफ हो गया है। जून 2024 से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) में फंसे सुनीता और बुच की स्पेसएक्स ड्रैगन से अगले हफ्ते वापसी हो सकती है। दोनों का ये मिशन सिर्फ आठ दिन का था लेकिन बोइंग स्टारलाइनर में खराबी के चलते उनको नौ महीने स्पेस से रहना पड़ रहा है। इतने लंबी समय अंतरिक्ष में रहने से उनके स्वास्थ्य, खासकर विकिरण से होने वाले प्रभाव को लेकर चिंता है।

59 साल की सुनीता विलियम्स एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं। इससे पहले अपने दो अभियानों में वह 322 दिन स्पेस में बिता चुकी है। सुनीता 2006-2007 में 195 दिन और 2012 में 128 दिन स्पेस में रही हैं। वह महिला अंतरिक्ष यात्रियों में सबसे ज्यादा स्पेसवॉक करने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। उनके पास 50 घंटे 40 मिनट का स्पेसवॉक अनुभव है। हालांकि अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के चलते सुनीता की सेहत को लेकर कई चिंताए हैं।

सुनीता की सेहत पर होगा बुरा असर!

न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने से मानव शरीर पर कई तरह के प्रभाव पड़ते हैं। इसमें हड्डियों का घनत्व कम होना (सिकुड़ना) और मांसपेशियों का कमजोर होना शामिल है। शरीर में तरल पदार्थों का बंटवारा भी स्पेस में ज्यादा समय रहने से प्रभावित होता है। इनमें से कई प्रभाव समय के साथ ठीक हो जाते हैं लेकिन कुछ जारी रह सकते है। अंतरिक्ष में विकिरण का जोखिम सबसे बड़ी चिंता का सबब होता है। दरअसल धरती पर चुंबकीय क्षेत्र (मेग्नेटिक फील्ड) इंसान के शरीर को विकिरण से बचाता है लेकिन अंतरिक्ष में ऐसा नहीं है। ISS में इससे बचाव के लिए कई उपाय किए जाते हैं। इसके बावजूद जोखिम बना रहता है। ऐसे अध्ययन सामने आए हैं, जो बता हैं कि अंतरिक्ष यात्री 150 से 6,000 एक्सरे के बराबर विकिरण के संपर्क में आते हैं।

प्रभावों की सटीक जानकारी जुटाना मुश्किल

भारतीय खगोल वैज्ञानिक डॉक्टर पी श्रीकुमार का कहना है कि सामान्य विकिरण का प्रभाव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। अंतरिक्ष में बिताया गया हर दिन सामान्य स्तर से ज्यादा विकिरण के जोखिम को बढ़ाता है। ये तब बढ़ जाता है, जब सौर गतिविधि ज्यादा हो। उनका कहना है कि अंतरिक्ष एजेंसियां यात्रियों के स्वास्थ्य डेटा सार्वजनिक नहीं करती हैं, इसलिए अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के सटीक प्रभावों का पता लगाना मुश्किल है। हालांकि ये साफ है कि अंतरिक्ष में लंबा समय बिताना जोखिमभरा है।

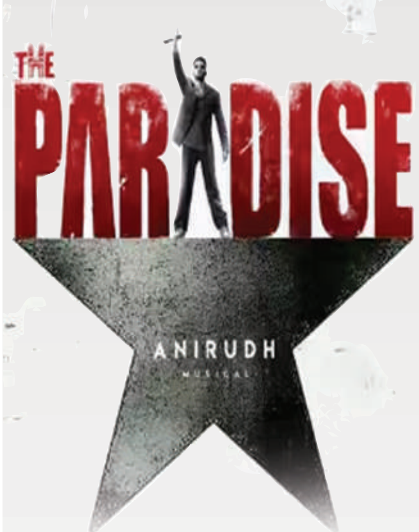

दो पार्ट में रिलीज होगी नानी की द पैराडाइज?

साउथ अभिनेता नानी इन दिनों अपनी फिल्म द पैराडाइज को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म नानी की अब तक की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म होगी। फिल्म को लेकर अब एक ताजा जानकारी सामने आई है कि द पैराडाइज दो भागों में रिलीज की जाएगी, जिसे सुनने के बाद नानी के प्रशंसक द पैराडाइज को लेकर बेहद खुश और उत्साहित हैं। द पैराडाइज को श्रीकांत ओडेला निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म की पहली झलक ने ही प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता पैदा कर दी है। फिल्म के पोस्ट में नानी का लुक अभी तक की उनकी सभी फिल्मों से बिल्कुल अलग नजर आया। यही वजह है कि नानी के प्रशंसकों को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है, ताकि वह अपने पसंदीदा अभिनेता को एक अलग रूप में देख सकें।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में नानी ने अपनी फिल्म द पैराडाइज को मैड मैक्स का भारतीय रूप बताया। वहीं अब ताजा जानकारी के अनुसार, कई बड़े बजट फिल्मों की तरह द पैराडाइज को भी दो भागों में बनाया जाएगा। पहला पार्ट 26 मार्च, 2026 को रिलीज होगा, जबकि इसका दूसरा भाग ज्यादा समय ले सकता है। एसएलवी सिनेमा के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द पैराडाइज का निर्माण कर रहे हैं। माना जा रहा है कि नानी की इस फिल्म का बजट बहुत बड़ा है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। द पैराडाइज में नानी के अलावा अभी तक बाकी कलाकारों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म द पैराडाइज का अंदाज जंगली और बेबाक है। श्रीकांत ओडेला ने फिल्म की कहानी 1960 के दशक के एक काल्पनिक शख्स के इर्द-गिर्द लिखी है, जो गरीब और शोषित लोगों के लिए उम्मीद बनकर आया था। फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। इसे स्पेनिश जैसी अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा, ताकि दुनियाभर के लोग इसे देख सकें।

शनाया कपूर ने आंखों की गुस्ताखियां से शुरू किया एक्टिंग करियर

संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही एक्टिंग में डेब्यू करने जा रही हैं। काफी दिनों से उनकी फिल्म की शूटिंग टल रही थी। कई बार फिल्म की शूटिंग टलने के बाद आखिरकार शनाया एक अभिनेत्री के बतौर काम करने जा रही हैं। शुक्रवार को शनाया ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की जिसमें वह आंखों की गुस्ताखियां सेट पर नजर आ रही हैं।

शनाया की फिल्म की शुरू हुई शूटिंग

शनाया ने जो पोस्ट शेयर की है उसमें देखा जा सकता है कि शनाया ने फिल्म का एक क्लिपबोर्ड ले रखा है। वह मुस्कुरा रही हैं और क्लिपबोर्ड के साथ पोज दे रही हैं। इस पर फिल्म का नाम आंखों की गुस्ताखियां लिखा हुआ है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है आभार।

शनाया की मां ने किया कमेंट

पोस्ट के कमेंट सेक्शन में शनाया कपूर की मां महीप कपूर ने लाल दिल और नजर से बचने का इमोजी कमेंट किया है। वहीं भावना पांडे ने लिखा है मुबारक हो मेरी बच्ची। नव्या नंदा, खुशी कपूर और अंजनी धवन ने इस पोस्ट पर कमेंट बॉक्स में लाल इमोजी कमेंट किया है।

वृषभ में भी नजर आने वाली हैं शनाया

शनाया कपूर ने गुंजन सकसेना की फिल्म द कर्गिल गर्ल फिल्म में एसिस्टेंट डायरेक्टर के बतौर काम किया है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर अहम रोल में हैं। शनाया वृषभ में भी एक्टिंग करने वाली हैं। इस फिल्म में मोहन लाल भी अहम रोल में होंगे. ये फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म में सलमा आगा की बेटी जहरा एस खान और रोशन मेका भी नजर आएंगी।

पहले ही डेब्यू करने वाली थीं शनाया

शनाया पहले करण जौहर की फिल्म बेधड़क से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली थीं। इसमें वह निमरित का किरदार अदा करने वाली थीं। लेकिन इस फिल्म के बारे में अभी कोई अपडेट नहीं है।

तीन कहानियों पर काम कर रहे निर्देशक कबीर खान बताया कब करेंगे अपनी नई फिल्म की घोषणा

मैं अभी फिलहाल तीन अलग-अलग कहानियों पर काम कर रहा हूं। कहानियां अभी लिखी जा रही हैं। हालांकि, इनमें अभी कलाकारों का चयन नहीं हुआ है। कई कलाकारों से बात जरूर हुई है, लेकिन अभी तक कोई तय नहीं हुआ है। ये कहना है 'बजरंगी भाईजान' और 'एक था टाइगर' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले निर्देशक कबीर खान का। अपने हालिया इंटरव्यू में कबीर खान ने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स से लेकर सलमान खान, ऋतिक रोशन और विक्की कौशल के साथ उनके काम करने को लेकर चल रही अफवाहों पर भी बात की। निर्देशक ने कहा, हमारे पास बहुत सारे विचार हैं, लेकिन कभी-कभी यह जरूरी नहीं है कि यह आपकी अगली फिल्म हो। यह संभव है कि मैं कोई आइडिया रखूं और विक्की, सलमान या ऋतिक से बात करूं और वे कुछ और विचार रखें। इसलिए, बहुत सारी बातचीत हो रही है।

अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

पिछले कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें फैल रही थीं कि कबीर खान ऋतिक रोशन के साथ एक थ्रिलर, विक्की कौशल के साथ एक ऐतिहासिक ड्रामा और सलमान खान के साथ एक कमर्शियल एंटरटेनमेंट फिल्म पर काम करेंगे। हालांकि, अब निर्देशक का ये कहना है कि अभी ऐसा कुछ भी नहीं है। अभी वो सिर्फ कहानियों पर काम कर रहे हैं, लेकिन स्टार कास्ट फाइनल नहीं है।

तीन महीने तक किसी फिल्म की घोषणा नहीं करेंगे कबीर

'83' के निर्देशक ने साफ किया कि उन्हें अपनी अगली फिल्म की घोषणा करने में कम से कम तीन महीनों का वक्त लगेगा। निर्देशक ने कहा कि अगर आप मुझसे पूछें कि क्या निकट भविष्य के लिए कुछ तय किया गया है, तो नहीं। अभी मैं 'माई मेलबर्न' की रिलीज का इंतजार कर रहा हूं, जो 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली एक एंथोलॉजी है।

स्टंट दिखाती नजर आएंगी मल्लिका, रोहित शेट्टी के शो से जुड़ने की खबर

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने साल 2002 में आई फिल्म जीना सिर्फ मेरे लिए से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया। हालांकि, 2004 में आई फिल्म मर्डर से उन्हें पहचान मिली। काफी लंबे वक्त तक इंडस्ट्री से दूर रहने के बाद मल्लिका ने बीते साल विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से कमबैक किया। उन्हें लेकर खबर है कि वे खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आएंगी। मल्लिका शेरावत को पहले भी इस स्टंट रियलिटी शो की पेशकश की जा चुकी हैं, मगर अपनी वर्क कमिटमेंट के चलते उन्होंने इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार संभावनाएं बनती दिख रही हैं। मल्लिका के इस शो से जुड़ने की कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

इन सितारों से भी किया गया संपर्क

खतरों के खिलाड़ी शो को लंबे वक्त से रोहित शेट्टी होस्ट कर रहे हैं। मल्लिका को इस शो से जुड़ने का ऑफर पहले भी दिया जा चुका है। लेकिन, पहले उन्होंने मना कर दिया। इस बार उनकी तरफ से सकारात्मक संकेत दिया जा रहा है। मल्लिका के अलावा एल्विश यादव, अविनाश मिश्रा, ओरी, दिग्विजय सिंह, सिद्धार्थ निगम और गुल्की जोशी समेत कई और सितारों को भी शो के लिए अप्रोच किया गया है।

इस महीने शुरू होने की संभावना

रिपोर्ट्स के मुताबिक, खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग मई 2025 में शुरू होने वाली है। इस साल जून या जुलाई के आसपास इसका प्रीमियर होने की उम्मीद है। मालूम हो कि खतरों के खिलाड़ी का पिछला सीजन करणवीर मेहरा ने जीता था।

रेयर बीमारी से हैं पीड़ित बिग बॉस ओटीटी 3 विनर सना मकबूल

बॉस ओटीटी 3 की विनर रहीं सना मकबूल इन दिनों कुछ गंभार बीमारी से जूझ रही हैं। उन्होंने बताया है कि उन्हें लीवर की बीमारी और साउथ की स्टार एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु जैसी ही इम्युनिटी डिसऑर्डर की परेशानी झेल रही हैं। सना ने भारती सिंह के पॉडकास्ट पर अपनी बीमारी को लेकर बातें की और बताया कि कैसे वो साल 2020 से इसके लिए दवा ले रही हैं।

उन्होंने बताया कि वो लंबे समय से लीवर की परेशानी झेल रही हैं। सना ने इस बातचीत में कहा, हेल्थ की वजह से मैंने हाल ही में मैं वेजिटेरियन बनी। बहुत से लोग नहीं जानते कि मैं ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस की मरीज़ हूं और मुझे लीवर की बीमारी है। इस बीमारी का पता 2020 में लगा था। इसके कोई खास लक्षण नहीं हैं। इसमें, मेरे शरीर के ही बॉडी सेल्स शरीर के अंगों पर हमला करते हैं। मेरे मामले में, यह कभी-कभी ल्यूपस होता है, यह आपकी किडनी पर असर डालता है या ऑर्थराइटिस की समस्या हो सकती है। सामंथा रूथ प्रभु को मायोसिटिस है, जो एक मसल्स संबंधी बीमारी है। मुझे यह लीवर से जुड़ी बीमारी है। अपनी इस बीमारी से वो कैसे लड़ रही हैं, सना ने इस बारे में भी बातें की। उन्होंने कहा, मैं स्टेरॉयड, सप्रेसेंट या कुछ दवाइयां लेती हूं। यह एक लाइफस्टाइल प्रॉब्लम है, लेकिन ये ऑटोइम्यून के साथ, लीवर की स्थिति एक मुश्किल चीज है। मेरे स्वास्थ्य उतार-चढ़ाव लगा रहता है, मुझे नहीं पता कि इसे पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है या नहीं।

करणवीर मेहरा के साथ म्यूजिक वीडियो में दिखीं

बिग बॉस के बाद सना ने कई म्यूज़िक वीडियो में भी काम कर चुकी हैं, उनमें से एक बिग बॉस 18 के विनर करणवीर मेहरा के साथ भी था। हाल ही में वह अपनी सबसे अच्छी दोस्त नेज़ी के साथ एक म्यूज़िक वीडियो में नज़र आईं।

जल्द 'नो एंट्री 2' लेकर आ रहे अनीस बज्मी, कॉमेडी-ड्रामा पर दिया अपडेट

दर्शक अनीस बज्मी की कॉमेडी-ड्रामा 'नो एंट्री 2' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान फिल्म निर्माता ने सीक्वल के बारे में बात की। जब अनीस बज्मी से पूछा गया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब तक रिलीज हो जाएगी तब उन्होंने बताया, अभी इसमें समय लगेगा क्योंकि मुझे फिल्म की कहानी लिखने में लगभग 2 से 3 महीने लगेंगे। इसके बाद ही हम फिल्म शुरू कर पाएंगे। अनीस बज्मी और बोनी कपूर ने साल 2005 में रिलीज हुई हिट कॉमेडी 'नो एंट्री' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल के लिए प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू किया है। बज्मी ने सोशल मीडिया पर ग्रीस में फिल्म के लिए अपने रेकी सेशन की कई तस्वीरें पोस्ट की। अनीस के साथ बोनी कपूर और फोटोग्राफी के निर्देशक मनु आनंद भी साथ नजर आए थे। तस्वीर में तीनों एक खूबसूरत लोकेशन के बीच पोज देते नजर आए।

बज्मी ने कैप्शन में लिखा, निर्माता बोनी कपूर और मनु आनंद के साथ ग्रीस में नए रोमांच की योजना बना रहे हैं! 'नो एंट्री 2' की तैयारी चल रही है। 'नो एंट्री 2' के स्टारकास्ट और कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट्स का दावा है कि सीक्वल में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, निर्माताओं ने इस विषय में अभी तक कुछ भी आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। साल 2005 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'नो एंट्री' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता साबित हुई था और प्रशंसकों को काफी पसंद आई थी। 'नो एंट्री' में अभिनेता सलमान खान के साथ अनिल कपूर, फरदीन खान, बिपाशा बसु, लारा दत्ता, ईशा देओल, सेलिना जेटली और बोमन ईरानी समेत अन्य कलाकार अहम भूमिका में थे। 'नो एंट्री' की कहानी पर नजर डालें तो यह तीन विवाहित पुरुषों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी पत्नियों से अपने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर संबंधों को छिपाते हैं। बज्मी को उनके कॉमेडी फिल्मों के लिए खास तौर पर जाना जाता है। 'भूल भुलैया 2', 'भूल भुलैया 3', 'पागलपंती', 'रेडी', 'मुबारकां', 'वेलकम', 'वेलकम बैक', 'सिंह इज किंग', 'सैंडविच' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

बुरे समय में भी मैंने फिल्मों को 'ना' कहने का किया साहस

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान अपने 60वें जन्मदिन से पहले रविवार को मुंबई में 'आमिर खान- सिनेमा का जादूगर' फिल्म फेस्टिवल के लंच में शामिल हुए। इस दौरान खान ने फिल्म से जुड़े अपने कई अनुभव शेयर किए। कार्यक्रम के दौरान अभिनेता ने पटकथा लेखक और गीतकार जावेद अख्तर से बात की। जावेद अख्तर ने कहा, कौन अपने दिमाग से दंगल करता, जिसमें एक बूढ़े व्यक्ति की भूमिका थी, जो कुश्ती में अपनी बेटी से हार जाता है? आप जोखिम लेते हैं, कोई और नहीं ले सकता। आमिर ने कहा कि चयन करना एक ऐसी चीज है, जो उनके जीवन में बहुत पहले ही आ गई थी। अभिनेता ने कहा कि कयामत से कयामत तक में अपनी शुरुआत के बाद अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्हें अच्छी स्क्रिप्ट्स के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन उस समय भी उन्होंने कई फिल्मों को ना कहा था। अभिनेता ने कहा, मेरे सबसे बुरे समय में भी मैंने नहीं कहने का साहस किया। अगर मैंने उस दिन समझौता कर लिया होता तो मेरा पूरा करियर समझौतों की एक सीरीज बन जाता। उन्होंने कहा, मुझे जीवन के सबसे बुरे समय में महेश भट्ट की एक फिल्म मिली। लेकिन मुझे वह फिल्म पसंद नहीं आई। मैंने हिम्मत की और महेश भट्ट को यह बात बताई। आमिर की गिनती हिंदी सिनेमा के एक ऐसे सुपरस्टार के रूप में की जाती है, जो प्रयोग करने की हिम्मत रखते हैं और ऐसी फिल्में करते हैं जो बॉक्स-ऑफिस और सांस्कृतिक प्रभाव दोनों के मामले में मानक स्थापित करने की क्षमता रखती है। उनकी अन्य फिल्में जो पूरी तरह से लोकप्रिय हो गई। इस लिस्ट में अंदाज अपना अपना, रंग दे बसंती, सरफरोश, तारे जमीन पर, 3 इडियट्स, दिल चाहता है, दंगल समेत अन्य फिल्मों के नाम शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक निहाल कुमार साह वर्ल्ड वाइज न्यूज़ (दैनिक), दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,प्लॉट नंबर 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन , रातू राँची (झारखंड) से मुद्रित , मोनिका भारती फ्लैट नंबर 305 सुशीला अपार्टमेंट, नियर काली मंदिर (जिला- हजारीबाग) राज्य- झारखंड , पिन नंबर 825301 से प्रकाशित (वरीय संपादकः अमरनाथ पाठक) पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार ,
RNI.NO: JHAHIN/2023/85732, समस्त दिवानी विवादी, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परीवादो के लिए क्षेत्राधिकार हजारीबाग न्यायालय में रहेगा।